हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

18 मार्च, 1981

खंड 1 अंक 8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार 18 मार्च 1981

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(8)34
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)38
अध्यक्ष द्वारा घोशणा	
श्री हीरानन्द आर्य एम.एल.ए. की रिहाई सम्बन्धी	(8)45
वि ोशाधिकार प्र न	
डा0 मंगल सैन, एम.एल.ए. को धमकी देने सम्बन्धी	(8)45
11–3–1981 को चौधरी जगजीत सिंह पोहलू एम.एल.ए. के निलम्बन सम्बन्धी निर्णय को रद्द करना।	(8)48
वाक आउट	(8)58
वर्श 1981–82 के बजट पर सामान्य चर्चा	(8)58

हरियाणा विधान सभा

बुधवार 18 मार्च, 1981

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़, में. प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैंबर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Digging of Ratuali Link Drain

***1939. Shri Gulzar Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether it is a fact that digging work on a portion of Ratuali Link drain in Rajound Constituency of District Jind is still incomplete ; if so, the time by which it is likely to be completed?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह): रिटोली लिंक ड्रेन का कार्य पम्प हाउस सहित पूर्ण कर दिया था परन्तु बाद में जमीदारों ने पांच सौ फुट की लम्बाई तक भर दिया। भूमि अभिग्रहण की कार्यवाही करने के प चात ड्रेन को 30–6–1981 तक पूर्ण कर देने की आ ा है।

श्री गुलजार सिंहः मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि ड्रेन की खुदाई करने के बाद जमींदारों ने 500 फुट लम्बाई तक उस ड्रेन को भर दिया। अध्यक्ष महोदय, पिछली एक तारीख को मैं रिटोली गांव में गया था और वहां के बहुत सारे आदमियों को इकट्ठा किया जिन्होनं कहा कि यह ड्रेन खुदी ही नहीं। वहां पर ड्रेन खोदे जाने के संबंध में पहले भी कई बार मैं अफसरान से मिल चुका हूं। कया मंत्री महोदय यह आ वासन देगें कि जून तक यानि बाढ आने से पहले पहले उसे खोद दिया जायेगा?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, यह 3 मील लम्बी ड्रेन थी और सारी बन गई थी । बात दरअसल यह रही कि हमारे महकमें के अफसरान ने उस ड्रेन को लैण्ड ऐक्वायर करने से पहले ही निकाल दिया था लेकिन किसी कारण उस जमीन के पैसे नहीं दिये जा सके। इसलिये वहां के आदमियों ने गुस्से में आ कर 500 फुट के टुकडे को मिट्टी से भर दिया था। अब हम उस 500 फुट के टुकडे को जून से पहले पहले मुकम्मल करवा देगे।

Mr. Speaker: But the point which I see is slightly different. वह तो खुद कहते है कि वहां के जमीदार कहते है कि ड्रेन खुदी ही नहीं है। अगर ड्रेन खुदी ही नहीं और उसके पैसे क्लेम हो चुके है तो I request the Government to look into this matter.

Sardar Tara Singh: Sir, that is not the position. जैसा मैने कहा है कि उस जमीन का पैसा देने से पहले ही वह

ड्रेन खोद दी गई थी। एल0ए0ओ0 की कार्यवाही के ाकरण वह पेमेंट हम ठीक समय पर नहीं कर पाये थे। हम उस टुकड़े को 30 जून से पहले पहले खोद देगें। बरसात का पानी निकालने के लिये हमने वहां पर रेगूलेटर लगा रखे है। वहां से पानी पिछले साल भी निकाला था और अब भी निकलता रहेगा।

चौधरी हर स्वरूप बूराः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि जो जमीन ऐक्वायर की जाती है उसका कम्पनसे ान मार्किट वैल्यू के हिसाब से देते है या उससे कम देते है? यदि कम देते है तो कितना फर्क हेाता है?

सरदार तारा सिंहः मार्किट वैल्यू नहीं देतेह। पांच सल की औसत के हिसाब से हम ऐक्वायर की गई जमीन के पैसे देते है।

चौधरी हर स्वरूप बूराः क्या मंत्री जी बतायेगें कि नजदीक की जमीन की जिस रेट के हिसाब से रजिस्टरी करवाई जाती है क्या उसको मार्किट वैल्यू कहते है?

सरदार तारा सिंहः उस बारे में लैंड ऐक्वीजि ान ऐक्ट में लियर दिया हुआ है।

श्री मूल चनद मंगलाः अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि ड्रेन खोद दी गई थी। यह अफसरान की गलती है कि उस जमीन के पैसे नहीं दिये गये जिसकी बजह से लागों ने उस 500 फुट के टुकडे को मिट्टी से भर दिया। मैं मंत्री महोदय

से जानना चाहूंगा कि ड्रेन खोदने पर जो हजारों रूपया खर्च हुआ है उसकी जिम्मेवारी किस पर है?

सरदार तारा सिंहः मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारे अफसरों ने जल्दी मे ंवह ड्रेन खुदवा दी। जल्दी इसलिये की गई थी कि बारि ा के दिनों में वहां पर पानी न रूके और फसल ठीक समय पर बोई जा सके। यह सारा काम जनता के हित के लिये किया गया था। मैं यह मानता हूं कि ठीक समय पर लोगों को पैसा न मिलने की वजह से ही यह सब कुछ हुआ हैं अब उस पर ज्यादा खर्चे वाली बात नहीं है। हम उसको जल्दी ही पूरा करवा देगें ओर पैसा भी दे देगें।

चौधरी उदय सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, कई ड्रेनें ऐसी है जिन पर आने जाने का कोई रास्ता नहीं है। छुड़ानी ड्रेन पर 5–6 ऐसे गांव लगते है जिन तक आने–जाने के लिये कोई पुल नहीं है। इसके लिये मैने महकमे को भी पत्र लिखा है और सरदारसाहब को भी लिखा हैं वहां के लोगों को 8–8 मील का चक्कर लगा कर अपने खेतों मे ंआना–जाना पड़ता है। कन्सोलिडे ान के समय वहां पर रास्ते छोडे गये थे लेकिन अब ड्रेनें बन गई हैं मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या वहां पर कोई रास्ते या पुल वगैरा बना दिये जायेगें जिससे लेागों को दिक्कत न हो?

सरदार तारा सिंहः अध्यक्ष महोदय, इनकी कोई चिटठी मुझे नहीं मिली। ये मुझ से अलग से मिल लें मैं इनकी दिक्कत को दूर करने की कोि ा ा करूंगा।

श्री फतेह चन्द विजः मंत्री महोदय ने बताया है कि पहले ड्रेन जमीन ऐक्वायर किये बगैर खोद दी गई । साथ में यह भी कहा गया कि उस का पैसा भी नहीं दिया गया। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इनमें से कौन सी बात ठीक है?

सरदार तारा सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इसको गलती नहीं समझता। मैं पहले ही कह चुका हूं कि लोगों की भलाई के लिये ही यह सारा काम किया गया था। अगर यह काम जल्दी से नहीं किया जाता तो लेाग अपनी फसल नहीं बो सकते थे। हम किसी वजह से उनकी पेमैंट नहीं कर सके लेकिन अब हम उस ड्रेन की ऐक्विजी ान प्रोसीडिगंज 30 जून से पहले पहले मुकम्मल करवा देगें।

राव बंसी सिंहः जिला हिसार के अन्दर जो नहर निकाली गई है उस नहर के निकालने पर जिन लोगों की जमीन ऐक्वायर हुई थी उनको उसका कम्पनसे ान बारानी जमीन के हिसाब से दिया जा रहा है, जिसकी कीमत 12 आने दिखाई गई है। दूसरी तरफ सरकार यह कहती है कि वहां पर 15 साल से नहर निकली हुई है और उस नरहर से सिंचाई हो रही हैं इसलिये

मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या उन किसानों को इरीगेटिड जमीनके हिसाब से मुआवजा दिया जायेगा?

सरदार तारा सिंहः मैं इसकी इंकवायरी करवा लूंगा और माननीय सदस्य भी मुझ से बात कर लें।

Satta in the State

***2060. Chaudhri Sant Kanwar:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the steps, if any, taken to check Satta in the State; and

(b) the district-wise number of persons who are known to be running satta in the State togetherwith the number cut of them who were arrested on account of anti-satta raids conducted against them during the year 1979?

Home Minister(Shri Kanhiya Lal Poswal):

(a) Haryana Police arranged raids, from time to time on open and secret information, on the known satta gamblers and those suspected to have been carrying on these anti-social activities.

(b) During the year 1979, 515 persons were arrested on information that they were indulging in satta gambling at various places. District-wise break-up of these arrests is as under:

Sr. No.	**Distt.**	**No. of Persons known for satta**

		and arrested during 1979.
1	Rohtak	71
2	Hissar	50
3	Bhiwani	34
4	Sirsa	44
5	Gurgoan	11
6	Jind	35
7	Sonepat	10
8	Narnaul	8
9	Karnal	39
10	Faridabad	23
11	Ambala	151
12	Kurukshetra	39
Total		**515**

चौधरी संत कवंरः मंत्री महोदय ने बताया है कि वर्श 1979 में सट्टेबाजी का कार्य करने वाले 515 आदमियों को गिरफतार किया गया है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इनके अलावा ऐसे कितने केस अनट्रेस्ड है ओर कितने केसों में मुकदमा चलाया गया है?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः अध्यक्ष महोदय, 534 केसिज रजिस्टर हुये थे। इन मे से 143 में सजा हुई है। 64 केसिज अदालत से बरी हुये है। एक केस कैन्सल हुआ और 4 केसिज अनट्रेस्ड है तथा 322 केसिज कोर्टस पैंडिगं है।

डा0 मंगल सैनः मंत्री महोदय ने आने सवाल के जवाब में सट्टा खेलने वालों की सूची दी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगें कि जिला जीन्द के अन्दर जो फारवर्ड ट्रेडिंग का सट्टा होता है और जिसकी जानकारी आप को भी है, कभी इन्होने उस पर रेड किया है?

(इस समय स्थानीय भाासन मंत्री, श्री मांगे राम गुप्ता उत्तर देने के लिये खडे हुये)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब ये कैसे जवाब दे सकते है क्योकि यह सवाल पोसवाल साहब से संबंध रखता है। (विघन)

Mr. Speaker: Order please. Any Minister can reply to any question on behalf of the Government.

स्थानीय भाासन मंत्री (श्री मांगें राम गुप्ता): स्पीकर साहब, डाक्टर साहब ने जीन्द के सट्टे के बारे में जिक्र किया है। स्पीकर महोदय, वहां पर जो सट्टा उनके हिसाब से चलता है, वह जीन्द हनुमान ट्रेडिंग कम्पनी के नाम से चलता है, जो कम्पनीज ऐक्ट के तहत रजिस्टर्ड है। उस कम्पनी का फार्वर्ड ट्रेडिंग का बबिजैनस चलता हैं।(विघन) यह आज से नहीं है। सन् 1956 से

जितनी भी सरकारें आयी, हर सरकार के समय में यह बिजनैस चलता रहा है। यह बिजनैस बन्द नहीं हुआ। यह बात अलग है कि समय–समय पर गवर्नमेंट के पास उनके खिलाफ कम्पलेन्टस आयी और उनके उपनर रेडज भी किये गये और केस भी रजिस्टर हुये। (विघन)स्पीकर महोदय, मैं आपके द्वारा डाक्टर साहब की जानकारी के लिये यह बता देना चाहता हूं कि उनके खिलाफ कई बार केस रजिस्टर हुये है। सरकार हाई कोर्ट में हारी है और अब सुप्रीम कोर्ट में सरकार की तरफ से जो अपील की गयी है उसी की 23 मार्च को पे ाी लगी हुई है। स्पीकर महोदय, अगर आप मुझे क्वै चन अवर के बाद थोडा सा टाईम दे दे ंतो मैं डाक्टर साहब को बताउंगा कि जब लोक दल की यहां पर सरकार थी, चौधरी देवी लाल की सरकार ने इस कम्पनी से कितना पैसा दबाव डालकर ऐंठा और ऐंठनें की कोि ा ा की?

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, पिस्तौल औरकारें लेकर ये उनकी तरफ से जबाव देने लग रहे है। (ाोर व व्यवधान)

Mr. Speaker: Please sit down. This is question hour and I would request both the sides to only confine their Supplementaries to asking of questions and giving replies there to. Further explanations and all these things should be avoided.

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी के बारे में उनहोने जो कुछ कहा है, वह ऐक्सपंज होना चाहिये। (ाोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभी मंत्री महोदय ने यह बताया है कि वहां पर फार्वर्ड ट्रेडिग होती है। जहां तक मेरी इन्फमें ान है, forward trading is illegal if this is in the notice of the Government, it should take action against it.

श्री कन्हैया लाल पोसवालः सर, ऐसा ऐसोसिए ान बनाकर हो सकता है लेकिन उसके बारे में भी यह दिया हुआ है कि कौन–कौन सी ट्रेड में हो सकता है , कैसे–कैसे और कहां–कंहा हो सकता है और उसकी क्या पैनलटीज है, उसके लिये बाकायदा एक्ट बना हुआ है, उसके तहत यह हो सकता है।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने यह फरमाया है कि फार्वर्ड ट्रैडिंग कम्पनी के नाम से कोई कम्पनी कम्पनीज ऐक्ट के तहत रजिस्टर्ड है.....

श्री अध्यक्षः हनुमान ट्रैडिंग कम्पनी के नाम है, फार्वर्ड ट्रैडिंग कम्पनी के नाम से नहीं।

श्री सुरेन्द्र सिंहः मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि यह जो कम्पनी सट्टा करवाती है और आम आदमी जो सट्टा खेलते हुये पकडे गये है, इनके सट्टे में और उनके सट्टे में क्या फर्क है और क्या ये सारे आदमी भी इस तरह की

ऐसोसिए ान हनुमान ट्रैडिंग कम्पनी के नाम की तरह बनाकर खेल सकते है?

श्री कन्हैया लाल पोसवालः एक तो हमारा गैम्बलिंग ऐक्अ है जिसके तहत मटका सट्टा वगैरह आता है। दूसराऐक्ट है फार्वर्ड कान्टेक्टस रेगुले ान ऐक्ट, 1952। उसके तहत ऐसा बिजनैस हो सकता है।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने 515 आदमी पकडे हुये बताये है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा मे एक ही किस्म का सट्टा चलता है या अलग–2 किस्म का सट्टा चलता है और उसका क्या तरीका है? जो सोनीपत में 10 आदमी पकडे गये है, उकने नाम क्या'–क्या है और ये कब से सट्टा खिला रहे थे?

श्री अध्यक्षः किस–किस का सट्टा हेाता है यह तो आप मंत्री जी से अलग से पूछ लें। सारे साहेबान को इसकी अगर जानकारी हो जाये तो हानि भी हो सकती है। (हंसी व भाोर)

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, मेरा प्र न पूरा नहीं हूआ है। सोनीपत के अन्दर जो 10 आदमी पकड़े गये है, उनके नाम क्या–क्या है और वे कब से वहां पर सट्टा खिला रहे थे?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैने अभी बताया कानूनन हम उनको बन्द नहीं करसकते क्योकि उनके पास बाकायदा लाइसैंस हैं लेकिन एक चीज को,

जैसे मैने पहले भी कहा है, मैं मानता हूं कि वह सरसों का नाम लिखकर दूसरी कमोडिटीज का भी ट्रेड करते है जो कि गलत है। हमने बम्बई लिखा हुआ है, कि ऐसी कम्पनीज के बारे में वे हमें साफ तौर पर बतायें कि वे क्या–क्या काम कर सकती है। ज्यों ही हमारे पास उनका जवाब आ जाएगा हम फौरन कार्यवाही करेगें।

श्री फतेह चन्द विजः क्या मंत्री महोदय यह बतायेगें कि यह जो महावीर ट्रेडिंग कम्पनी बनी हुई है इसने किस–किस चीज के लाइसैंस प्राप्त किये हुये है?

Mr. Speaker: It is not relevant.

श्री जय नारायण वर्माः स्पीकर साहब, यहां पर स्थानीय निकाय के मंत्री महोदय ने जवाब देते हुये यह कहा कि वह फार्वर्ड ट्रेडिंग कम्पनी है और वह कम्पनीज ऐक्ट के तहत रजिस्टर्ड है। मैं आपकी मार्फत मंत्री/मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या उन्होने किसी एम.एल.ए. को कार तो भेंट नहीं की, उसी कम्पनी ने किसी मंत्री को अढाई या तीन लाख रूपये की थैली तो भेंट नहीं की, अगर यह ठीक है तो क्या यह सब सरकार को प्रभावित करने का तरीका नहीं है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल बेसलैस और बेबुनियाद बात हैं किसी भी मंत्री को कोई कार भेट नहीं की गई ओर न ही किसी मंत्री को कोई थैली भेंट की गइ थी। डा0 मंगल सैन ने गवर्नर एड्रैस पर बोलते हुये भी यह

इल्जाम लगाया था और उस वक्त भी मैने इसका जवाब दिया था। इस किस्म की बात जिसमें कोई तथ्य न हो, माननीय सदस्यों को नहीं करनी चाहियेह।

कामरेड भांकर लालः स्पीकर सवहब, दो किस्म के सट्टे चलते है। एक सट्टा तो मटके का होता है जिसमें एक से सौ तक हरफ होते है।

श्री अध्यक्षः सट्टे के बारे में तो काफी जानकारी मिल चुकी है, आप सवाल पूछिये।

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, दूसरा सट्टा ट्रेडिंग कम्पनी का हैं क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि हरियाणा के भाहरों के अन्दर कितने सट्टे के लाइसैंस होल्डर है जो एक, दो–तीन ट्रेडिंग कम्पनी की बोली देकर सट्टा कराते है। और ये लाइसैंस होल्डर कौन–कौन से भाहरों के अन्दर है?

श्री अध्यक्षः सट्टे का कोई लाइसैंस नहीं है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया है कि बम्बई की किसी कम्पनी से लाइसैंस मिला हुआ है (व्यवधान), गवर्नमैंट आफ इंडिया से मिला हुआ है और इसलिये उनको ऐसे लोगों को प्रोसिक्यूट करने में दिक्कत आ रही है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि क्या उस ऐक्ट को अमैंन्ड करने के लिये गवर्नमेंट आफ इंडिया को लिखेगें?

श्री अध्यक्षः इसके बारे में पहले ही बता दिया गया है कि बम्बई वालों को लिखा गया है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इन्होनें तो कम्पनी को लिखा है। मैं तो गवर्नमेंट आफ इंडिया को लिख्ने की बात कर रहा हूं जिसने लाइसैंस दिया है।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, सदन के सभी सदस्य इस मामले में काफी ऐजिटेटिड है और रूलिंग पार्टी के प्रधान ने भी यह बात कही हैं क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि जब तक बम्बई से कोई आदे ा आये तब तक गरीबों को इस लूट से बचाने के लिये वे कोई कार्यवाही करेगें?

Mr. Speaker: This has already been answered.

Cost Price of Liquied Glucose

***1953. Chaudhri HarSwarup Bura:** Will the Minister for health be pleased to state whether arrangements for the manufacture and bottling of liquid glucose exist in the hospitals of the State; is so, the cost price per bottle of glucose so manufactured and the price at which such a bottle is a available in the open market?

Health & Toruism Minister (Chaudhri Gajraj Bahadur Nagar): Yes, arrangements for the manufacture and bottling of Liquied Glucose exist at the following General Hospitals of State-

(i) Ambala

(ii) Karnal,

(iii) Gjurgaon and

(iv) Narnaul.

Approximate cost price per bottle of Glucose so manufactured at State Hospitals varies from Rs. 2.00 to Rs. 5/- per bottle whereas market price varies from Rs. 7/- to Rs. 9/-per bottle.

चौधरी हर स्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि बोटल्ज की कीमत दोरूपये से लेकर पांच रूपये तक हैं । क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि कौन सी जगह दो रूपये की बोतल है ओर कौन सी जगह पांच रूपये की बोतल है और यह डिफरैंस किस वजह से है?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, मैं डिटेल में बतादेता हूं। जनरल अस्पताल गुड़गावं के अन्दर नई बोतल तथा उसके साज सामान की जो कौस्ट आती है वह मैं बतादेता हूं। 2.70 रूपये सामग्री का खर्चा, बिजली का खर्चा, 1.00 रूपया निर्माण कार्य खर्चा, जिसमें वेतन तथा उपकरण का खर्चा भाामिल नहीं है 0.50 रूपये। यह कौस्ट पड़ती है 4.20 रूपये।

नारनौल में ग्लूकोस पाउडर की कीमत 1.25 रूपये ,बिजली का खर्चा 0.50 रूपये, बोटल रबर कैप तथा अन्य सामग्री की कीमत 0.50 रूपये, लेबर का खर्चा 1.80 रूपये , प्लान्ट की

मुरम्मत तथा पुरजों की तबदीली आदि का खर्चा 0.75 रूपये। जोड बनता है, 4.80 रूपये।

अम्बाला के अनदर दो तरह का ग्लूकोस हैं जिसमें पांच फीसदी ग्लूकोस है वह दो रूपये की बोतल है और जिसमें पच्चीस फीसदी ग्लूकोस है उसकी कौस्ट पांच रूपये आती है। इसकी वजह से फर्क रहता है।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने चार अस्पतालों के नाम लिये है जहां पर ग्लूकोस तैयार किया जाता है। स्पीकर साहब, भिवानी अस्पताल के अनदर करीब दो–तीन साल से ग्लूकोस बनाने का प्लांट लगा हुआ है लेकिन वहां पर स्टाफ नहीं हैं क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि वहां पर कितने दिन में स्टाफ चला जायेगा और क्या वहां पर जल्दी से जल्दी कोई काम भुरू करवाने की कृपा करेगें?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, हम जो ग्लूकोस बनाते है वह इस नाते से बनाते है कि अस्पतालों में जो गरीब लेागा आते है उनकी सहायता हो सके। माकिर्ट के लिये नहीं बनाते है। अगर हमारे पास कुछ सरप्लस हो जाता है तो अड़ौस–पड़ौस के अस्पतालों मे ंसप्लाई कर देते हैं हम केवल चार केन्द्रों में ग्लूकोस बना रहे है और मैं सदन को बताना चाहता हूं कि यह भी हम सरकारी लाइसैंस के तहत नहीं बना रहे है। हम

तो केवल गरीबों की सहायता के लिये ग्लूकोस बना रहे है ताकि गरीब लोगों को सस्ता ग्लूकोस मिल सके।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैंबर का सवाल यह था कि भिवानी अस्पताल में जब ग्लेकोस प्लांट लगा हुआ है तो भिवानी अस्पताल की रिक्वायरमैंट के लिये ग्लूकोस का प्रोडक्शन वहीं शुरू क्यों नहीं कर रहे है?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, भिवानी वाली बात मेरे नोटिस में नहीं है। मैं इसको ऐग्जामिन करा लूंगा।

सरदार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब, इंग्लिश दवाइयों केइतने जयादा रेट चार्ज किये जाते है कि गरीब आदमी उनको खरीद नहीं सकता। स्पीकर साहब, केवल दवाइयेां की ही बात नहीं हे ग्लुकोस की भी इतनी कीमत चार्ज की जाती है कि आप सुनकर हैरान होगें। यही नहीं दवाइयां भी नकली और बनावटी बेची जाती है। क्या मंत्री महोदय, रेट के बारे में तथा दवाइयों के जैनविन होने के बारे में दुकानों पर कोई चैकिंग करवायेगें?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, बकायदा तौर पर मार्किट के अन्दर कैमिस्टस की दुकानों की और डीलर्ज जो लाइसैंस होल्डर्ज है, की बकायदा चेंकिग होती है और रेट्स के बारे में चैंकिग की जाती है। नकली दवाइयों के बारे मे अगर कहीं से कोई शिकयात आती है तो वहां पर बकायदा रेड की जाती है और उनको पकड कर सजा भी देते है।

चौधरी संत कवंरः स्पीकर साहब, हमारे प्रदे ा में सबसे बडा अस्पताल मैंडिकल कालिज रोहतक है। वहां पर सबसे ज्यादा मरीज आते है लेकिन वहां पर ग्लूकोस बनाने का प्लांट नहीं है। वहां पर लोगों को इतनी दिक्कत आती है कि 15–15 रूपये में ग्लुकोस की बोतल खरीदनी पडती है। क्या मंत्री महोदय, वहां पर ग्लूकोस प्लांट लगाने के बारे में विचार करेगें या पंजाब में जिस तरह से सरकार ग्लूकोस बनाने की चार फैक्टरी लगा रही है उसी तरह से हमारे प्रदेश में भी ग्लूकोस फैक्टरी लगाने के बारे में सरकार विचार करेगी?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब कोई फैक्टरी लगाने की प्रोपोजल तो सरकार के विचारधीन नहीं हैं जहां तक रोहतक मैडिकल कालिज में ग्लूकोस प्लाटं का सवाल है, अभी तक इस किस्म की कोइ बात हमारे नोटिस में नहीं लाई गई थी। अब चौधरी संत कवंर ने यह बात मेरे नोटिस में लाई हैं मैं इसको देखूगां। अगर वहां पर ग्लूकोस प्लांट लगाना जरूर होगा तो सरकार वहां पर जरूर प्लाट लगायेगी।

(10.00 बजे) श्री अध्यक्षः आपने नारनौल, अम्बाल, करनाल और गुड़गांव वगैरह के अस्पतालों में तो ग्लूकोस की मैनुफैक्चरिंग और बेांटलिग का इन्तजाम कर दिया है लेकिन I am surprised that your staff did not suggest to set up a gucose manufacturing plant at Roahtak earlier which is the most essential place from this point of view.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय अपने यह बिल्कुल ठीक कहा है कि मैडिकल कालजेज रोहतक, जो इस प्रान्त का सबसे बडा हस्पताल है, उसमें जरूर इस किस्म का प्लांट लगना चाहिये ।हम कोि ा ा करेगें कि वहां पर इस जैसा प्लांट लगा दें। दूसरी बात जो कि श्री सुरेन्द्र सिंह जी ने पूछी कि भिवानी में प्लांट तो लगा हुआ है लेकिन वह चालू नहीं हुआ है। उसके क्या कारण है , स्पीकर साहब, मुझे इस बात की जानकारी नहीं है। मैं इस बारे में पता करवा लुंगा। अगर वह प्लांट लगा हुआ है और चालू नहीं हुआ है तो हम कोि ा ा करेगें कि अगले साल वह चालू हो जाये।

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में यह बताया है कि हस्पतालों द्वारा निर्मित किये गये ग्लूकोस की प्रति बोतल की कीमत लगभग 2 रूपये से 5 रूपये तक है जबकि मार्किट में प्रति बोतल की कीमत 7 रूपये और 9 रूपये हैं। अध्यक्ष महोदय, आप अन्दाजा लगाायें कि दो ंरूपये की बोतल के पीछे इन्हे 300 परसैन्ट और 5 रूपये की बोतल पीछे 100 परसैंट मुनाफा है। क्या इस मुनाफ ` को देखते हुये सरकार ग्लूकोस की कीमत निर्धारित करेगी ताकि गरीब आदमियों को सही दाम पर ग्लूकोस अवेलेबल हो सके।

चौधरी गजराज बहादुर नागरः स्पीकर साहब, तायल साहब को मैं यह बताना चाहता हूं कि केवल गरीब आदमियों की सहूलियत के लिय ही ऐसा किया गया है। हम तो गरीब आदमियो

के लिये ग्लूकोस की मेनुफैक्चरिंग करते है ताकि वे लोग जयादा से ज्यादा फायदा उठा सकें। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: The question reiased by Shri Baldev Tayal is very important and I would request the Hon. Minister to give full attention to this question.

डा0 बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री महेादय ने रोहतक मैडिकल कालेज मे यह प्लांट खोलने के बारे मे ओर भिवानी में इस तरह का प्लांट चालू करवाने के लिये आ वासन दिया है कि वहां पर इस तरह का प्लांट चालू कर देगें। क्या सरकार जो बाकी जगह प्रान्त में इस तरह के प्लांटस से वंचित रह गयी है वहां पर भी इस तरह के प्लाटंस के खोलने का विचार रखती है क्योकिं यह बड़ी लाईफ सेंविग ड्रग है।

Mr. Speaker: Why such an important question has not been taken up for the last three years by the hon. member who is a medical practitioner? आप तो डाक्टर है, आपने पहले इस बारे में गौर क्यों नहीं किया? आपको तो इस तरह का प्लांट यमुनानगर में सबसे पहले खुलवाना चाहिये था।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यहां पर जो ग्लूकोस की कीमत के बारे में अन्तर की बात आयी है, उस बारे में हम यह कोंि ा ा करेगें कि सारी स्टेट के अन्दर इसक ेएक ही रेट्स हो और इस अन्तर को जल्दी दूर करने की हम कोि ा ा करेगें। दूसरी बात डाक्टर बृज मोहन गुप्ता जी ने कही कि इस

तरह के प्लांटस की सारी स्टैट के अन्दर बडी आव यकता है। जितनी भी आव यकात हमारी स्टेट में होगी, उसके मुताबिक हम 31 मार्च के बाद इस तरह के प्लांटस लगाने की कोि ा ा करेगें। (विघन)

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, यह एक बड़ा इम्पोंटैन्ट लाईफ सेविंग ड्रग है और इस बारे में लीडर आफ दी हाउस ने यह अ ाोरेन्स दी है कि इस बारे में पूरी कार्यवाही की जाएगी।

चौधरी हर स्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में यह बताया है कि ग्लूकोस की प्रति बोतल कीमत मार्किट में 7 रूपये से लेकर 9 रूपये तक है जबकि हकीकत यह है कि 20 रूपये से कम बोतल मार्किट में नही ंमिलती है। तो क्या वे बतायेगें कि उन्होने किस आधार पर यह 7 रूपये से 9 रूपये प्रति बोतल की कीमत बतायी है?

Mr. Speaker: I think, this question has been thrashed oujt fully, when the Leader of the House has given an assurance, we should drop any further discussion on this question. I am sure, the Government will take full action.

Moral and Spiritual Education

***2145. Shri Mool Chand Jain:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce moral and

spiritual education in schools and colleges in the state, if so, the details thereof; and

(b) whether any Committee constituted for the purpose as referred to in part (a) above has submitted its report; is so, a copy thereof, if received, be placed on the Table of the House?

Education Minister (Chaudhri Des Raj):

School Level

(a) Yes. A set of books is proposed to be provided to every school and the student encouraged to read the books during a period to be provided in the school time-tabe for this purpose.

College Level

-No.

School Level

(b) Yes. a copy of the report is laid on the Table of the House.

College Level

No committee has been constituted.

समिति की रिपोर्ट

नैतिक ि ाक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम तैयार करने बारे बैठक 3—2—81 को 2.30 बजे दोपहर निदे ाक, विद्यालय ि ाक्षा,

महोदय की अध्यक्षता में राज्य भौक्षिक अनुसंधान एवं प्र ि ाक्षण परिशद, गुड़गावं में हुई। इस संगोश्ठि मैं निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया। हरियाणा ि ाक्षा बोर्ड के अध्यक्ष श्री आर0डी0 भार्मा जो एक अन्य बैठक के सम्बन्ध में एस0सी0ई0आर0टी0 में उपस्थित थे, उन्हे इस बैठक में भाग लेने के लिये वि ोश रूप से निमंत्रण दिया गयाः–

1. श्री चन्द्रभान निदे ाक, एस0सी0ई0आर0टी0, गुडगांव।

2. श्रीमती पुश्पा अबरोल, उपनिदे ाक, प्रौढ़ ि ाक्षा।

3. श्री एस0एस0 कौ ाल, सहायक निदे ाक ि ाक्षक प्र ि ाक्षण।

4. श्री मदन लाल भार्मा, ि ाक्षा अधिकारी, हरियाणा विद्यालय ि ाक्षा बोर्ड, भिवानी।

5. श्री पि ाोरी लाल, मुख्याध्यापक, बाल निकेतन स्कूल,रिवाड़ी।

6. श्री दीनानाथ बत्रा, मुख्याध्यापक, गीता हाई स्कूल, कुरूक्षेत्र।

7. श्रीमती आर0के0पटनी सम्पादक, एस0सी0ई0आर0टी0, गुड़गांव।

नैतिक ि ाक्षा से सम्बन्धित सिलेबस, कमेटी द्वारा 14.1. 80 की बैठक में तैयार किया गया था। कमेटी के मैंबरों ने यह विचार व्यक्त किया कि इस स्तर पर इस तैयार किये गये सिलेबस को उत्तर प्रदे ा के पाठ्यक्रम से तुलना करने की कोई वि ोश उपयोगिता प्रतीत नहीं होती, क्योकिं उत्तर प्रदे ा के ि ाक्षा विभाग ने जो नैतिक ि ाक्षा से सम्बन्धित पुस्तकें तैयार की थी, उनको उन्होनें ड्राप कर दिया है और पुनः नैतिक ि ाक्षा सम्बन्धी विशय की उन द्वारा समीक्षा की जा रही है।

2. नैतिक ि ाक्षा के विशय को एक अलग विशय बनाने के सम्बन्ध में कमेटी के सदस्यों ने यह विचार व्यक्त किया कि यह विशय एक अलग विशय के रूप में बच्चों को नहीं पढाया जाना चाहिये क्योकि जो विशय बच्चों को ठोस कर पढाया जाता है, उस विशय का प्रभाव बच्चों के चरित्र निर्माण में वि ोश रूप से सहायक नहीं होता। इसलिये यह उचित समझा जाता है कि इस विशय से सम्बन्धित अलग से उत्तम एवं आद र्ा साहित विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाया जाए ओर वे स्वतः अपनी इच्छा से उसका अध्ययन एवं मनन करें। इस उद्दे य के लिये सप्ताह में एक लाईब्रेरी पीरियड नि ि चत करने का भी सुझाव दिया गया।

3. विद्यार्थियों को नैतिक ि ाक्षा से सम्बन्धित उत्तम/आद र्ा साहित्य उपलब्ध करने के लिये एक उप–समिति बनाने का सुझाव दियागया, जिसमें निदे ाक महोदय के सुझावनुसार निम्नलिखित सदस्यों की सिफारि ा की गईः–

1. श्री चन्द्रभान निदे ाक, एस0सी0ई0आर0टी0, गुडगांव।

2. श्री दीनानाथ बत्रा, मुख्याध्यापक, गीता हाई स्कूल, कुरूक्षेत्र।

3. श्री पि ाोरी लाल, मुख्याध्यापक, बाल निकेतन स्कूल,रिवाड़ी।

4. श्री मदन लाल जसपाल सम्पादक (विभागीय प्रतिनिधि)

5. श्रीमती पुश्पा अबरोल, उपनिदे ाक, प्रौढ़ ि ाक्षा–संयोजक।

यह भी सुझाव दिया गया कि यह उप–समिति, जिस उत्तम एवं आद र्ा साहित्य का चयन करे, वह नैतिक ि ाक्षा समिति द्वारा तैयार किये गये पाठ्यक्रम के अनूरूप होना चाहिये और उप–समिति की भीघ्र बैठक बुलाये जाने का भी सुझाव दिया गया।

4. समिति ने यह सिफारि ा की कि अध्यापकों के लिये जो सेवा कालीन प्रि ाक्षण ि ाविर लगाये जाते हैख उनमें भी नपैतिक ि ाक्षा के मूल्यों एवं सिद्धान्तों के बारे में वि ोश जानकारी अध्यापकों को दी जानी चाहिये ताकि ये अध्यापक अपने व्यक्तिगत उदाहरण एवं आद र्ा से बच्चों के चरित्र–निर्माण को

एक सही दि ाा दे सकें। इस बात पर भी बल दिया गया, कि बारी बारी पर अध्यापक/विद्यार्थी प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में भी नैतिक ि ाक्षा से सम्बन्धित किसी मदद पर अव य अपने विचार व्यक्त किया करें। कमेटी ने यह भी निर्णय लिया कि सभी सरकार की गतिविधियों (स्कूल कलैन्डर) की एक सूची भौक्षिक स्तर के आरम्भ से ही सभी विद्यालयों में उपलब्ध करवाई जाऐ।

अन्त में अध्यक्ष महोदय के धन्यवाद सहित संगोश्ठि सम्पन्न हो गई।

नैतिक ि ाक्षा के मुख्य उद्दे य ये हैः–

1. ऐसे व्यक्गित गुणों का विकास करना है, जिससे उसका भारीर स्वस्थ बनें, मन संयत हो, सु ाील तथा नेक काम से अपनी अजीविका कमा सके।

2. ऐसे गुणों का विकास करना जिससे वह समाज का उपयोगी सदस्य सिद्ध हो सके।

3. राश्ट्रीयता की भावना को उत्पन्न करना जिससे व्यक्ति अपनी सेवा तथा अपनी संस्कृति पर गोरव करते हुये उसके विकास में अपना योगदान दे सके।

4. अध्यात्मिक गुणों का विकास करना ताकि उसमें प्राणी मात्र के प्रति समभाव जागृत हो सके।

5. अन्ध वि वास का उन्मूलन।

उपरोक्त उद्दे य की प्राप्ति के लिये निम्नलिखित गुणों का विकास करनाः—

क्रम संख्या	गुण का नाम
1.	सत्य
2.	नम्रता
3.	प्रसन्नता
4.	पुरूशार्थ
5.	समय पालन
6.	भातृभाव
7.	संतोश
8.	सेवा
9.	ि ाश्टाचार
10.	स्वच्छता
11.	सहयोग
12.	दया

13.	सत्संग
14.	स्वास्थ्य
15.	स्वास्थ्य
16.	दे ाभक्ति
17.	सादगी
18.	साहस
19.	सहन ीलता
20.	संयम
21.	न्यायनिश्ठा
22.	कर्त्तव्य पालन
23.	उत्तरदायित्व
24.	त्याग
25.	ईमानदारी
26.	आत्म वि वास
27.	अनु ासन

28.	आ ाावदिता
29.	आत्मचिन्तन
30.	मितव्यता
31.	ई वर वि वास
32.	क्षमा
33.	संतुलन
34.	विवके
35.	परोपकार
36.	दृढ़ संकल्प
37.	मृदुभाशी
38.	एकाग्रचितता
39.	अहिंसा
40.	समय का सदुपयोग
41.	श्रम निश्ठा
42.	पारस्परिक

	अनुकूलता
43.	आत्म सम्मान

समिति द्वारा की गई सिफारि ें।

1. प्राथमिक कक्षाओं के बालकों को अपने स्कूल समय के साढ़े चार घंटे मे से एक घंटा प्रतिदिन कीड़ा या अन्य किसी मनोरंजन किया पर खर्च किया जाये।

2. अध्यापको के चरित्र तथा व्यवहार संबंधी नियमावली तैयार की जाये।

3. प्रत्येक विद्यालय में दीवारों आदि पर लिखने हेतू आद र्ा वाक्य बनाकर विभाग की ओर से विद्यार्थियों को दिये जायें।

4. प्रार्थना के प चात पहली घंटी में पढाई आरम्भ होने से पूर्व विद्यार्थी एक मिनट के लिये मौन रह कर अपने अपने आरध्य से मन ही मन प्रार्थना करें कि उनका दिन कल्याणकारी हो।

5. विद्यालय के प्रांगण की स्वच्छता तथा सजावट का ध्यान रखा जाये।

6. आठवीं के विद्यार्थियों को उनकी वार्शिक परीक्षा के बाद बालचर कियाओं, खेलों, स्वास्थ्य भ्रमण तथा समाज उपयोगी उत्पादन कार्यों आदि मे व्यस्त रखा जाये।

नैतिक ि ाक्षा के मूल्यांकन का आधारः

1. नैतिक ि ाक्षा के विशय की परीक्षा होगी। यह परीक्षा बाह्य होगी या आन्तिरक होगी, इसका निर्णय विभाग द्वारा किया जाये।

अन्य सुझावः

1. छठी कक्षा से लेकर दसवीं कक्षा में नैतिक ि ाक्षा की पाठ्य पुस्तक के अध्ययन के लिये प्रति सप्ताह दो पीरियड दिये जायें परन्तु जहां तक कियायें का संबंध है, ये दैनिक दिनचर्या के अंग होने चाहिये।

2. निम्नलिखित कियांए प्रत्येक विद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी के लिये अनिवार्य होनी चाहियेः–

स्काउटिंग/गाईडिंग/कब्बिंग/बुलबूल, रैडक्रास की प्रमुख कियाएं, समाज उपयोगी उत्पादक कार्य।

कार्य विधियां/कीडांयेः–

नैतिक ि ाक्षा पाठ्य क्रम पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान पक्ष को सुदृढ़ करेगी। यह ज्ञान तीन विधियों से दिया जायेः–

1. प्रत्यक्ष विधि– इसमें अध्यापक निर्देि ाका, माता–पिता के लिये निर्दे ा पुस्तिका तेयार की जाये। स्वास्थ्य पर भी बल दिया जाये।

2. अप्रत्यक्ष विधि– इसमें बच्चों की पाठयक्रम पर आधारित पुस्तकें होगी जो अप्रत्यक्ष से नैतिक ि ाक्षा का साधन होगी।

3. अन्य कार्य विधियां :– **नैतिक ि ाक्षा कियाओं के माध्यम से**

(क) विद्यालय के प्रांगण में, (ख

विद्यालय के बाहर खेल के मैदान में या घर में (ग) समाज में।

(क) विद्यालय प्रांगण में, प्रवे ा बालकों का अध्यापको को अभिवादन, अध्यापकों का मुख्यध्यापक को अभिवादन तथा सहपाठियों का अभिवादन। बालक अध्यापक को गुरू जी तथा अध्यापिका को दीदी जी कह कर संबोधन करें।

(ख)श्रेणी–कक्ष की स्वच्छता और व्यवस्था की और बालक ध्यान दें।

(ग) कक्षा नायक अध्यापक की देख रेख में बालकों को कक्षा से प्रार्थना सभा तक पंक्तियों मे ले जायें।

प्राथमिक कक्षाओं के लिये प्रार्थना सभा का कार्यक्रम

बच्चों में एकाग्रता लाने के लिये सबसे पहले तीन नारे लगाये जायें। एक नारा तीन–तीन बार दोहराया जाये। वे नारे निम्नलिखित नारों से चयन किये जायें:–

1. भारत माता की जय।

2. देश के अपर्ण तन–मन–धन।

3. दे ा की सेवा कौन करेगा, हम,हम,हम।

4. गूंजे धरती ओर आसमानं मानव, मानव है समान।

5. भाहीदाने वतन, जिन्दाबाद, जिन्दाबाद, जिन्दाबाद।

2. उपस्थिति:– इसके प चात बच्चों की उपस्थिति ली जाये। उपस्थिति लेने के तुरनत बाद कक्षा नायक विद्यालय उपस्थिति बोर्ड पर उपस्थिति भर जाये।

3. ई ा वन्दना:– प्रार्थना में ई ा वन्दना का गीत सामूहिक रूप से गाया जाये यदि वाद्यों का प्रयोग हो सके तो लय बनाये रखने में यह सहायक होगा। प्रार्थना के ये गीत विभाग द्वारा विद्यालयों को दिये जाये। इसमें कम से कम 10–12 गीत हो। विभाग द्वारा तैयार की गई गीत गूंजन लाभदायक होगी। इनमें से जो जो गीत अच्छे लगें वहीं प्रार्थना में बदल–2 कर बोले जायें।

4. प्रतिज्ञाः– दैनिक कार्य आरम्भ करने से पहले बालक प्रतिज्ञा लें ताकि दिनभर उनकी कार्यप्रणाली पर उसे प्रभाव रहे। प्रतिज्ञा निम्नलिखित होगीः–

मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि भारत मेरा दे ा है। सभी भारतवासी मेरे भाई–बहिन है।

मुझे अपने दे ा से प्यार है। मुझे इस पर गर्व है। मैं अपने माता–पिता, गुरूओं ओर सभी बड़ो की इज्जत करूंगा। मैं अपने दे ा और दे ावासियों के प्रति वफादार रहूंगा।

5. भाशा ि ाक्षण पाठ्क्रम में बच्चों को सरल एवं रोचक लघु कहानियां सुनाई जाये जो ि ाक्षादायक हो। इसमें तीन दिन अध्यापक बच्चों को कहानी आदि सुनायें ओर तीन दिन बच्चे कहानी या सच्ची घटना आदि सुनायें।

6. **समाचारः** अध्ययन द्वारा प्रतिदिन का मुख्य समाचार संक्षिप्त रूप मे बताया जाये।

7. भाारीरिक कियाएंः– इसमें बच्चों के उठने, बैठने चलने आदि की कियाओं की और ध्यान दिया जाये। भाारीरिक प्रभाव की और वि ोश ध्यान दिया जाये। इस प्रार्थना–सभा का समय कुल 15 दिन होगा। लेकिन थोडी सीमा तक समय घटाने बढाने में मुख्याध्यापक स्वंतत्र है। अन्त में राश्ट्रीय गीत गाकर सभा विसर्जित की जाये।

माध्यमिक उच्च तथा उच्चतर विद्यालयों के लिये प्रार्थना सभा का कार्यक्रम

1. प्रार्थना सभा का कार्यक्रम आरम्भ होने से पूर्व प्राथमिक कक्षाओं वाली बातों को कार्यान्वित करना, लेकिन इसमें कक्षा नायक भयामपट्ट की सफाई, चाक, मोडल आदिकी व्यवस्था को देखेगा।

कक्षाओं का ध्यान एकाग्र करने हेतू तीन नारे लगवाये जायें। प्रत्येक नारे तीन–तीन बार लगवाये जाये।

2. उपस्थितिः– प्रार्थना सभा में ही उपस्थिति ली जाये। कक्षा नायक द्वारा तुरनत ही उपस्थिति बोर्ड पर उपस्थिति भरी जाये।

3. ई ा वन्दनाः विभाग द्वारा सुझाई गई प्रार्थनाओं को वाद्य के साथ करवाया जाये। आका ावाणी का मास गीत गवाया जाये। यह गीत स्कूल के बच्चों द्वारा गया गयाहै। बच्चों को उन विद्यालयों का नाम भी बताया जाये जिन्होनें यह गीत गाया है।

4. प्रतीज्ञाः बच्चों द्वारा ही ली जाये।

5. ि ाक्षण पाठ्य कमः तीन दिन अध्यापक द्वारा ओर तीन दिन बच्चों द्वारा लघु वार्तायें नीति कथांये या महान पुरूशों की जीवनी संस्मरण सुनाये जायें।

आज के विचार पर बल दिया जाए। यह भी तीन दिन अध्यापक दें और तीन दिन बच्चें सुझायें और यह विचार विद्यालय के भयामपट्ट पर भी लिखा जाए। समाचार सुनायें जाएं ओर उनसे सम्बधिन्त स्थान मानचित्र पर दिखायें जाये ।इन समाचारों का रिकार्ड भी रखा जाये।

सामुहिक गोश्ठीः यह बैंड या ड्रम द्वारा करवाई जाये। सभी अध्यापक इसमें उपस्थित हों।

व्यक्तिगत स्वच्छताः इस और भी वि ोश ध्यान दिया जाये सप्ताह में दो बार अध्यापक निरीक्षण करें तथा गणवे । निरीक्षण भी किया जाये।

1. बाल सभा

2. सदन प्रणाली

3. भिति पत्रिका स्कोल बुक, एलबम

4. आपके सवाल हमारे जवाब

5. माता पिता अध्यापक संघ

6 .सांस्कृतिक प्रतियोगितांए (भाशण, चित्रकला, संगीत, कविता

एकांकी)

7 .खेल प्रतियोगिताएं

8 .महापुरूशों क`वचन तथा चित्र परिचय

9 .कक्षा नामावली

10. समय सारणी

11. दैनिवली

12. मुक्ताखरी

13. अन्ताधरी

14. प्र न मंच

15. सामाजिक उत्पादक कोर्स

16. सहभांग

17. रूपचि अनुकूल कार्य

18. नायक ि ाविर

19. एन0सी0सी0, स्काउंटिंग, रैडक्रास

20. मातृपितृ सम्मेलन

21. दूसरे स्थानों की यांत्राए

नैतिक ि ाक्षा पाठ्य क्रम रूप रेखा

प्रथम कक्षा

अभिवादन करना, प्रार्थना में खडे होना, पंक्ति में चलना, स्थिति, भैया बहन का भाब्द प्रमुख आज्ञायें, स्वच्छता, सावधान स्थिति, जो भाब्द का प्रयोग खडे होकर सावधान स्थिति में आकर उत्तर देना, अपना कार्य स्वयं यथा स्थान रखना।

व्यवस्था प्रियता वस्ता गण्वे ा, अपना स्थान कक्षा ि ाश्टाचार 'आप' भाब्द का प्रयोग, दो व्यक्तियों को वार्ता में न टोकना, प्रयोग में ला कर वस्तु को यथास्थाना रखना, दूसरों से कोई खाने की वस्तु न मांगना आदि। प्रातः उठकर माता पिता को प्रणाम करना या चरण छूना, प्रातः नितय कार्य करना जैसे दातुन आदि, खाने से पूर्व हाथ धोना, दैनिक स्नान करने का अभ्यास संसपूर्ण प्रार्थना वर्श में चार ि ा ु गीत अभिनय के साथ याद करना, मनोरंजन कियाएं (जैसे नाटक, गीत, नृत्य आदि) विद्यालय में सहयोग।

द्वितीय कक्षा

पिछली कक्षा की सदाचार की बातों का अभ्यास दृढ़ करना, सभा पालन, स्वच्छता (वे ा, व्यता, पुस्तके आदि) के प्रति ध्यान, मृदु भाशण, सत्य भाशण, बिना पूछे किसी की वस्तु न लेना। सम्पूर्ण प्रार्थना को भाुद्ध उच्चरण सहित कंठ कराना, वर्श में चार गीत याद करवाना। ई वर, भक्ति, मातृ पितृ भक्ति, गुरू भक्ति, परोपकार की निम्नलिखित कहानियां सुनानाः—

1. ई वर भक्ति, प्रहलाद।

2. मातृपितृ भक्ति, श्रवण कुमार।

3. गुरू भक्ति, ि ावाजी द्वारा सिंहनी का लहू लाना, उप–मन्यु, आरूणी।

4. परोपकार एवं वीरता रजितदेव भारत के वीर बालक।

5. चरित्र परिचय (महान पुरूश) मनोरंजन कियाएं।

तृतीय कक्षा

पूर्व कक्षाओं का पुनर्स्मरण, विद्यालय के नियम, घर में व्यवहार के नियम, सत्य बोलना, समय पालन, स्वच्छता, दीन दुखियों पर दया, ई वर भक्ति, मित्र प्रेम, जीवों/प्राणियों के प्रति दया की कहानियां सुनाना तथा सम्पूर्ण वर्श में चार गीत याद कराना तथा कविताएं, दस ि ाक्षाप्रद दोहे याद करना। ई वर भक्ति, मीरा गुरू नानक।

मित्र प्रेम : कृश्ण सुदामा, ई वर चन्द्र विद्यासागर।

प्राणियों पर दया: बुद्धदिलीप।

सत्यप्रेम : हरि चंद्र, गांधी जी।

व्यवहार कु ालताः पंचतन्त्र की कहानियां, मनोरंजन कियाएं।

याद करना : चार गीत/कविताएं याद करना, दस दोहे।

चतुर्थ श्रेणीः

पूर्व कक्षा की बातों का पुनर्स्मरण, अतिथि, पास पड़ौस, सड़क, बाजार में व्यवहार के नियम, भोजन के नियम मान बिन्दुओं (सन्यासी, धार्मिक, मातृ भुमि, ग्रन्थ गाथा और गंगा आदि) के प्रति जागृत करना, आद र्ा महिलाएं :– सीता आद र्ा, पुरूश भरत, हनुमान, भजन संक्षिप्त रामायण, कथा रामायण, व महाभारत के प्रसंग, भारत मानचित्र परिचय में प्रमुख धार्मिक सीमाओं का ज्ञान, मनोरंजन कियाएं दोहे व चौपाईयां, चार गीत याद करना। पंचतन्त्र की कहानियां, वीर सैनिक अर्जून पुरस्कार विजेता आदि के प्रेरक प्रसंग।

पंचम कक्षा

पूर्व कक्षा का पुनर्स्मरण, सत्य, ईमानदारी, बड़ो की आज्ञा का पालन, निडरता अनु ाासन, दूसरों की भलाई करनाअ दि सदगुणों का महत्व व उदाहरणों से बताना कर्मवाद का सरल भाब्दों मे उदाहरण देकर बताना। दे ा भक्त व ध्येय निश्ठा जागरण हेतू खन्डों बलाल, महाराणा प्रताप, गुरू पुत्र बन्दा वैरागी, भामा ााह आदि का जीवन चरित्र सुनना। महाभारत के प्रेरक प्रसंग, भारत मानचित्र परिचय में नदियों, पर्वतों, पुरियों की

जानकारी मनोंरजन कियाएं, चार गीत याद करवाना, पंचतत्रं की कहानियां, 10 दोहे व चौपाईयों को याद करना, समस्या निदान कक्षायें, वीर सैनिक, महान अध्यापक, महान कलाकार।

ाश्ट कक्षा

1. दे ा भक्ति की पांच कवितांए/गीत कण्ठ करना।

2. दे ा भक्ति की कथाएं/प्रेरक प्रसंग (1) महाराणा प्रताप (2) सुभाश चन्द्र बोस (3) सरदार भगत सिंह (4) गोपल कृश्ण गोखले (5) गारीबाल्डी

3. ई वर भक्ति की दो कविताएं कण्ठ करना।

4. विद्यालय प्रार्थना का अर्थ समझाना।

5. धर्म ग्रन्थों का परिचय, वेद, गुरूग्रन्थ साहिब, कुरान व प्रेरक प्रसंग।

3. पितृ भक्तों की कथाएं प्रेरक प्रसंग

1. श्री राम चन्द्र

2. श्रवण कुमार

3. केसवियं का कीकथा

4. गुरू भक्तों की कथाएं

1. गुरू अमर दास, स्वामी दयानन्द

5. वीर बालक

1. वीर अभिमन्यु, दो आधुनिक वीर बालक (राश्ट्रीय पुरस्कार प्राप्ति)

6. परोपकारियों की कथाएं

1. मदर टेरेसा, फलोरैंस नाईटिंगेल

7. समाज सेवी भक्त फूल सिंह

8. मित्र एवं मातृ प्रेम की सच्ची घटनाएं

प्रताप सिंह ओर भाक्ति सिंह

9. संत महापुरूश

भगवान बुद्ध, गुरू रविदास, गोरखनाथ

10. हमारे पर्व

1. तीज

2. ि ावरात्रि

3. 15 अगस्त

11. ि ाश्टाचार की बातें

12. दिनचर्या

13. अच्छें स्वास्थय के नियम

सप्तम कक्षा

1. दे ा भक्ति/मानव प्रेम/समाज सेवा

1. कविताएं/कंठ कराना

2. प्रेरक प्रसंग

1. गुरू गोबिन्द सिंह 2. वीर सावरकर 3. चन्द्र ेखर आजाद 4. लोकमान्य तिलक

5. इफकाकुला या कोकीटी केस 6. इब्राहीम लिंकन

2. ई वर भक्ति

2. प्रेरक प्रंसग

2. कबीर, रहीम ि ाक्षाप्रद दोहे

3. धर्म ग्रन्थों का परिचय, गीता बाईबल, उपनिशद

5. घर पर दैनिक प्रार्थना करने का आग्रह आतमनिरीक्षण एवं

3. हमारे वीर योद्धा

1. अर्जुन 2. पोरस, परमवरी

4. महान विभूतियां

1. स्वामी विवेकानन्द 2. स्वामी रामतीर्थ 3. ईसा मसीह

5. हमारे दानवीर

भामा ााह

6. हमारे संत महापुरूश

1. तुलसीदास 2. सूरदास, जिमुद्दनी ओलया 3. राम कृश्ण परमहंस 4. महर्शि दयानन्द

8. हमारे दे ा की श्रेश्ठ नारियां

अहिल्या बाई, रानी झांसी, रानी लक्ष्मीबाई

10. हमारे पर्व

1. विजयाद ामी 2. दीपावली 3. 26 जनवरी, ईदुल मिनाद

11. ि ाश्टाचार की बातें

12. दिनचर्या

13. हमारा स्वास्थ्य, भोजन, व्यायाम

14. विद्यालय के नियम

अश्ठम कक्षा

1. दे ा भक्ति/मानव प्रेम/समाज सेवा

2. पांच कविताएं / गीत कण्ठ करना।

3. दे ा भक्तों की कथाएं

खण्डेवाल राम सिंह कूका 4. वासूदेव बलवन्त फड, लाल बहादूर भाास्त्री

2. दरिद्र रोगियों, एवं दुखियों की सेव ही ई वर सेवा, महात्मा बुद्ध एवं महावीर एवं महात्मा ईसा की कथाएं।

3. अमर बलिदानी

1. बंदा बैरीगी 2. माला सरदार 3. तानीजी नालपुर 4. स्वामी श्रद्धानंद

1. हमारे संत महापुरूश

1. समर्थ रामदास 2. महर्शि अरविन्द 3. स्वामी रामतीर्थ

5. धर्म ग्रन्थों का परिचय

1. गीता जातक

7. पारसी और जैनमत के धर्म ग्रन्थ के प्रेरक प्रसंग

6. हमारे वैज्ञानिक

1. सर जगदी ा चन्द्र वसु 2. सी0वी0 रमन

7. हमारे दे ा की श्रेश्ठ नारियां

1. दुर्गावती, भमिनी, निवेदिता

8. हमारे पर्व

1. होली 2. मकर सक्रांति 3.गुरू पर्व, बंसत

10. ि ाश्टाचार की बातें

11. हमारा स्वास्थ्य

12. नियमित दिनचर्या 2. आसन

12. अनु ाासन का महत्व

नवम कक्षा

1. दे ा भक्ति/मानव प्रेम/समाज सेवा

2. भारत की मौलिक एकता के आधार मूल तत्व पांच गीत/कविंताएं कंठ करवाना

2. भारत के सांस्कृतिक निर्माणकर्ता

1. योगे वर श्री कृश्ण 2. बुद्ध मानव प्रेम 3. भांकराचार्य (सत्य की खोज और उसकी पहचान, राश्ट्रीय एकता)

4. अमर बलिदानी–मदन लाल ढींगरा

7. हमारा स्वास्थ्य

1. ब्रह्मचार्य का महत्व 2. आसन 3. ध्यान

6. मानवीय गुण

अहिसां, सत्य, अस्तेय, ब्रह्माचार्य, ओर अपरिग्रह

द ाम कक्षा

1. दे ा भक्ति/मानव प्रेम/समाज सेवा

1. भारत प्रांतों की भाशाओं का परिचय

2. भारतीय संस्कृति की वि ोशताएं

4. कविताएं कंठ कराना

5. भारत के सांस्कृतिक निर्माणकर्ता, भक्ति भाव, चैतन्य महाप्रभुं, अमीर खुसरो

6. हमारे सांस्कृतिक प्रतीक

7. हमारा स्वास्थ्य

आसन, प्राणायाम एवं ध्यान पर विस्तृत चर्चा एवं अभ्यास का आग्रह

8. नियम, संतोश, कर्मठता,स्वास्थय सुचिता।

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, जो स्टेटेमैंट मिनिस्टर साहब के द्वारा इस हाउस के पटल पर रखी गई है । उससे साफ जाहिर होता है कि इस कमेटी की एक मीटिंग 14–1–80 को हुई और दूसरी मीटिंग 3–2–81 को हुई। क्या मंत्री महोदय यह बताने

का कश्ट करेगें कि जब पहली मीटिगं के बाद दूसरी मीटिंग काफी देर के बाद हुई ओर बीच में समय काफी था, फिर भी इस कमेटी की रिकमैन्डे ान फाईनल न होने के क्या कारण हे तिा इन्हे कब तक फाईनल कर देगें?

चौधरी देस राजः स्पीकर साहब, हमारी पहली मीटिंग 14–1–80 को हुई, दूसरी 3–2–81 को रखी गयी, उसके बाद एक मीटिग हमने कुरूक्षेत्र में रखी ओर फिर 10–3–81 को एक मीटिंग दिल्ली में एन.सी.ई.आर.टी. में हुई और मई, 1981 में इसी प्रकार की मीटिंग ि ामला में रखी है। मैं यहां हाउस में यह बताना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान में किसी भी स्टेट में इस तरह का प्रोग्राम नहीं हैं हरियाणा पहली स्टेट है जहां पर स्कूलों में मौरल ऐजुके ान का प्रोग्राम स्लेबस में रखा गया है। हमने 1–4–81 से हर स्कूल मं यह स्लेबस चालू करने का प्रोग्राम बनाया है।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, यह जो सब कमेटी बनाई गई है उसमें मैने देखा है कि स्कूलों के टीचर्ज, हैडमास्टर्ज, ि ाक्षा अधिकारी , सहायक निदे ाक वगैरह–2 को इस सब–कमेटी की मीटिंग में बुलाया गया था। मैं आपके द्वारा उनसे यह पूछना चाहता हूं कि चूंकि यह बडा अहम मसला है, क्या सरकार इस सब–कमेटी में हाई लेवल के अधिकारियों को लेने का विचार रखती है तथा क्या इस कमेटी में नान–आफि ियल्ज को भी लेने का सरकार का विचार है?

चौधरी देस राजः स्पीकर साहब, इस कमेटी में उप–निदे ाक, सहायक निदे ाक, डी.ई.ओज तक लिये गये है फिर भी बाबू मूलचन्द जैन जैसा सुझाव देगें, उस सुझाव का हम स्वागम करेगें।

स्वामी अग्निवे ाः स्पीकर साहब, सबसे पहले तो मैं बाबू मूलचन्द जैन, जिनका प्र न था ओर दूसरे मंत्री महोदय का जिन्होने इस नैतिक ि ाक्षा की तरफ ध्यान दिया है, धन्यवाद करता हूं क्योंकि उन्होने इस समस्या को काफी हद तक सुलझाया है। हरियाणा के स्कूलों में गन्दा पाठ पढा कर लडकों मे गलत प्रचार किया जा रहा हैं आद र्ा गुरू द्रोणाचार्य के नाम का संस्कृत में एक पाठ स्कूलों में पढाया जा रहा है। उन्होने एक आदिवासी लडके को अपना ि ाश्य बनाया था और उसे पूरी ि ाक्षा दी थी और बाद में उन्होने गुरू दक्षिणा के नाम पर उसका अगुंठा मांग लिया था। इस कहानी को लेकर स्कूलों में ि ाश्यों में उल्टा प्रचार अध्यापकों के प्रति किया जा रहा है।

श्री अध्यक्षः स्वामी जी, आप अपना सवाल पूछिये।

स्वामी अग्निवे ाः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि यह जो पाठ गुरू दक्षिणा के नाम से स्कूलों मे पढाया जा रहा हे क्या वह पाठ्य पुस्तकों मे से निकाला जाएगा?

चौधरी देसराजः अध्यक्ष महोदय, स्वामी जी का सुझाव हमारे पास आया हैं हम उसे अव य कंसिडर करने की कोि ा ा करेगें और जो कोर्सिज गलत होगें, उनको निकाला जाएगा।

चौधरी हरिचन्द हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से आपकी मारफत यह पूछना चाहता हूं कि यह जो सब–कमेटी बनाई जा रही है, या कमेटी बनाई गई है, देखने की बात है कि इस कमेटी में जितने मैंबर है, उनका कितना मौरल है?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नहीं है।

चौधरी गंगा रामः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या उनकी गवर्नमेंट के कोई ऐसा प्रस्ताव विचारधीन है कि आगे आने वाला जो भी मुख्यमंत्री होगा, वह कम से कम दो–तीन साल तक नैतिक ि ाक्षा को लेकर मुख्यमंत्री बनेगा? (हंसी)

श्री अध्यक्षः जैटंलमैन, क्वै चन आवर में थोडी बहुत लाइट वेन में तो बात हो सकती है उसको तो मैं माइंड नहीं करता लेकिन चौधरी गंगा राम के क्वै चन पर मैं स्ट्रौंग आब्जैक ान लेता हूं। आप लोग कम से कम कुछ स्टैडर्ड तो रखिये।

श्री भले रामः मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि स्कूलों के बच्चों को जब मौरल ि ाक्षा दी जाएगी, क्या उसके लिये वर्तमान अध्यापक ही होगें या और अध्यापक लगाये जांएगे?

चौधरी देस राजः अध्यक्ष महोदय, टीचर तो वही होगें जो इस समय हैं लेकिन हम गुड़गांव के ट्रेनिंग सैन्टर में ट्रैनिंग देकर और भी ट्रेन्ड टीचर लगाएंगे।

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने कालेज ऐजूके ान के बारे मै एक खास जवाब दिया हे कि कालेज ऐजूके ान के लिये कोइ कमेटी मुकर्रर नहीं की गई। क्योंकि जब इन्होने यह स्कीम लागू करनी है तो इनको बाद में भी कालेज ऐजूके ान के लिये कमेटी बनानी पडेगी तो क्या अभी कालेज ऐजूके ान के लिये भी कोई कमेटी बनाने की सोचेंगे?

चौधरी देस राजः स्पीकर साहब जहां तक कालेज ऐजूके ान का ताल्लुक है यह यूनिवर्सिटीज के अन्डर आती है। यूनिवर्सिटीज पर हम प्रै ान नहीं डाल सकते बल्कि उनको प्रोपोजल भेज सकते है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, जवाब के साथ मंत्री महोदय ने एक सिलेबस रखा है उसमें प्रार्थना सभा की आईटम में कुछ प्रतिज्ञा की बातों के बारे मे कहा गया है। मैं जानना चाहती हूं कि वे कौन –2 सी प्रतिज्ञा करेगें। उसमें एक बात यह भी कही गई है कि वे प्रतिज्ञा करेगें कि वे अपने दे ा और दे ावासियों के प्रति वफादार रहेगे। तो क्या इसमें यह भी भाामिल करेगें कि मैं जिस पार्टी से चुना जाउंगा उसके प्रति वफादार रहूंगा? (ाोर)

श्री अध्यक्षः जो लिखी गई है यह प्रतिज्ञा बहुत अच्छी है। जो आप सजैस्ट कर रही है वह भाायद अच्छी नहीं रहेगी। (हंसी)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, कालेज ि ाक्षा के बारे में इनहोने फरमाया कि यह वि ववविद्यालयें के अन्डर आती है ओर उनको हम केवल सुझाव ही भेज सकते है। मैं आपके द्वारा जानना चाहूंगा कि क्या इन्होने अभी तक किसी हरियाणा की यूनिवर्सिटी को लिखा है कि यह चीज इन्ट्रोडयुस की जाए?

चौधरी देस राजः पहले हम ऐक्सपैरिमेंट बेसिज पर इसे स्कूलों में लागू करना चाहते है। अगर इसमें हमें कामयाबी मिली, तो हम यूनिवर्सिटीज को भी लिखेगें।

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, इस सारे प्रोग्राम के लिये पुस्तकों का लिखा जाना बहुत जरूरी है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस किस्म की पुस्तकें लिखवाने के लिये अब तक क्या कार्यवाही की गई है?

चौधरी देस राजः ऐसी पुस्तकें हम एस0सी0ई0आर0टी0 और एन0सी0ई0आर0टी0 दोनों से लिखवाते है।

Water Supply Scheme in Panipat Teshil

***2064. Chaudhri Satvir Singh Malik:** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state the date on which water supply scheme at village Khurana and Naultha in

thesil Panipat was sanctioned together with the time by which the work on the said schemes is likely to be started?

Food & Supplies Minister (Shri Lachman Singh): The Scheme was administratively approved on 25-6-79, but no funds have been allocated. No definite date can be given as it depends upon the allocation of funds by the State Sanitary Board.

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः क्या मंत्री जी बतायेगें कि जब पहले इनके पास पब्लिक हैल्थ का महकमा था तो सैनेटरी बोर्ड ने इन स्कीमों के लिये पैसा ऐलोकिट किया था लेकिन चौधरी भजन लाल के मुख्य मंत्री बनने के बाद वह ऐलोके ान खत्म हो गई , इसका क्या कारण है?

श्री उप–मंत्री (चौधरी लाल सिंह): स्पीकर साहब, 25–6–79 को सैनेटरी बोर्ड से मंजूरी मिल गई थी परन्तु अभी रा ि ा नही मिली। सरकार पहले प्रौब्लम विलेजिज को पानी देना चाहती है। (हंसी)

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, नौलथा हल्के में 61 गांव है ओर उनमें से 9 प्रोब्लम विलेजिज है। सात गांवो में काम चालू है सिर्फ दो गांव बाकी रहते है। इसमें कोई भाक नहीं कि पहले मैनें इसके लिये सैक ान की थी लेकिन मैं इसका मुकम्मल करूंगा। जैसे ही हमारे पास फंडज अवेलेबल होगे हम काम स्टार्ट करवा देगें।

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब ने कहा कि फंडज की कमी है। मैं इनसे जानना चाहता हूं कि पहले जब मंजूरी हूई थी उसके बाद और कितनी स्कीमें मंजूर हुई और उनके लिये पैसा कहां से आया?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, स्कीमें तो चलती ही रहती है। इनके हल्के में भी काम हो रहा है। इस बारे में या तो ये मेरे दफतर में आकर देख लें कि ओर कौन–कौन सी स्कीमों पर काम चल रहा है या अलग से नोटिस दे दें।

श्री गुलजार सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि इनके हल्के में प्रौब्लम विलेजिज है। मैं इनसे प्रौब्लम विलेज घोशित करने का काईटेरिया जानना चाहता हूं। इसके अलावा मेरे हल्के में 40 गांव है जो सभी प्रोब्लम विलेजिज है। क्या मंत्री जी उनके बारे में भी ध्यान देगें?

श्री लछमन सिंहः प्रौब्लम विलेज का काइटेरिया यह है कि जहां से पानी का फासला 1.6 किलोमीटर का हो, वहां खारा पानी हो और दूसरी सेहत की खराबी की चीजें उसमें मौजूद हो वह प्रोब्लम विलेज में आ जाता है। जहां तक इनके हल्के के गांवों का सवाल है, इन्होने इस बारे में कभी लिखकर नहीं दिया है और न ही कोई सवाल किया है। ये अलग से सवाल पूछगें तो जवाब दे देगें।

Connecting of villages inm the State with Bus Service

***2090. Chaudhri Ishwar Singh:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) the number of villages where there is no provision of bus service at present;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to connect all villages in the State with the bus service; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to run bus service between Guhla-Chandigarh via Patiala and from Chika to Samana Mandi?

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) जिन मार्गों पर राजय परिवहन की बसें चलती है, उन से दो किलोमीटर या इसके आस पास की दूरी के गांवो को रूट में अन्तनिर्हित गांवो में नहीं माना जाता। ऐसे देहातों की संख्या इस समय 745 के आस पास है।

(ख) ऐसे देहातों मे कमिक रूप से बसें जारी करने की योजना है।

(ग) नहीं, श्रीमान।

चोधरी ई वर सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि जिन रूटस पर राजय परिवहन की बसें चलती है उन से दो किलोमीटर या इसके आसपास की दूरी के गांवों के रूट के अनतनिर्हित गांवों में नहीं माना जाता। मैं मंत्री महोदय से कजानना चाहता हूं कि जिन गांवों की दूरी आठ दस किलोमीटर है, उनकी एक लिस्ट बनाकर क्या सरकार एग्जामिन करेगी ताकि कोइ योजना बनाकर बस सेवा चलाने का प्रबन्ध किया जा सके? इसके अलावा मंत्री महोदय ने गुहला–चण्डीगढ़ बरास्ता पटियाला तथा चीका से समाना मंडी तक बस सेवा भुरू करने के बारे में उत्तर दिया कि सरकार का कोई विचार नहीं है। क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि 'नहीं' में जवाब देने का क्या कारण है, कौन सी ऐसी बात है जिसके कारण बस सेवा भुरू नहीं की जा सकती?

श्री जगननाथः हमारे माननीय विधायक तो खूबसूरत है लेकिन इनके इलाके का नाम बड़ा भौंडा है। (व्यवधान) जहां पर हम बस सेवा भुरू करते है वहां यह देखा जाता है कि रूट अच्छी हालत में है या नहीं। दूसरी बात यह देखी जाती है कि वह रूट इन गावो को मिलाता है या नहीं । क्योकि यह देखना पडता है। कि लोगों को सुविधा हो और रूट घाटे मे न जाये, डिपार्टमेंट की आमदनी बढे ।इन चीजों को ध्यान में रखते हुये सरकार जहां–जहा उचित समझती है, बस सेवा भुरू करती है। अब रहा सवाल गुहला चण्डीगढ बरास्ता पटियाला से बस भुरू करने का,

इसके बारे में मेरा कहना है कि यह मामला इन्टर स्टेट का है। ऐसे रूटस पर इन्टर स्टेट ऐग्रीमेंट होते है। इसके तहत जितने माइलेज पर हम बस चलायेगें उतने ही माइलेज पर दूसरी स्टेट बस चलोयगी। अगर हम वाया पटियाला बस चलाते है तो कल को पंजाब गवर्नमेंट कहेगी कि वे अम्बाला ओर दिल्ली के लिये जयादा रूटस लेगें और इसका परिणाम यह होगा कि हमारी स्टैट घाटे में जायेगी। जहां तक गूहला ओर चण्डीगढ़ का सवाल है, इस रूट पर तो पहले ही बस चलती है, लेकिन जिस रूट का आनरेबल मैंबर ने जिक्र किया है, इसकी वि ोश आव यकता नहीं है।

Appointment of S.S. Masters and J.B.T. Teachers

***2124. Captain Mange Ram:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that appointments on ad-hoc basis of S.S. Masters (B.Ed) and J.B.T. Teachers are being made by the Head Masters/Principals of the Schools; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to make such appointments through a central agency i.e. S.D.E.O. or D.E.O. in order to ensure proper representation of the Scheduled Castes?

ि ाक्षा मंत्री (चौधरी देस राज):

(क) हां।

(ख) नहीं जी।

कैप्टन मांगे रामः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने मेरे क्वै चन के पार्ट(ए) का जवाब दिया है 'यस'। स्कूलों में एस0एस0 मास्टर्ज (बी0एड0) ओर जे0बी0टी0. टीचर्ज को ऐडहाक बेसिज पर हैडमास्टर्ज ओर प्रिंसिपल्ज अप्वायंट करते है लेकिन ये वैकेंसीज केवल लीव वैंकेसीज होती है। अगर इन लीव वैकैंसीज को सैन्ट्रल एजैंसी द्वारा यानि एस0डी0ई0ओ0 या डी0ई0ओ0 के द्वारा भरा जाए तो ि ाडयूल्ड कास्टस के कैंडीडेटस को भी चांस मिल सकता ह। आज बहुत से ि ाडयुल्ड कास्टस जो जे0बी0टी0 ओर एस0एस0 मास्टर है, बैकार बैठे है, क्या सरकार इस पर विचार करेगी?

चौधरी देस राजः जहां तक ऐडहोक अप्वायंटमेंट करने का सवाल है, स्कूलों मे ये वैकेंसीज कहीं एक महीने की होती है, कहीं दो महीने की होती है। अगर सैन्ट्रल एजैंसी के थ्रू अप्वांयटमेंट करे तो उसमें टाईम लग जाता है। पहले डी0ई0ओ0 कैंडीडेटस बुलायेगा और फिर इन्टरव्यू लेगा, इसमें टाईम लग जाता है और बच्चों की पढाई का नुकसान होता है। बच्चों की पढाई सफर न करे, उनको अच्छी ि ाक्षा मिले, इस उद्दे य को सामने रखते हुये हमने हैडमास्टर्ज और प्रिसिपल्ज को यह पावर दी है कि वे फौरन अप्वायंटमेंट कर लें ताकि बच्चों का नुकसान न हो।

श्री लहरी सिंह मेहराः स्पीकर साहब, ऐडहोक बेसिज पर जो टीचर्ज लगाये जाते है, उनके बारे में क्या सरकार ने

हैडमास्टर्ज, प्रिंसिपल्ज और डी0ई0ओ0 को ऐसी इन्स्ट्रक ान्ज दी है कि ि ाडयूल्ड कास्टस कैंडीडेटस इतने परसैंट लिये जायें? अक्सर देखा गया है कि ि ाडयूल्ड कास्टस में से कोई टीचर नहीं लिया जाता। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि चाहे आप ऐडहौक बेसिज पर दो टीचन ले, उन में से एक पोस्ट ि ाडयूल्ड कास्टस को दी जानी चाहिये, चाहे आप छः महीने के लिये ले चाहे एक साल के लिये लें, लेकिन ि ाडयूल्ड कास्ट जरूर लिया जाना चाहिये ताकि ि ाडयूल्ड कास्टस की रिजर्वे ान पूरी हो सकें।

चौधरी देस राजः स्पीकर साहब, लाजमी तौर पर इन्स्ट्रक ांज भेजी हुई है। अगर कोई ि ाडयूल्ड कास्ट कैंडीडेट आयेगा तो लाजमी तौर पर लिया जायेगा।

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, सरकार ने एडहोक बेसिज पर जो एस0एस0 मास्टर अपवांयट किये है, उनमें से कई टीचर्ज की सर्विस दो या दो साल से ज्यादा की हो गई है। क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि ऐसे टीचर्ज जिनकी सर्विस दो साल की हो गई है, उनको रैगुलराइज करने का कोई विचार है?

चौधरी देस राजः यह बात सरकार के विचाराधीन नहीं है।

राव बंसी सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि एडहोक बेसिज पर जो टीचर्ज लिये जाते है, उनमें ि ाडयुल्ड कास्टस कैंडीडेटस के लिये कोई रिजर्वे ान रखी हुई है।

श्री अध्यक्षः इस सवाल का जवाब आ चुका हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, सरकार एडहौक बेसिज पर एस0एस0 मास्टर लगाती है। आज एस0एस0 मास्टर बहुत ज्यादा सरप्लस है, इनको टैम्पोरेरी बेसिज पर क्यों लगाया जाता है, परमानैंट क्यों नही लगाया जाता? इससे स्पीकर साहब, ि ाक्षा का स्तर गिरता है। क्या मंत्री महोदय एडहोक बेसिज पर लगे हुये टीचर्ज को रैगूलराइज करने के लिये आर्डर्ज करेगें ताकि ि ाक्षा का स्तर उंचा हो सकें? (व्यवधान)

चौधरी देस राजः रैगुलराईजे ान नियमानुसार होती है, इस ढंग से रैगुलर नही कर सकते।

चौधरी पीर चन्दः क्या मंत्री महोदय बतायेगें कि हैड मास्टर्ज या प्रिंसिपल्ज एडहौक बेसिज पर जो अप्वायंटमेंट करते है, क्या उसकी पहले सरकार से मंजूरी ली जाती है। अगर मंजूरी ली जाती है तो क्या सरकार बतायेगी कि 20 परसैंट की रिजर्वे ान पूरी करने के लिये हैडमास्टर्ज और प्रिसिंपल्ज को हिदायत दी हुई है कि 20 परसैंट हरिजन कैंडीडैटस लिये जायें?

चौधरी देस राजः जिस स्कूल में जितनी वैंकेसीज होती है उसी के हिसाब से ि ाडयूल्ड कास्टस लिये जाते है, जैसे फर्ज करो 20 टीचर्ज है तो इन में दो टीचर्ज हरिजन लिये जाते है।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि स्कूलों में एस0एस0 मास्टर्ज या जे0बी0टी0 टीचर्ज की अप्वायंटमेंट

करते समय एस0डी0ई0ओ0 या डी0 ई0ओ0 किन–किन बातों का ध्यान रखता है, सरकार ने क्या क्राइटेरिया बनाया हुआ है?

चौधरी देस राजः डी0ई0ओ0 और एस0डी0ई0ओ0 को अप्वांयटमेंट करने की कोई पावर नहीं है, अप्वायंटमेंटस की पावर हैडमास्टर और प्रिसिंपल्ज के पास है। जहां तक मिडल स्कूलों का ताल्लूक है, अप्वायंटमेंट की पावर डी0ई0ओ0 के पास है, हैडमास्टर के पास नहीं है क्योंकि हैडमास्टर ड्रांइग एंड डिसबर्सिंग आफिसर नहीं है। यही कारण हे कि प्राइमरी स्कूलों में एडहोक अप्वायंटमेंट की पावर डी0ई0ओ0 को दी है। डी0ई0ओ0 जो अप्वांयटमेंट करता है वह प्योरली मैरिट पर हेाती है।

चौधरी रिजक रामः स्पीकर साहब, गवर्नमेंट ने यह फैसला किया था कि जिन टीचर्ज की सर्विस बतौर एडहौक बेसिज पर लगे हुये दो या दो साल से ज्यादा हो चुकी है, उनको रैगूलर कर देगें। क्या यह फैसला इन टीचर्ज पर लागू नहीं होता?

चौधरी देस राजः अध्यक्ष महोदय, यह फैसला 31–12–79 का था। इसके बाद इस फैसले पर अमल नहीं हुआ और न ही इसके बाद कोई इस किस्म का फैसला हुआ है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर्ज पर जितने भी हाई स्कूल ओर मिडल स्कूल है, इनके हैडमास्टर्ज और प्रिसिंपल्ज डी0ई0ओ0. से पहले से ही मंजूरी ले लेते है कि उनके स्कूल में इतने मास्टर है ओर इतने की कमी है, यह बात

डी0ई0ओ0 के नोटिस में होती है कि किस स्कूल को कितने एस0एस0 मास्टर्ज या जे0बी0टी0 टीचर्ज की जरूरत हैं जब हैडमास्टर्ज या प्रिसिंपल्ज पहले से ही मन्जूरी लेते है तो क्या सरकार ऐसा नहीं कर सकती कि डी0ई0ओ0 जहां मन्जूरी देते है उसके साथ ही साथ 20 परसेंट रिजर्वे ान के भी आदे ा दे दिये जायें ताकि ि ाडयुल्ड कास्टस की रिजर्वे ान पूरी हो सके।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जहां तक रिजर्वे ान का ताल्लूक है, चाहे एडहोक कर्मचारी लिये जाएं, चाहे टीचर्ज लिये जाएं, चाहे दूसरे लिये जायें, हम रिजर्वे ारन का पूरा ध्यान रखते है। अगर किसी पोस्ट के लिये ि ाडयुल्ड कास्ट कैंडीडैट नहीं मिलता तो हम दो बार ट्राई करते है, अगर फिर भी ि ाडयूल्ड कास्ट कैंडीडेट न मिले तो हम जनरल से भर लेते है।

चौधरी गया लाल: अध्यक्ष महोदय, कई हाई स्कूलों में एक–एक, दो–दो पोस्टें खाली है जिनको भरने का अधिकार हैडमास्टर या प्रिंसींपल के पास है। अगर एक–एक करके पोस्टें खाली होगी तो ि ाडयूल्ड कास्टस की रिजर्वे ान कभी पूरी हो ही नहीं सकती। अगर डी0ई0ओ0 या एस0डी0ई0ओ0 को अप्वायंटमैंट करने का अधिकार दे दिया जाये। और वहां पर रोस्टर मेनटेन किया जाये तो मेरे ख्याल में इस तरह ि ाडयूल्ड कास्टस का ध्यान रखा जा सकेगा। क्या सरकार इस सुझाव पर विचार करेगी?

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, फर्ज करो किसी स्कूल में 10 मास्टर है और इन में एक मास्टर हरिजन है। अगर इसकी जगह अप्वायंटमेंट करनी है तो इसकी जगह हरिजन ही लिया जायेगा, कोई दूसरा नहीं लिया जाएगा।

Mr. Speaker: Hon. members, Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Selection of Shamlo Kalan of Julana Block under the focal village scheme

***2157. Chaudhri Zile Singh Malik:** Will the Minister for Development and Panchyats be pleased to state-

(a) whether it is a fact that villageShamlo Kalan of Julana block in Jind District has been slected under the focal village scheme; and

(b) if so, whether all the development works under the said scheme have been completed in the village referred to in part (a), if not, the time by which these are likely to be completed?

विकास मंत्री (राव दलीप सिंह):

(क) जी हां।

(ख) जी हां। परन्तु केवल डिस्पोजल वर्क्स के लिये बिजली का कवै चन लिया जाना भोश रहता है जिसे मास मार्च 1981 के अन्त तक ले लेने की सम्भावना है।

Privately Managed Degree Colleges

***2137. Shri Baldev Tayal:** Will the Minister for Education be pleased to state the district-wise total number of privately managed degree colleges and Govt. Cooleges in the State together with the number of Lecturers/Professors and the total number of students in the said Colleges on 1-1-1981 separately?

Education Minister (Chaudhri Des Raj): A statement is placed on the Table of the House in which the number of Lectureres/Professors and students has been given as on 31-8-80 when the admissions for the current academic year 1980-81 is not readily available.

Statement

Showing districtwise No. of Privately managed and Govt. Degree Colleges-with No. of Lectureres/Professors and the No. of students studying in them as on 31-8-80

		Privately Managed colleges			**Govt. Colleges**			**Total**		
Sr	Name of District	No. Of Colleges	No. Of Lect./Prof.	No. Of Students	No. of Govt. Colleges	No. of Lect./Prof.	No. of Students	No. of colleges (Col. No. 3 and 6)	No. of Lect/Prof. (CVol. No. 4 and 7)	No. of Students (Col. No. 5 and 8)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	Ambala	15	377	12664	1	27	451	16	404	13115
2	Bhiwani	4	116	2534	1	56	1449	5	172	3983
3	Faridabad	4	80	2143	2	95	1881	6	175	4024
4	Gurgaon	3	54	775	4	182	3548	7	236	4323

5	Hissar	5	171	4967	3	122	2440	8	293	7407
6	Jind	3	42	904	3	114	2228	6	156	3132
7	Karnal	9	216	5531	1	41	560	10	257	6100
8	Kurukshetra	8	167	5150	-	-	-	8	167	5150
9	Mahendergarh	5	95	3106	3	150	2824	8	245	5930
10	Rohtak	8	205	4606	5	275	2982	13	480	7588
11	Sirsa	2	37	854	1	59	1549	3	96	2403
12	Sonepat	4	201	9540	-	--	-	4	201	9540
Total		**70**	**1721**	**52774**	**24**	***1121**	**19921**	**94**	**2822**	**72695**

Statement

Showing the number of Lectures working on adhoc basis as on 1-1-1981 (Subject-wise)

Sr	Name od District	English	Chemistry	Physics	Commerece	geography	Skt.	Hindi	Math	Economics	Military s.	Psy.	Hisatoty	Music Inst.	Music(vocal)	Philolsophy	Ar and Craft	Punjabi	Zoology	Sociology	Home Science	Botany	Geology	Agriculture	Total
1	Rohtak	10	4	4	4	6	7	4	2	-	-	1	1	1	2	1	1	1	-	-	-	-	-	-	49
2	Jind	4	-	1	5	4	2	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	21
3	Hissar	2	1	3	1	5	2	5	-	2	6	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	28
4	Ambala	2	-	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	6
5	Faridabad	1	2	3	4	1	-	1	1	1	-	1	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	17

6	Gurgaon	4	-	-	4	1	3	7	2	2	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	2	-	-	-	26
7	Bhiwani	6	1	3	3	4	1	2	-1	1	-	5	1	-	-	-	1	-	-	-	-	1	-	-	29
8	M.Garh.	14	1	8	3	11	3	7	-	2	6	-	2	2	1	-	-	-	2	1	-	1	5	1	71
9	Sirsa	3	1	4	1	4	2	3	-	2	1	1	2	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	-	25
10	Karnal	-	-	-	2	-	-	-	-	1	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	2	1	-	-	8
	Total	**46**	**10**	**26**	**29**	**36**	**20**	**33**	**6**	**11**	**13**	**9**	**8**	**4**	**4**	**1**	**2**	**2**	**4**	**3**	**4**	**3**	**5**	**1**	**280**

Printing of Forms etc. of Cooperative Banks

***2153. Chaudhri Karam Sigh:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state the amount so far sepnt in connection with the printing of registers and forms etc. relating to the new system of advancing loans by the Cooperative Banks and Cooperative Societies in the State together with the names and addresses of the Printing Presses from where the said registers and forms etc. were got printed?

सहकारिता तथा योजना मंत्री (ठाकुर बीर सिंह): कुल रा ि 13.23 लाख रूपये खर्च की गई। प्रिंटिग प्रैसिज के नाम तथा पते निम्न है:–

1. दि हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ भााप–कम फलैट नं. 1050–52 सैक्टर 22–बी, चण्डीगढ़।

2. मैसर्ज करनाल टाईमज प्रिंटिग एण्ड पब्लि िंग प्रोडक ान कोआप्रेटिव इण्डस्ट्रीयल सोसायटी लि0 करनाल।

3. मैसर्ज मोना प्रिटरज, 146 इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।

4. मैसर्ज न्यू ऐरा प्लास्टिकस फलैट नं. 21–ए, भांकर मार्किट, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

Water Works in District Sirsa

***2212. Shri Bhagi Ram:** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the water in village Mimla, district Sirsa is brackish and water works have already been sanctioned for this village; and

(b) if so, the time by which the construction work on the aforesaid water works is likely to be started?

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री लछमन सिंह):

(क) जी, हां।

(ख) आव यक औपचारिकतायें पूरी होने के प चात काम भीघ्र हाथ में ले लिया जायेगा।

Revision of Wages of Brick Kilns, Industries, Agricultrue and P.W.D. Labourers

***2235. Swami Agnivesh:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state:-

(a) whether the Inter State Migrant Workmen (Regulation of Employment and conditions of Service)Act, 1979 enforced by the Central Government w.e.f. 2nd October, 1980 had been implemented in the case of brick-kiln industry in the Haryana State; and

(b) whether wages of the labourers of brick Kilns, Indutries Agriculture and P.W.D. in the State are being revised according to the price index; if so, the details of the revised wages together with the date on which these were revised during the last two years?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) नहीं।

(ख) नहीं। प्र न उत्पन्न नहीं होता।

अतांराकित प न एवं उत्तर

Formation of Sub-Tehsil at Samalkha

460. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) the total number of Sub-Tehsils that existed on 30-679 in the State; and

(b) whether there is any proposal to form a Sub-Tehsil at Samalkha in Karnal District?

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह):

(क) छः।

(ख) मामला की जांच की जा रही है।

Opening and Upgradation of Schools in the State

461. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the constituency-wise names of the new schools opened and existing schools upgraded during the year 1980-81 (up-to-date) separately in the State;

(b) the names of the schools proposed to be opened and existing schools to be upgraded during the year 1981-82; and

(c) the number of the girls schools out of those referred to in parts (a) and (b) above?

Education Minister (Chaudhri Des Raj):

(a) No new school was opened in 1980-81. The list of Constituency-wise names of Schools upgraded during the year 1980-81, is enclosed.

(b) The proposal for opening the following 8 Schools during the year 1981-82 is under consideration of the Government:-

1. Govt. Girls primary School, Kemri (Hissar).

2. Govt. Primary School, Mithanpur Dhani (Sirsa)

3. Govt. Primary School, kalyat Mandi (Jind).

4. Govt. Primary School, Rajindera Colony, Bhiwani Road, Rohtak.

5. Govt. Primary School, Nawada Fatehpur (Gurgaon).

6. Govt. Primary School, Harijan Basti , Safidon (Jind).

7/ Govt. Primary School, Rankoli (Bhiwani).

8. Govt. Primary School, Bal Samand (Hissar).

No provision has been made for upgradation of Schools for the year 1981-82.

(c) (a) (i) Nil (New Schools Opened).

(ii) Upgraded Schools:-

Primary to Middle	Middle to High
17	8

(b) (i) 2.

(ii) No decision to upgrade schools has yet been taken.

List

Constituency-wise list of Schools upgraded during 1980-81 (This is on the basis of the information received from Distt. Education Officers).

Sr.N.	**Name of the Constituency**	**Name of theSchool upgraded to Middle Standard**		**Name of the School upgraded to High standard**	
1	2	3		4	
District Ambala					
1.	**Mullana**	1.	Thankur Pura	1	Samlehri
		2	Pilkhani	2	Pasayala

		3	Gola.		
2.	**Kalka**	1.	Dhatogra		-
3.	**Naraingarh**	1.	Manak Tabra	1	Raiwali
		2	Mauli	2	Toda
		3	Rampur Thandu	3	Bharog
				4	Hamid Pur
				5	Dhanana
4.	**Chhachrauli**	1	Jagdhauli	1	Jaidher
		2	Gora Bibipur		
		3	Mehar Majra		
5.	**Nagal**	-		1	Babiyal
				2	Shah Pur
				3	Khaira
District Bhiwani					
1.	**Bawani Khera**	1	Dang Kalan		
		2	Bhurtana		
2.	**Tosham**	1	Alam Pur	1	Bhera
		2	Chundwas	2	Devsar
		3	Kehar Pura		

		4	Kairu		
3.	**Munhal**	1	Rewari Khera	1	Badsera
4.	**Badhara**	1.	Dohka Mauji		-
5.	**Dadri**	1	Kheir Pura (G)		-
		2	Dohki		-
Distict Faridabad					
1.	**Faridabad**	1.	Saran	1.	Faridabad (Boys) NIT. No.3
2.	**Mewla-Maharajpur**	1.	Dhakhola	1.	Pavta
		2.	Bhupani		
3.	**Ballabgarh**	1.	Kateshra	1.	Machgarh
4.	**Hassanpur**	1.	Palekh	1.	Meesa
5	**Hathin**	1.	Jruthal	1	Alimev
				2	Gharot
				3	Karoka
Distt. Jind					
1.	**Julana**	1.	Shamlo Kalan (Girls)	1.	Nidhana
				2	Karela

2.	**Narwana**	1.	Hamirgarh	1	Balerkha
				2	Kharal
3.	**Uchana**	1.	Surbara	1	Mangal pur
				2	Bagaru Kalan
4.	**Safidon**	1	Rajana Kalan		
		2	Bhag-Khera		
		3	Paju Kalan		
5.	**Jind**	1	Jhanj Kalan		
		2	Rupgarh		
		3	Baraha Kalan		
6.	**Kalayat**	1	Sanghan	1	Lodhar
Distt. Karnal					
1.	**Nilokheri**	1	Anjan Thali	1	Sagga
		2	Badthal		
2	**Naultha**	1	Lohari	1	Dadola
3	**Gharonda**	1	Rair Kalan	1	Ucha Samana
		2	Khond		
4	**Jundla**	1	Shahpur	1	Bras
		2	Agond		

5	**Indri**	1	Kunjpura (Girls)	1	Kheri Man Singh
				2	Uchana
6	**Panipat**	1	Gola Kalan		
		2	Nizampur		
Distt. Rohtak					
1.	**Hassangarh**	1.	Karor	1.	Atail
				2	Dataur
2.	**Kiloi**			1	Bohar
3	**Maham**			1	Ajaib
				2	Gorawar
4	**Kalanaur**	1	Garhi Ballabh	1	Lahali
5	**Jhajhar**	1	Chhapar	1	Chhuchhak was
				2	Ukhal Chana
6.	**Beri**	1.	Gangtain		
		2.	Dhandhlan		
7	**Sahalwas**	1	Gamri	1	Karoli
		2	Tuman		

8	**Bahadurgarh**	1	Jakhoda	1	Ba-rona
		2	Tanda Heri	2	Balorre
		3	Kehroli Pahaldpur	3	Kasar
		4	Jasaur Kheri(Girls)		
9	**Badli**	1	Bhupania (Girls)		
		2	Chhudani		
Distt. Sirsa					
1	**Rori**	1	Jharar Rohi	1	Keharwala
		2	Dadu	2	Sukhchain
		3	Chor Mar		
2	**Dabwali**	1	Jandwala	1	Mithri
		2	Lohgarh		
3	**Darba Kalan**	1	Gosainana	1	Malekan(Girls)
4	**Sirsa**			1	Nezw Dela Khurd
Distt. Sonepat					
1	**Baroda**			1	Chhatera

				2	Mahmoodpur
				3	Butana
				4	Dhanana
				5	Nura Khera (girls)
2	**Gohana**	1	Kheri Damkan	1	Bidhal (Girls)
3	**Rohat**	1	Matindu	1	Harnana Kalan
4	**Kailana**	1	Bari	1	Datauli (Girls)
		2	Kheri Gujjar	2	Ghasauli
		3	Garhi Jhajjra (G)	3	Kailana
		4	Pugthala		
		5	Chulkana (Girls)		
		6	Kurar		
5	**Rai**	1	Jakholi	1.	Akbaropur Barota
				2	Akbarpur Baroda
Distt. Kurukshetra					

1.	**Thaneser**	1	Mehra	1	Ladwa (Girls)
		2	Khairi	2	Pahladpur
		3	Dhurela	3	Ladwa
2	**Pundri**	1	Dussain	1	Bakal
				2	Naina Dhos
				3	Sarsa
3	**Shahbad**	1	Padlu	1	Chhurani Jattan
4	**Guhla**	1	Pidal	1	Cheeka (Girls)
5	**Pehowa**	1	Bandholi		
		2	Isaq		
6	**Radaur**			1	Mangoli Jattan
				2	Tangore
7	**Kaithal**	1	Khanoda	1	Nacach
Distt. Gurgaon					
1	**Nuh**	1	Gulalta		
		2	Tain		
		3	Pingawan(Girls)		

		4	Basai Khanzada		
2.	**Gurgaon**	1	Mank-raula		
		2	Bajghera		
3-	**Sohna**	1.	Bhondsi (Girls)	1	Kedarpur
				2	Harchandpur
4.	**Pataudi**	1-	Karula	1	Farrukh Nagar (Girls)
		2	Pataudi (Girls)		
5	**Ferozepur Jhirkha**	1	Agon	1	Rawli
		2	Jamalgarh		
6	**Taoru**	1	Dhulawat	1	Tabru (Girls)
		2	Padani	2	Mohmmadpur Ahir
		3	Ratiwas	3	Khera Khalilpur
		4	Gangoli		
		5	Khodbasai		
		6	Bajhera		
Distt. Hissar					

1	**Fathebad**	1	Mummadpur Sutar		
		2	Ayalki		
		3	Khajuri		
2	**Ghiray**			1	Dabra
				2	Satrod
3.	**Dabra Kalan**	1	Kukrawali		
		2	Pili Manadori (G)		
4.	**Hissar**			1.	Juglan
5.	**Adampur**	1	Siswala	1	Rawalwas Khurd
		2	Kirtan	2	Muklan
		3	Neoli Kalan	3	Sarsana
		4	Mater Sham	4	Shahpur
		5	Salimgarh	5	Moda Khera
		6	Bagla	6	Kabrer
		7	Kalwas		
		8	Rawalwas Kalan		

		9	Gorchi		
6	**Tohana**	1	Pirthala (G)	1	Dhani Gopal
		2	Loha Khera		
		3	Parta		
7	**Barwala**	1	Budhakhera		
8	**Ratiya**	1	Birabadi	1	Bhadolawali
		2	Baliyala		
		3	Alalwas		
9	**Bawani Khera**	1	Dyaya	1	Chirodh
		2	Majhad Pur		
10	**Bhattu Kalan**	1	Dhabi Kalan		
		2	Thaska		
		3	Daroli		
		4	Chuli Kalan		
		5	Suli Khera		
		6	Mahuwa-la		
		7	Banmandori		
		8	Kalirawan		
		9	Badopal (G)		

		10	Chuli Bagrian (G)		
		11	Landhri (G)		
11	**Narnuand**	1	Sulchaini	1	Lohar Rago
		2	Bass(G)	2	Masud Pur
Distt. Narnual					
1.	**Narnual**	1	Antri Bihari	1	Golwa
		2	Masnota		
2	**Ateli**	1	Kunjpura	1	Dhani Bhetotha
		2	Chandpura		
		3	Bachhod (G)		
		4	Mulodi		
3	**Mohindergarh**	1	Sundrah	1	Malrawas
		2	Beri	2	Dulot
				3	Bewal
4	**Bawal**	1	Mamrian Ahir	1	Nagli godha
		2	Bithwana	2	Rajgarh
5	**Rewari**	1	Tatarpur	1	Jarthal

		2	Istmurar		
6	**Jatusana**	1	Rambas	1	Daroli
		2	Mundi		

Note:- The constituencies of the following upgraded schools could not be ensured. The information is being collected from the quaaters concerned and will be supplied later on:-

1. GPS Sangan upgraded to Middle standard.

2. GMS Dadhaunla upgraded to High standard.

3. GPS Baorli upgraded to Middle standard.

4. GPS Gola Khera upgraded to Middle standard.

T.A. Drawn by the Officers in Printing and Stationery Department

462. Shri Mool chand Jain: Will the Minister for Local Government be pleased to state the total amount of traveling expenses (T.A.) charged by various officers in Printing and Stationery Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 (up-to-date)

स्थानीय भाासन मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग के अधिकारियो द्वारा वर्श 1979–80 तथा 1980–81 (अब तक) की अवधि में दफ्तरी दौरों के उपलक्ष में निम्नानुसार यात्रा भत्ता चार्ज किया गया है:–

1	1979–80	1238 रूपये 75 पैसे
2	1980–81	1694 रूपये 00 पैसे
	(अब तक)	

T.A. Drawn by the Officers in Planning Department

463. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Co-operation be pleased to state the total amount of traveling expenses (T.A) charged by various officers in Planning Department on Account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 (up-to-date)

सहकारिता तथा योजना मंत्री (ठाकुर बीर सिंह):

वर्श 1979–80 तथा 1980–81 में आई0ए0एस0 एवं राजय सचिवालय सेवा के अधिकारियों द्वारा सरकारी यात्राओं के लिये प्राप्त किये गये यात्रा भत्ते की सूचना निम्न प्रकार है।

	वर्श	रूपयें
1	1979–80	725 रूपये 20

		पैसे
2	1980—81	5135 रूपये 85 पैसे

अध्यक्ष द्वारा घोशणा

श्री हीरानन्द आर्य, एम0एल0ए0 की रिहाई संबंधी

Mr. Speaker: I have the honour to inform the House that intimation has been received from the Senior Supreintendent of Police, Bhiwani that Shri Hira Nand Arya, M.L.A., who was arrested on 2-3-81 in connection with Case F.I.R. No. 76, Police Station, City, Bhiwani, date, 2-3-81 U/S 7 Criminal Law Amendment Act, has been released on bail on the 17th March, 1981 and next date of hearing has been fixed fro 2-4-81.

Shri Hira Nand Arya is very much here with us today.

वि ोशाधिकार प्र न

डा0 मंगल सैन, एम0एल0ए0 को धमकी देने सम्बन्धी

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं कुछ कहना चाहता हूं । मैने आज आपको सुबह साढ़े आठ बजे टेलिफोन भी किया था।

Mr. Speaker: Doctor Sahib, I have received your privilege motion and is under consideration.

डा0 मगंल सैनः स्पीकर साहब, श्रीमती उशा भार्मा ने मुझे धमकी दी है। उन्होनें कहा है कि आपने चूंकि हाउस में बात उठाई है इसलिये .....(ाोर)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, मैनें कहा है कि आपका प्रिवलेज मो ान मेरे पास पंहुच गया है और उसे मैं कंसिडर कर रहा हूं।

डा0 मंगल सैनः ठीक है जी।

Shri Baldev Tayal: Mr. Speaker, Sir, may I again remind the Hon'ble Leader of the House regarding the re-entry of Shri Jagjit Singh Pohlu, M.L.A.

MR. Speaker: Tayal Sahib, you had already made your appeal yesterday.

चौधरी राम लाल वधवाः सी0एम0 साहब न`कहा था के वे बातचीत करके अपना फैसला आज बता देगें।

Shri Baldev Tayal: Excuse me, Sir, I am making this appeal again because practically half of the Session is over and the Chief Minister had promised that he would definitely consider the matter and let the House know his opinion today.

श्री अध्यक्षः मैं उस पर बाद में बात करूंगा। श्री हीरा नन्द आर्य।

श्री हीरानन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि पछले दो मास से भिवानी जिला में कहत के कारण और बिजली न मिलने की वजह से लोगों का आन्दोलन चल रहा हैं उस जन–आन्दोलन को दबाने के लिये मुझे भी सरकार ने जेल में डाला और मेरे विरूद्ध गलत मुकदमा बनाया।

(विरोधी पक्ष की ओर से भतर्सना)

Mr. Speaker: Arya Sahib, if you want to raise any matter, kindly give a notice in writing.

श्री हीरा नन्द आर्यः.....
.....

Mr. Speaker: Nothing will be taken down.

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, साल्हावास हल्के में खोरड़ा नामक एक गांव हैं वहां श्रीमती नारायणी देवी का 6–7 साल का लड़का किडनैप हो गया है और उसकी हत्या कर दी गई है।

श्री अध्यक्षः आप राइटिंग में मुझे दे।

चौधरी गंगा रामः .....
.....

Mr. Speaker: Nothing will be recorded. In the State during the last one month, there might have been hundreds of police cases. क्या आप हरके केस का यहां ब्यौरा देगें?

चौधरी गंगा रामः .....

.....

Mr. Speaker: Nothing will be recorded.

वित्त मंत्री (चौधरी खुर ाीद अहमद): स्पीकर साहब, बगैर इजाजत के किसी को बोलने न दिया जाए। (विघन)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज। आनरेबल मैंबर्ज, गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर सब मैंबर्ज साहेबान को बोलने का काफी मौका मिला है। अब आज से बजट पर डिस्क ान भ्ाुरू होगी और सबको बोलने के लिये मौका मिलेगा। इस समय तो आप किसी ऐमरजैंट नेचर की बात का जिक कर सकते है। अगर इस वक्त आप बजट के उपर डिस्क ान भ्ाुरू कर देगें तो उसका कोई मतलब नहीं। It is a wastage of time. कृपया कोई ऐसी बात न कहें जिसे आप बजट पर बोलते समय कह सकते हो। उस बारे में इस वक्त कहने का कोई महत्व नहीं है।

श्रीमती डा0 कमला भार्माः स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के नेता को थ्रैट दिया गया है कि मेरे हाथ बहुत लम्बे है, मैं बदला लेना जानती हूं। इस कारण आपके माध्यम से हम उनकी सुरक्षा चाहते है। (विघन)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब का प्रिवलेज मो ान मेरे पास आ गया है। मेरे ख्याल में वह आज सुबह नौ या साढ़े नौ बजे मेरे पास आया है और मैं उसको कंसिडर कर रहा हूं। I can assure all the hon. Members that as far as I am concerned, full protection would be afoorded to all the Members of th House.

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्रीमती भांति देवी): आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। अध्यक्ष महोदय, एक आनरेबल मैंबर को जब यह अधिकार है कि वह सदन की गरिमा का भी ध्यान न रखते हुये खुला आक्षेप एक महिला के उपर लगाये तो वह महिला अगर उसके बारे मे ंउस विधायक से पूछताछ कर लेती है तो मुझे बताया जाऐ कि उसने इसमें क्या ज्यादती की है? (ाोर)

Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Speaker Sahib, It seems that she is also involved.

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, यह कन्फर्म हो गयाहै कि उनके रूबरू टेलीफोन किया गया है। (ाोर) स्पीकर साहब, इस सरकार का एक वजीर कबूल कर रहा है कि उसके रूबरू टेलीफोन हुआ है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः जो प्रिवलेज मो ान मेरे पास आ गई है ओर जिसे मैं कंसिडर कर रहा हूं उसके उपर कोई डिस्क ान नहीं होगी। इसके बाद इस बारे में जो कहा जाएगा वह रिकार्ड नहीं होगा।

श्री वीरेन्द्र सिंहः ....

चौधरी राम लाल वधवाः ....

चौधरी संत कंवरः ....

श्री लहरी सिंह मेहराः आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं है। (ाोर)

Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Mr. Speaker, Sir. --------------

Mr. Speaker: Nothing will be recorded.

11—3—1981 को चौधरी जगजीत सिंह पोहलू, एम0एल0ए0 के निलम्बन सम्बन्धी निर्णय को रद्द करना।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैंबर्ज, मुझे श्री मूलचन्द जैन, श्रीमती सुशमा स्वराज, श्री बलदेव तायल, डा0 मंगल सैन और

चौधरी राम लाल वधवा, एम0एल0एज0 की और से, श्री जगजीत सिंह पोहलू, एम0एल0ए0 को 11 मार्च, 1981 को हाउस से सस्पैंड करने के बारे में जो प्रस्ताव पास हुआ था उसे वापस लेने तथा श्री जगजीत सिंह पोहलू को हाउस की प्रोसिडिंग में पार्टीसिपेट करने की इजाजत देने के बारे में एक मो ान का नोटिस मिला है। आनरेबल मैंबर्ज मुझे श्री जगजीत सिंह पोहलू, एम0एल0ए0 की और से भी रिग्रेट भाो करने के बारे में एक लैटर मिला हैं इसलिये मैं श्री मूलचन्द जैन जी को अपनी मो ान मूव करने की इजाजात देता हूं।

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, मो ान मेरी यही है जो अभी आपने पढ़ी है। अब इस मा ान पर मै कुछ कहना चाहता हूं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बोलने से पहले अपनी मो ान मूव कर लें।

श्री मूलचन्द जैनः अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं:–

कि 11 मार्च, 1981 को श्री जगजीत सिंह पोहलू एम0एल0ए0. को सस्पैंड करने के लिय हाउस द्वारा पास किये गये आर्डर को विदड्रा कर लियाजाये और उसे हाउस की प्रोसिडिंग्ज में पार्टीसिपेट करने के लिय अलाउ किया जाये।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि 11 मार्च, 1981 को श्री जगजीत सिंह पोहलू एम0एल0ए0. को सस्पैंड करने के लिय हाउस द्वारा पास किये गये आर्डर को विदड्रा कर लियाजाये और उसे हाउस की प्रोसिडिंग्ज में पार्टीसिपेट करने के लिय अलाउ किया जाये।

श्री मुलचन्द जैन (सम्भालखा): स्पीकर साहब, जिस दिन 11 मार्च को यह वाका हुआ, इतफाक से उस समय मैं सदन में मौजूद नहीं था।

Mr. Speaker: Babu ji, before you start, I would say that I allow 10 minutes for this motion.

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, 10 मिनट के अन्दर तोकुछ नहीं हो सकेगा।

श्रीमती सुशमा स्वराजः आप इस मो ान पर बोलने के लिये सब को कम से कम 5–5 मिनट का समय दे दीजिये।

श्री अध्यक्षः कुल 15 मिनट दिये जा सकते है।

श्री मूलचन्द जैनः 11 मार्च को इस हाउस के अन्दर एक मैंबर फ र्ा पर खडा होने के बजाये बैंच पर खडा होकर बोलने लग गया। ऐसा उस मैंबर को करना भी नहीं चाहिये था। मगर जैसा व्यवहार उसके साथ किया गया है ऐसा तो कहीं पर भी नहीं होता। हमारे दे ा की राज्य सभा या लोक सभा क अन्दर भी नहीं होता और न ही हमारे दे ा के किसी प्रान्त की विधान सभा के अन्दर होता है। केवल एक छोटे से आरोप में किसी मैंबर को सारे

सै ान के लिये सस्पैंड कर दिया जाये, यह कोई अच्छी बात नहीं हैं स्पीकर साहब, इस बारे में रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 104 मे साफ–2 लिखा है कि –

"(1) The Speaker shall preserve order and have all powers necessary for the purpose of enforcing his decision on all points of order.

(2) He may direct any member whose conduct is, in his opinion, grossly disorderly to withdraw immediately from the Assembly and any member so ordered to withdraw shall do so forthwith and shall absent himself during the rekainder fo the day's meeting. If any member is ordered to withrraw a second time in the session, the Speaker may direct the member to absent himself from meetings of the assembly for any period not longer than the remainder of the session and the member so directed shall absent himself accordingly. Such member shall be deemed to be assent from the meetings of the Assembly for purposes of section 3(2) (a) of the Punjab Legislative Assembly (Allowances of Members) Act, 1942, but shall not be deemed to be absent for the purposes of Article 190(4) of the Constitution.

तो मैं यह कहना चाहता हूं कि जब श्री जगजीत सिंह पोहलू बैंच पर खडे हुये थे तो सारे मैंबरान न उनको ऐसा न करने के लिये कहा था और अपने भाब्द वापिस लेने के लिये कहा था। इस काम के लिये मु कल से 2–3 सैकिन्ड लगे होगें कि आपके मा ल वहां पर पहुंच गये या पहुंचने वाले थे। उन मैंबरों ने उनको रोकना चाहा। (ाोर) अगर ये अपना यही कर्तव्य

समझते है ओर इसी तरीक से नुक्ताचीनी करते है, अपना गौरव ओर नखरा दिखाते है तो दिखाते रहें लेकिन यह हाउस की गरिमा के लिये ठीक नहीं है, छोटी सी गलती के लिये फांसी की सजा देनी नहीं चाहियेै। हिन्दुस्तान के अन्दर अगर कोई किसी को थप्पड़ मार देता है या गाली दे देता हे या कोई किसी की टोपी उतार लेता है तो उसको फांसी की सजा नहीं दी जाती। मुझे अफसोस इस बात का है कि जिस कांग्रेस पार्टी में होने का आप दावा कर रहे हैै , उसकी मर्यादाएं मैं भी भाायद अच्छी तरह से जानता हूं उन मर्यादाओं को कलेम करने के लिय आपको इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिये। मैं चीफ मिनिस्टर साहब को कहना चाहता हूं कि इन्हे वह मोशन खुद वापिस लेना चाहियें इस केस में सी0एम0 साहब को कुछ नरमी का बर्ताव करना चाहिये। सी0एम0 साहब समझते हों कि किसी एक मैंबर के हाउस में आने से गवर्नमेंट भाायद फेल हो जाये, ऐसी बात नहीं है क्योकि एक वोट से कोई फर्क नहीं पडने वाला है। (ाोर) स्पीकर साहब, इनहोने रूल 104 को सस्पैंड कराया हैं कल को ये फिर रूल 104 लेकर खडे हो जायेगें और मेरे खिलाफ भी मो ान ले आयेगें (ाोर)। आप का बहुमत है, आप ऐसा कर सकते है। हमारे यहां डेमोक्रेंसी है। अगर इस तरह से किया जाता रहा तो फिर यह डैमोक्रेसी क्या होगी? (ाोर)

चौधरी संत कंवरः अगर आप लोग जैन साहब को बोलने नहीं देगें ओर भाोर करते रहे तो हम भी किसी को बोलने नहीं देगें।

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज। आप इस तरह से नहीं बोल सकते।

श्री मूलचन्द जैनः स्पीकर साहब, मैं हाउस का ज्यादा समय नहीं लेना चाहता। जो मो ान मैने मूव किया है उसके बारे में मैं बडे दुखी दिल से कहता हूं कि अभी भी यह लेट नहीं हुआ है और मैं लीडर आफ दी हाउस से अपील करता हूं कि वे सिर्फ अपनी ही पार्टी के नेता नहीं है बल्कि वे सारे सदन के लीडर है, लीडर आफ दी हाउस है। इसलिये उन्हें इस संबंध में नरमी का बर्ताव करना चाहिये।

श्रम उप मंत्री (चौधरी लाल सिंह): आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, मैं किसी विवाद में नहीं पडना चाहता। अभी संत कंवर जी ने कहा है कि हम किसी को बोलने नहीं देगें, इनको मैं बताना चाहता हूं कि हम पब्लिक के चुने हूयें नुमाइन्दे हैं हम बोल सकते है और अपनी बात कह सकते है।

डा0 मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, जो पसताव बाबू मूलचन्द जैन जी ने रखा है, मै उसका समर्थन करता हूं । 11 तारीख को जब राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा चल रही थी तो इस सदन के माननीय सदस्य श्री जगजीत सिंह पोहलू

कुछ उत्तेजित भावना में आ गए जिसके कारण वे भावावे ा में आकर कुछ ऐसी बात कर बैठे जो उन्हे नहीं करनी चाहिये थी। अध्यक्ष महोदय, हम डिप्टी स्पीकर साहब, की तरफ देख रहे थे ओर पोहलू जी ने अपनी उस बात के लिय माफी मांगी ली थी लेकिन उसके बावजूद भी उन्हे सदन से निकाल दियागया। श्री बलदेव तायल जी ने लीडर आफ दि हाउस से बिजनैस एडवाइजरी कमेटी में कहा था कि मैं अपील करता हूं कि उन्हें सदन में वापिस बुला लिया जाये। मैं समझता था कि जब चौधरी भजन लाल जी से कोई नार्मली बात की जाती है तो वे उस बात को झट से मान लेते है।

श्री अध्यक्षः आपकी बात को तो ये मान ही लिया करते है।

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, अगर मेरी बात मान लेते तो इनकी इतनी मिट्टी पलीत न होती, जितनी आज हो रही है। मैं आपके जरिये उनसे कहत हूं कि बात को अधिक लम्बा नहीं खीचना चाहिये। मो ान आ रहा है। सारा प्रदै ा कहेगा कि इस बात को मुख्यमंत्री जी डकार गए है, उन्होने इसको वापस ले लिया। हम भी कहेगें कि चौधरी भजन लाल हमारा बडा भाई हे, इनको सारा प्रदे ा आ ीर्वाद दे रहा हैं अध्यक्ष महोदय, मैं फिर यही कह सकता हूं कि जो आनरेबल मैंबर हाउस में नहीं है, उसके खिलाफ ऐसा मो ान नहीं आ सकता।

उस समय श्री जगजीत सिंह पोहलू सदन से बाहर चले गये थे। भाई वीरेन्द्र सिंह जी ने उन्हें परसूएड किया और उसके बाद वे हाउस से बाहर चले गये। मैं समझता हूं कि वैसे वे गुणवान आदमी हैं 19 महीने हमारे साथ जेलों में भी रहे है। चौधरी भजन लाल तो उनके बारे में बहुत कम जानते होगें इसलिये मैं यह कहूंगा कि सदन की गरिमा इसी में है कि बाबू मूलचन्द जैन ने जो प्रस्ताव रखा है, उसे बडी उदारता के साथ स्वीकार कर लें।

श्रीमती सुशमा स्वराज(अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, 11 तारीख को आपकी गैर हाजरी में सदन में एक बडी अ ाोभनीय और दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। इसका जिक्र मुझसे पहले बोलने वाले साथीयों ने भी किया हैं सदन के एक माननीय सदस्य श्री जगजीत सिंह पोहलू जब अपने बैंच पर खडे होकर उपाध्यक्ष महोदय से इजाजत मांग रहे ि तो किसी ने भी उसका समर्थन नहीं किया। उपाध्यक्ष महोदय, ने उन्हें नेम किया। हमने उनकी नेगि की रूलिंग को चैलेंज नहीं किया। लेकिन जब नेम होने के बाद हाउस वे वे जा रहे थे ओर सदन के अन्दर कोहराम मचा हुआ था, डाक्टर मंगल सैन और दूसरे साथी यह पूछ रहे थे कि क्या घटना घटी है उसी कोहराम के दौरान पार्लियामेंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर महोदय उनकी सस्पैंन् ान की मो ान ले आये।

Mr. Speaker: I think, the even leading to his suspension is well known to every body. उसको बार–2 रिपीट करने की जरूरत नहीं है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः मैं उसको दोहरा नहीं रही हूं बल्कि मे। तो थोड़ा सा आगे जाकर यह कह रही हूं कि जब आप सदन में त ारीफ लायें और सारे का सारा वाक्या आपने सुना तो सारी चीज को समप्त करने के लिये विपक्ष के नेता ने एक मो ान मूव किया कि उनकी सस्पे ान को खत्म करके उन्हें बहाल किया जाये। अध्यक्ष महोदय, एक बात की तरफ मैं आपका ध्यान दिलाना चाहती हूं कि उस समय आपने सदन के तमाम सदस्यों से अपील की थी कि टेम्पर कूल हो जाने दिजिये। मैं स्वयं इस मामले को देख लूंगा और आपकी अपील को हम सबने मान लिया था। 11 तारीख का यह मो ान था उसके बाद कितनी ही बार जीरो आ9वर में इस बारे में अपील की गयी, बाबू मूलचन्द जैन जी ने और डाक्टर मंगल सैन जी ने भी की। मेरी पार्टी के नेता श्री बलदेव तायल ने तो उनको कोंग्रेस पार्टी का नेता न कह कर चौधरी भजनलाल जी को सदन का नेता, हाउस का नेता कहकर अपील की थी कि वे उस मो ान को विदड्रा कर लें। अध्यक्ष महोदय, मैं केवल इतना ही कहना चाहती हूं कि 7 दिन की आपकी कोि ा ा भी विफल रही। अध्यक्ष महोदय आप यह चाहते थे कि आप अपने चैम्बर में रूलिंग पार्टी के लोगों को और विपक्ष के लोगों को बुलाकर बातचीत करके इस समस्या को सुलझा दे ओर हमारी पार्टी के नेता भी यही चाहते थे लेकिन 7 दिन की

आपकी कोि ा ा भी विफल रही और हमारी पार्टी के नेताओं की अपील भी विफल रही। अध्यक्ष महोदय, इस सारी बात से यचह बू आती है कि जो सत्ताधारी बेंचों पर बैठे हुये लोग है, वे कितनी हठी और जिद्दी है। वे आपकी अपील को भी नहीं मानना चाहते, विपक्ष की अपील को भी नहीं मानना चाहते। इसलिये 7 दिन के बाद मजबूर हेकर आपको यह मो ान एडमिट करना पडा। अध्यक्ष महोदय, मै ंयह कहती हूं कि आज तक कभी भी ऐसा नहीं हूआ। कितनी बार हमारे सदन मं इससे भी बडी घटनायें हुई है। ऐसा भी हुआ हे कि हमारे माननीय सदस्य आपकी कुर्सी पर जाकर बैठ गये, आपकी कुर्सी के नीचे धरना दे दिया लेकिन हर बार सत्ताधारी लोगों की तरफ से उदार नीति दिखाई गई थी। नेम किया जाता रहा है, विदड्रा किया जाता रहा है उसके बाद सस्पैशन को बहाल भी किया जात रहा है। यह तो कोई इतनी बडी घटना ही नहीं थी। जहां तक बैंच पर खडे होने का सवाल है, उसके जिये उनको नेम कर दिया गया। लेकिन अध्यक्ष महोदय, एक ही जुर्म की दो सजाएं तो संविधान भी प्रोवाइड नहीं करता। डबल ज्योपर्डी का सिंद्धात तो वहां भी नहीं है कि एक ही जुर्म के लिये दो सजाएं हो सकती है। किसी सदस्य को अगर नेम कर दिया जाये, उसके बाद वह जब बाहर चला जाये फिर भी उसको पूरे सै ान के लिये सस्पैंड करने के लिये मो ान लाया जोय यह बात उचित नहीं है। अध्यक्ष महोदय, 7 दिन की सस्पैन ान तो उसकी आटोमेटिक हो गई, महज इसलिये कि उस पर आप विचार कर रहे थे, आप उसको कंसिडर कर रहे थे। 7 दिन की सजा भी

जुर्म से कहीं ज्यादा है इसलिये मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री महोदय से यह अपील करना चाहती हूं कि वे इस पर दोबारा गौर करें और उस मो ान को विदड्रा कर लें। अध्यक्ष महोदय, एक बार अपने आबजर्वे ान की थी कि एक चीज आपके दिमाग पर बजन डाल रही है कि वे कांग्रेस पार्टी के सदस्य है ओर कांग्रेस पार्टी वाले आपने मैंबरों को अनु ाासित करने के लियेयह मो ान लाये थे। अध्यक्ष महोदय, मैं बडे अदब से थोडा सा इस बारे में आपसे इख्तिलाफ करना चाहूंगी। जब कोई आदमी सदन में बैठता है तो वह पार्टी से अलाहिदा हैं। सदन में बैठने के बाद किसी भी मेंबर के अधिकारों की रक्षा करना इस सदन के तमाम सदस्यों का कर्त्तव्य है, हमसब का फर्ज है। यहां पर कोइ आदमी कांग्रेस पार्टी की नीति से अनु ाासित रहेगा, कोई लोक दल की नीति से अनु ाासित रहेगा, या कोई भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से अनु ाासित रहेगा, यह बात सदन में आने के बाद समाप्त हो जाती है। मैं सदन की एक सदस्य होने के नाते से हर एक सदस्य के अधिकारों की रक्षा चाहती हूं। इस लिये मैं अपील करती हूं कि लीडर आफ दि हाउस अपनी गरिमा को पहचानें और हाजी मियां (चौधरी खुर ाीद अहमद) से भी यह रिक्वैस्ट कंरूगी कि वे जो बीचबीच में कानाफूसी करते है, वे उन्हें न पढायें। अध्यक्ष महोदय, अगर यह हाजी मियां चुप रहें तो मुख्य मंत्री महोदय, अपनी उदारता बरत लेगें। इसलिये मैं आपसे भी एक रिक्वैस्ट करूंगी कि जो बातें आप अपने चैम्बर में करना चाहते थे, वे बातें अपन अपनी तरफ से सदन में भी कहें। लीडर आफ दि हाउस से यह कहें कि

वे स्वयं मो ान को विदड्रा कर लें और यह मौका न आने दें कि इस मो ान पर बोटिगं हो।

(इस समय कई माननीय सदस्य बोलने के लिये खड़े हुये)

Shri Baldev Tayal: Speaker Sahib, I want just two munutes. I will not take more than that.

Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Speaker Sahib, please give me one minute.

Mr. Speaker: All right. Shri Ram Lal Wadhwa may speak for one minute if he wants to bring any fresh point, but may not make any repetition.

चौधरी राम लाल वधवा (करनाल): स्पीकर साहब, सारे फैक्टस तो हाउस के सामने है। मैं तो आपके द्वारा दो बातें सदनर के ध्यान में लाना चाहूंगा। एक बात तो यह है कि सारा हाउस लीडर आफ दि हाउस सेअपील कर चुका हे कि सजा बहुत ज्यादा है। मैं उसको फैक्टस में जाये बगैर दोहरा देता हूं और लीडर आफ दि हाउस से यह कहना चाहता हूं कि एक मैंबर द्वारा जो बात हूई है, उसको सबने महसूस किया है। डाक्टर साहब ने भी माफी मांगी थी और दुसरे मैंबरों ने भी यह कहा था कि अगर ऐसा हो गया हे तो उसे क्षमा कर दिया जाए। इसके साथ ही इसके दूसरे पहलू भी है जो देखने लायक है। इस बारे

में रूल 104 हे जो कि विदड्राल आफ मेंबर से सम्बन्धित हैं मैं इसे पढूंगा तो टाईम लगेगा।

श्री अध्यक्षः इस बारे में तो बाबू जी कह चूके है।

चौधरी राम लाल वधवाः मैं इसे नहीं पढ़ता। इसलिये मै यह कह रहा हूं कि इसमें दो बातें और है। एक तो यह कि स्पीकर को यह पावर्ज है कि वह सै ान के दौरान आर्डीनरी कोर्स में अगर समझता है कि किसी सदस्य का आचरण ठीक नहीं है तो उसे उसी दिन के लिये सस्पैंड कर सकता है। अगर वह उससे ज्यादा सजा देना चाहता है यानि लोंगर पीरियड के लिये सस्पैंड करना चाहता है तो रूल 104 में दो बातें लिखी है जो उसे फालेा करनी पड़ेगी। डिप्टी स्पीकर साहब ने उनको नेम किया, दूसरे मैंबर्ज ने उनको परसुएड किया और वे हाउस से बाहर चले गये। जब वे हाउस से चले गये तो हाउस में.....

Mr. Speaker: Now please wind up.

चौधरी राम लाल वधवाः सिर्फ एक चीज मै ंऔर कहना चाहता हूं जो रह गई है। प्रैक्टिस एण्ड प्रोसीजर आफ पार्लियामेंट, वालयूम वन के अन्दर पेज 240 पर यह दिया हुआ है कि सडनली प्रिविलेज मो ान मूव करने के लिये इजाजत दी जा सकती हैं इस परपज के लिये हमारे यहां भी रूल 265 है। इके बारे में भी कुछ एक्सैप्टिड कन्वैं ान्ज और रूल्ज बने हुये है जो फालों करने पड़ते है।

श्री अध्यक्षः इसमें प्रिविलेज मो ान की बात कहां है?

Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Misconduct comes under the motion of privilege, Sir. There is no other rule at all in the Rules of Procedure and Conduct of Business for this privilege includes misconduct. और आपने रूल 265 के नीचे इजाजत दी है। यही चीज मैं अर्ज करना चाहता हूं । रूल 265 के अन्डर यह इजाजत देनी पड़ती है और कोई प्रोवीजन ही नहीं है जिसके तहत यह मो ान मूव कर सकते है। प्रिविलेज के अन्दर ही यह मूव हुआ है। 265 रूल के अन्दर सडनली अगर कोई ऐसा मौका अराईज होता है तो स्पीकर साहब, आप बिना नोटिस के उसे अलाउ कर सकते है। बिना नोटिस के उन्होने मो ान मूव किया और आपने उसको अलाउ कर दिया। अब कोई भी मो ान जब किसी भी मैंबर के खिलाफ आता है तो उसमें दो बातें फालो करनी पड़ती है। चाहे वह मिस्कंडक्ट का हो, चाहे वह ब्रीच आफ प्रिविलेज का हो, मैंबर्ज के खिलाफ जब भी कोई मो ान मूव होगा तो दो चीजें लाजमी तोर पर फालों की जाएगी। यह बात हाउस के और आपके देखने की है क्योकि हाउस के मैंबर्ज के राईटस इन्जर हो गये है। उसमें यह बात है। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: There is no question of any privilege in this motion. It is a question of maintaining order in the House. It is under rule 104 and not under any other rule.

चौधरी राम लाल वधवाः रूल 104 में जो प्रोवीजन है उसी को तो सस्पैंड करके मो ान मूव किया गया है।

Mr. Speaker: It is under rule 104. Please sit down. (Interruptions)

चौधरी राम लाल वधवा: रूल 104 के तहत तो यह मूव ही नहीं हो सकता। (व्यवधान एवं भाोर)

Mr. Speaker: Please sit down.

(11.00 बजे)

चौधरी राम लाल वधवा: आप मेरी बात तो सुन लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आपने एक मिनट का टाईम मांगा था।

चौधरी राम लाल वधवा: मैं सिर्फ एक फिका कहनाचाहता हूं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: श्री बलदेव तायल, आप बोलें।

Shri Baldev Tayal (Hansi): Mr. Speaker, Sir, I do not have to say any thing as far as the legal aspect of this case is concerned.

I have only to submit, Mr. Speaker, that this punishment is not only to Mr. Pohloo but it is a punishment to the whole constituency which is represented by him. By the suspension of the hon. Member from the service of the House for the Budget Session, we are eliminating that constituency totally and it goes unrepresented on the floor of the House. I, therefore, again request the Hon. Chief Minister as Leader of

the whole House that he should consider this aspect of the situation and should not allow the people of that area to go unrepresented in the House at such a time, ie.e during Budge Session. While drawing the attention of the Leader of the House, through you, sir, I submit that let this session be not a session of suspensions and expulsions. Let him be reasonable and fair, let him be democratic. Let him rise to the occasion; let him reconsider the matter; let him be generous and benevolent, and let him allow the re-entry of the Hon. Member, Mr. Pohloo.

श्री सुरेन्द्र सिंह (तो ाम): स्पीकर साहब, जिस रोज चौधरी जगजीत सिंह पोहलू को सस्पैंड किया था, उस रोज अपोजी ान की तरफ से बार–2 यह बात आई थी कि सस्पैं ान की मो ान जिस वक्त मूव हुई उस वक्त चौधरी जगजीत सिंह पोहलू हाउस में नहीं थे और ट्रैजरी बेन्चिज की तरफ से यह कहा गया था कि वे मौजूद थे। जहां तक मेरा ख्याल हौ कि मिनिस्टर साहब ने भी ऐसा ही फरमाया था। आपने हाउस को यह आ वासन दिया था कि रिकार्ड चैक करके बताउंगा कि वास्तव में श्री पोहलू सदन में उपस्थित थे या नही थे। क्योकिं लीगल आस्पैक्ट यह था कि कोई भी मेंबर पहली बार सिर्फ एक दिन के लिये सस्पैंड किया जाता है। दूसरी बार अगर कोई मैंबर मिसकंडक्ट करे तो लौंगर सिटिंग के लिये सस्पैंड किया जा सकता है। स्पीकर साहब, मै आपसे यह जानना चाहता हूं कि आपने रिकार्ड के मुताबिक क्या फैसला किया? आया वह उस वक्त

सदन में मौजूदथे, जिस वक्त उनकी सस्पैं ान का मो ान मूव हूआ था।

Mr. Speaker: As far as I am concerned, the House is supreme and its decision is final and binding. The rules and regulations are made by the House and the House is Supreme. I am grateful and I amust congratulate Mr. Baldev Tayal on the excellent appeal that he has made to the Leader of the House.

चौधरी रिजक राम (राई): स्पीकर साहब, वैसे तो मुख्य मंत्री महोदय नर्म दिल के है, इसमें कोइ भाक वाली बात नहीं है और पार्टी के डिस्पिलिन वाली बात ज्यादा कंसिडर नहीं कि जायेगी। फैसला वही होगा जो मुख्य मंत्री महोदय करेगें। दो–तीन दिन पहले मैंने भी अपील की थी। स्पीकर साहब, जब चोधरी भजन लाल मुख्य मंत्री बने थे तो श्री जय प्रका ा नारायण से आ ीिवाद लेकर आए थे। उन्होने डकैत, जिनके खिलाफ कत्ल और डकैती के केसिज थे, जिनको लाईफ इम्प्रिजनमैंट होनी थी और फांसी होनी थी उनकी भी सजा माफ करवा दी थी। मैं मुख्य मंत्री जी से भी यही उम्मीद करता हूं कि वे फराखदिली का सबूत दें। मैं एक छोटी सी बात और कहना चाहता हूं कि सिवाए श्री बलदेव तायल को छोड़कर दूसरे सदस्यों ने जो बहस की थी वह इनको सख्त करने के लिये की थी।

श्री अध्यक्ष: आपभी अनी तरफ से आ वासन दे दो।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, कुछ माननीय सदस्यों ने श्री जगजीत सिंह पोहलू के बारे में कहा कि उन्हें हाउस में वापिस आने देना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, मुझे श्री पोहलू के उस दिन के कंडक्ट के बारे में बताते हुये खेद होता है। अध्यक्ष महोदय, आप उस दिन हाउस में मौजूद नहीं थे। अगर आप देखते तो खुद महसूस करते कि आज तक इतिहास में जब से हरियाणा की विधान सभा बनी हे तब से ऐसी घटना नहीं देखी। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, एक मैंबर टेबल के उपर खड़े होकर नाचे ओर गवर्नर का ऐड्रेस यूं हिलायें और फाड़ने की कोि ा ा करें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: जब आप लेाग बोल रहे थे तो मैने इधर के लोगों को स्ट्रिक्टली चैक किया था इसलिये अब ये बोल रहे है तो आपको भाांति से सुनना चाहिये।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, जब भी ये अपोजी ान वाले बोलते है तो मैं बीच में कभी नहीं बोलता। जितना मर्जी हो ये लोग बोल लें लेकिन मैं बीच में नहीं टोकता। अब इनको सुनना चाहिये। स्पीकर साहब, हमने हाउस की गरिमा को, हाउस की मर्यादा को कायम रखने के लिय अपनी पार्टी के मैंबर के खिलाफ इसकिस्म का एक ान लिया जिससे हाउस की गरिमा बनी रहे, हाउस में अनु ाासन रहें वह आज भी हमारी पार्टी के मैंबर हे चाहे ये लोग आज यहां पर उनकी वकालत करते है। मैं इनसे भी अपील करता हूं कि इन्हें कम से कम हाउस की

गरिमा को बनाये रखने में मदद करनी चाहिये। मैं श्री बलदेव तायल की बेहद इज्जत करता हूं, मैं चौधरी रिजक राम की भी इज्जत करता हूं। लेकिन लौबी में बैठकर श्री पोहलू जिस किस्म की बातें करते है उस पर मुझे बहुत आपत्ति है। कुछ मैंबर्ज ने उनको गाली देते हुयें सुना है। वे एक–एक क्विंटल की गाली देते है। अध्यक्ष महोदय, ऐसे मैंबर को आने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिये।

चौधरी राम लाल वधवा: आन ए प्वांयट आफ आर्डर।स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। जिस मैंबर को हाउस से निकाल जाए उसके बारे में कौल एंड भाकधर (वालयूम 1) की पुस्तक के पेज 243 पर लिखा है–

"When a complaint against a member is brought before the House, it is essential that the member concerned should be present in the House; in case he is not presen, the making of the complaint is deferred until the following sitting. Where the member complained against is present in the House when jthe complaint is made, he is heared in explanation and then directed to withdraw from the House by the Speaker."

so, there are two conditions that come out of this.....

Mr. Speaker: I reserve my ruling. I will check up the Rules and let you know.

प्र न है–

कि 11 मार्च, 1981 को श्री जगजीत सिंह पोहलू, एम0एल0ए0 को सस्पैंड करने के लिय हाउस द्वारा पास किए गए आर्डर को विदड्रा कर लिया जाए और उसे हाउस की प्रोसिडिग्जं में पार्टीसिपेट करने के लिये अलाउ किया जाए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः हम डिविजन चाहते है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः हम डिविजन चाहते है।

After ascertaining the votes of the Members by voices Mr. Speaker announced that "Noes" have it. This opinion was challenged and division was claimed. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for "Aye" and those who were for "No" respectively to rise in their places and on a count having been taken declared that the motion was lost.

The motion was lost.

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैंबर्ज अब बजट पर जनरल डिस्क ान होगी(ाोर एवं व्यवधान)

वाक आउट

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने उस दिन टैम्पर कूल डाउन करने की बात कही थी ओर साथ कहा था कि आप सब मेरे चैम्बर में आइये, मैं इस मामले को सुलझाउंगा। लेकिन (ाोर) हम इनके एडामेंट ऐटीच्यूड के खिलाफ सदन से वाक आउट करते है।

श्री अध्यक्षः जो डाक्टर साहब ने कहा है, वह मैने कहा था। मैं यह बात दिल से कह सकता हूं कि मैनें दिल से इस बात की कोि ा ा की है। But the decision of the House if final and binding because it is supreme.

आवाजें: स्पीकर साहब, हम डिविजन मांग रहे थे, उस दिन इनके 50 आदमी नहीं थे । (ाोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, उस दिन यह मो ान कैरी हो जाती, अगर कांउटिग हो जाती है। (ाोर एवं व्यवधान) इसी लिये तो हम डिविजन की मांग कर रहे थे क्योकिं ये मुि कल से उस दिन 22 आदमी ही हाउस में थे। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय विरोधी पक्ष के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

वर्श 1981–82 के बजट पर सामान्य चर्चा

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, अब वर्श 1981–82 के बजट पर जनरल डिस्क ान होगी।

परिवहन मंत्री (श्री जगननाथ): स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। बाबू मूलचन्द जैन मेरे पडोस में रहते है। कल मैंने उन से पूछा था कि बाबू जी क्या आप सुबह सैर करने

के लिये जाते है? इन्होनें कहा कि क्या जरूरत है? वाक आउट में ही सैर पूरी हो जाती है। (हंसी एवं व्यवधान)

(इस समय उपाध्यक्ष पदासीन हुये)

श्री मूलचन्द जैन(सम्भालखा): डिप्टी स्पीकर साहब, 1981–82 का जो बजट इस हाउस में पे ा हुआ है उस पर डिस्क ान भ्ाुरू हुई है। वैसे तो यह आये साल की एक रस्म है लेकिन यह एक बडा महत्वपूर्ण काम है जोकि सरकार इस हाउस में भी और सारी स्टेट के लिये भी अपना लेखा जोखा पे ा करती है। यह जो बजट के लिये इतने बडे बडे रजिस्टर, दस्तावेज है, यह तो वास्तव में एक तरह का बण्डल सा हो जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं दो बार फाइनैंस मिनिस्टर रहा हूं लेकिन मेरे लिये भी इन दिये गये आंकडो को समझना मु ि कल हैं मैं भी सरकार द्वारा दिये गये आकंडों से ऐसी बातें नही निकाल सकता जिनको एक साधारण आदमी समझ सके। डिप्टी स्पीकर साहब, फिर भी में कोि ा ा करूंगा कि सादे से सादे भाब्दों में इस बजट के बारे में अपनी नुक्ताचीनी और सुझाव हाउस के सामने रखूं। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट से कुछेक बातों का जरूर अन्प्दाजा होना चाहिये कि आया इस बजट से जो प्रान्त की समस्यांए है, क्या सरकार ने उन समस्याओं को समझने की कोि ा ा की है? इन बातों का बजट से ही पता लगाना होता है। दूसरी बात यह है कि आया सरकार ने इन समस्याओं के द्वारा जो दूसरी समस्याएं पैदा हुई है, उनके कारणों का इलाज क्या है,

आया सरकार ने उस इलाज को ढुंढ लिया है कि नहीं और क्या इस बजट में इन बातों के हल के लिये कोई इ ाारा किया गया है कि नहीं और साथ ही यह देखना है कि अगर सरकार ने इसका इलाज ढूंढ लिया है तो पिछले साल उस इलाज पर कया अमल किया हे और आगे के लिये सरकार क्या सुझाव देगी (विघन) तो मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां तक आकंडों का सम्बन्ध है, पिछली इन समस्याओं के साथ और भी कई समस्यांए सम्बन्धित है जैसे मिसाल के तौर पर सरकारी म ाीनरी की ही बात ले लीजियेगा। आया ये सरकारी कर्मचारियों, चीफ सैकेटरी से लेकर चपड़ासी तक के साथ अच्छा सलूक कर रहे है? क्या वे संतुश्ट है? जिस से जो बडी योजनाएं है या प्रोग्राम्ज है, उन पर अमल हो सके। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आर्डर, आर्डर प्लीज।

श्री मूलचन्द जैनः तो डिप्टी स्पीकर साहब, जो समस्यांए है, मैं उन की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। मैं कुछ आकंडे हाउस के सामने पे ा करना चाहता हूं और फाईनैंस मिनिस्टर साहब से आपके माध्यम से यह प्रार्थना करूंगा कि वे अपना जवाब देते समय खास तोर पर इन बातों का ध्यान रखे। डिप्टी स्पीकर साहब, एक बात तो इस बजट से जाहिर है ओर चूंकि इन्होने अपने बजट में गर्वनर एड्रेस के माध्यम से भी और बजट के भाशण से भी एक बात क्लेम की है कि हमने यह कर दिया है, वह कर दिया हे, यह करने वाले है, लेकिन डिप्टी स्पीकर

साहब, उन्होनें एक बात तो खुद मानी है कि 78–79 में फी–कस आमदनी 536 रूपये है और इससे अगले साल जब वे पावर में आये 1979–80 में स्टेट की फी–कस आमदनी 536 रूपये से घटकर 500 रूपये रह गयी। बजाये इसके कि स्टेट की आमदनी बढे, आमदनी घटी है और इससे साफ जाहिर है कि इन्होने किस हद तक तरक्की की है ओर किस हद तक इनकी योजनाए ंसफल होगी। इसके साथ–2, डिप्टी स्पीकर साहब, मै ंयह कहना चाहूंगा कि इन्होने प्लान में 1981–82 में 290 करोड़ रूपये का खर्चा दिया है और नान प्लान में 330 करोड़ रूपये का खर्चा दिया हैं डिप्टी स्पीकर साहब, अगर इन दोनो रकमों को मिलाया जाये तो टोटल 620 करोड रूपये बनता है लेकिन इसके मुकाबिले में जो फिगर्ज बजट स्पीच के पेज 27 पर दी गई है अगर उनको देखा जाऐ तो कुल खर्च 600 करोड़ रूपये बनता है। मैं दस–बीस लाख इधर उधर को छोडता हूं और राउंड फिगर बता रहा हूं। एक तरु तो ये 290 करोड़ रूपये प्लान का खर्चा और 330 करोड रूपये का नान प्लाना का खर्चा बता रहे है जो कुल मिला कर 620 करोड रूपये बनता है लेकिन जे पेज 27 पर डिटेल दी हुई है कि किस किस मद से कितनी आमदनी और खर्चा हुआ है उसका टोटल केवल 600करोड रूपये बनता है। तो मेरा कहना यह है कि जो 20 करोड़ रूपये को छिपाने की कोि ा ा की है। मैंने इस बारे में काफी कोि ा की लेकिन मैं तो समझ नहीं सका कि यह 20 करोड़ रूपये का अन्तर कहां है? ये मुझे कल कह रहे थे कि मैं लोकदल में कैसे फंस गया? मूझे तेा ऐसा मालूम होता है कि ये

मियां साहब भी इस फाइनैंस मिनिस्टरी के काम में कैसे फंस गये? बहरहाल मैं इनको मुबारिकबाद दूंगा अगर ये इन बातों को ऐक्सप्लेन करें। एक बात और बताना चाहता हूं कि एक तरफ जहां 600 करोड़ रूपये प्लान और नान प्लान का खर्चा है और दूसरी तरु कंसोलिडैटिड फंड में से 630 करोड रूपये निकले जो कुल मिला कर 1200–1300 करोड़ रूपये का खर्चा हो जाता है। यह इन्होने इसमें ऐक्सप्लेन नहरीं किया। इनका जो प्लान ऐक्सपैंडिचर है वह तो लगभग ठीक है। उसमें तो केवल 3–4 करोड रूपये का फर्क है। (विघन) लेकिन नान प्लान ऐक्सपैंडिचर में जो इतना जयादा फर्क है वह कैसे हो गया? इसको इस बजट भाशण में मैं ान नहीं कियागया। जब मैं आकंडों की बात कर रहा हूं तो एक बात में ओर कहना चाहता हूं जो मैने खास तौर पर नोट की है। जो साल अब 31 मार्च को खत्म होगा इस साल का प्लान ऐक्सपैंडिचर तो थोडा सा बढ़ा हैं यानि जब तायल साहब फाइनैंस मिनिस्टर थे जितना भुरू में उन्होने रखा था उससे थोड़ा सा बढा है लेकिन नान प्लान ऐक्सपैंडिचर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। यह 10, 20 या 50 करोड़ रूपये नही बढ़ा बल्कि सैंकड़ो करोड़ रूपये बढा है। मैं यह समझता हूं कि यह इस बात का संकेत हे कि जैसे हमारे चीफ मिनिस्टर साहब की आदत है कि इधर गये तो एक पत्थर रख दिया और दूसरी जगह गये तो वहां भी पत्थर रख दिया। (विघन) जगननाथ जी फिर कूद रहे हैं भाायद इनके यहां भी कोई पतथर रख दिया होगा। (विघ्न) आंकडो से जो चीज जाहिर हो रही है उससे ऐसा मालूम हो रहा है कि इन्होने

अन्धा–धुन्ध खर्च किया। प्लान में तो यह खर्च आ नहीं सकता था इसिलये नान प्लान ऐक्सपैंडिचर करते गये। जिसका नतीजा यह है कि आकंडों से जो चीजें जाहिर होती है वह मैने हाउस के सामने रखी है। मैं चाहूंगा कि फाइनैंस मिनिसटर साहब कृपया इनको एक्प्लेन करने की कोि ा ा करें और जो 20 करोड रूपये का घाटा दिखाया गया है उसकी भी वयाख्या करें। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि जो अभी साल खत्म होने जा रहा है इसके बारे में इन्होनें कहा है कि हमारा नान प्लान का खर्चा बहुत बढ गया है उसकी भी व्याख्या करें। मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि जो अभी साल खत्म होने जा रहा है इसके बारे में इन्होनें कहा है कि हमारा नानप्लान का खर्चा बहुत बढ़ गया । क्यों बढ गया? इसका खुद जवाब देते है कि इस साल हमने सरकारी कर्मचारियों की तनखाहें बढा दी, भत्ते बढा दिये और सहूलियतें दे दी। आप देखें कि अगले साल का यानी 1981–82 का जो बजट हमारे सामने है उसमें कितना खर्चा करेगें? ये कहते है कि इस साल पिछले साल से 70 लाख रूपये कम है। मुझे कुदरती तोर खु ाी है कि इन्होनें खुद ही कबूल किया कि 1980–81 के नान प्लान के खर्चे में ज्यादा खर्च हो गया था। लेकिन 1981–82 में भी तकरीबन उतना ही खर्चा कयों है? केवल 70 लाख रूपये की कमी है। इसका कोई जवाब नहीं देते। कहते है यह तो नार्मल खर्च हैं। देखने की बात यह है कि 1980–81 में इतना नान प्लान का ऐसपैंडिचर हो और 1981–82 में भी सिर्फ 70 लाख रूपये छोड़ कर उतना ही खर्चा हो उसे ये कह रहे है कि नार्मल खर्च

है। यह बिल्कुल गलत बात है। नान प्लान खर्चे के जो माचने है, यह बजट को ठीक तरीक`से नहीं बना रहे हैं इसके मुकाबिले में एक और चीज खास तौर पर नोटिस में आई है। इन्होने प्लान ऐक्सपैंडिचर में यानि अगले साल प्लान की योजना पर जो खर्चा है, वह 290 करोड़ पये बताया है और इधर नान प्लान के ऐक्सपैंडिचर को कम करने की कोि ा ा की गई है। एक कम्यूनिटी डिवैल्पमेंट का आइटम है उसमें 11.67 करोड़ यानि 12 करोड़ रूपये के करीब जो पहले नान प्लान एक्सपैंडिचर में गिना जाता था अब उसे पलान की तरफ से लगये। अगर पिछले साल के अकांउट रखे जाऐ तो 290 करोड़ रूपये बजाये 278 करोड़ रूपये रह जाते है। तो 253 करोड़ रूपये तो पिछले साल भी थे। डिप्टी स्पीकर साहब, इनफले ान जो है यह इन्होने खुद अपने बलट भाशण में माना है कि जून 1980 तक 23 प्रति ात था उसके बाद 15.4 प्रति ात था। तो अगर 16–17 प्रति ात एवरेज निकाल कर भी इनफले ान माना जाए तो जितनी बढोतरी 1979–80 के मुकाबिले में 1980–81 में दिखाई है और फिर जितनी बढोतरी इनहोने 1981–82 के ऐस्टीमेंटस में बनाई है वह सारी की सारी बढोतरी इनुले ान में आ जाती है। ये बार–बार दुहाई देते है कि हमने यह कर दिया, वह कर दिया या वह करेंगें, कोई भी खर्चा होगा लेकिन जो 1979–80 का लैवल था। उससे फालतू अगर इनफले ान को निकाल दे ंतो बिल्कुल भी यह बजट से जाहिर नहीं होता। ये आंकडों की बाते है। अब मैं कुछ समस्याओं के बारे में जिक करना चाहता हूं। जैसे हमारी सब से

पहली समस्या अन–एम्पलायमेंट की है। मुझे एक बात की खु ाी है कि पिछले साल के मुकाबिले में खुर ाीद भाई ने समस्याओं को कुछ आइडेंटिफाई करने की कोि ा ा की। गुरबत का जिक्र किया और अन–एम्पलाएमेंट का जिक्र किया। लेकिन गुरबत हमारे दे ा में क्यों पैदा होती है, बेरोजगारी क्यों पैदा होती है, इसका इन्होने बिल्कुल जिक्र नहीं किया। जब किसी डाक्टर को यही पता न हो कि मर्ज क्या है या उस मर्ज का कारण क्या है तो वह उस का इलाज क्या बातएगा? तो इन्होनें यह नहीं बताया कि हमारे दे ा में गरीबी क्यों है, बेरोजगारी क्यों है और भ्रश्टाचार क्यों है? हमारे दे ा में गरीबी और अमीरी का इतना फर्क है जो बढता चला गया। यह क्यों है? मैं समझता हूं कि हमारे दे ा में ये सारी समस्यांए बजट का हिस्सा होनी चाहिये और उसकी तरफ ध्यान देना चाहिये जैसे मैने कहा कि समस्याओं की तरफ तो इन्होंने ध्यान दिया, लेकिन अब बेरोजगारी की बात है। यह हकीकत है कि बेरोजगारी हमारे दे ा में इसलिये है कि इस देश में गांधी जी ने अपने जीवन में जो नेतिक और आर्थिक नीति लोगों के सामने रखी, इस देश के हाकमों मे जो प्राईम मिनिस्टर आये या दूसरे मंत्री आये उन्होने गांधी जी की उस नीति को छोड़ दिया।

(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य, चौधरी हर स्वरूप बूरा पदासीन हूये)

गांधी जी की नीति साफ थी और वह नीति यह थी कि जिस वस्तु का छोटी दस्तकारी के जरियें या छोटी छोटी म ाीनों

के जरिये उत्पादन किया जा सकता है, उस वस्तु का उत्पादन बडे कारखानों के द्वारा न किया जाये। मुझे इस बात का अफसोस है कि जनवरी, 1948 में गांधी जी को एक हत्यारे ने मार दियां जनवरी, 1948 से पहले गांधी जी ने उस जमाने के प्राईम मिनिस्टर पंडित जवाहर लाल नेहरू को लिखा। उस जमाने से लेकर इतने अरसे तक उस पालिसी पर अमल नहीं हुआ। समझा यह गया होगा कि बड़े–2 कारखाने लगायें और बडे बडे कारखाने लगने से धन पैदा होगा, दे ा माला माल होगा और वह छन छन कर गरीबों तक पहुंच जायेगा। लेकिन चेयरमैन साहब नतीजा यह हुआ कि बेरोजगारी बढती चली गई। जो लोग छोटे छोटे धन्धों से काम करते थे वे लोगो बेकार होते चले गये क्योकि बडी म ीनों ने उनकी जगह ले ली। जुलाहा जितना कपडा सौ मजदूर लगा कर पैदा करता था आज छोटी सी म ीन उतना कपडा पैदा करती है।इसका नतीजा यह हुआ कि वह जुलाहा बेकार हेा गया। तो जब तक सरकार उस पालिसी को नहीं अपनायेगी तब तक बेरोजगारी दूर नहीं हो सकती। इसके मायने यह नहीं है कि सब बडे कारखाने बन्द हो जाएं मैं खास तौर पर कहना चाहता हूं कि इसके मायने यह है कि जो जो वस्तु जो जो चीजें उपभोक्ताओं के लिये छोटी म ीनों से या दस्तकारी से घरों में हमारी मां, बहिनें, बेटियों और बच्चे पैदा कर सकते हैख उनको बडे कराखानों में न बनने दिया जाए। जापान में भी छोटी छोटी म ीनों के जरिये यही होता हैं जब तक आप इस नीति को नहीं अपनायेगें तब तक बेरोजगारी बढती ही जायेगी ओर बेरोजगारी

का दूसरा नाम है' गरीबी'। चेयरमैन साहब, जैसा कि मैने पहले कहा ओर बजट भाशण मे वित्त मंत्री ने इस बात को स्वीकार किया है कि हमारे प्रानत मे ही नही बल्कि सारे प्रान्तों में , वीकर सैक ान में ही जयादातर बेराजगारी बढ़ रही है। इसका इलाज क्या है? आज सारे देश में बोरोजगारी के परनाले गिर रहे है लेकिन सरकार इसका क्या इलाज कर रही है, कुछ नहीं कर रही, बजट में एक लफज भी नहीं दिखाई देता। जैसे झाडू से गंदगी को इधर–उधर कर देते है उसी प्रकार बेरोजगारी को साफ करने की कोि ा ा करते है। यह कालोनियल पालिसी है जैसे कुरडी को साफ करते है उस ढंग से बेरोजगारी को साफ करते है । क्या इस तरह से देहातों का विकास हो जायेगा? इस वक्त इनकी नीति है कि 50 हरिजनों को कर्जा दे दो, क्या 50 हरिजनों का कर्जा देने से बेरोजगारी की समस्या हल हो जायेगी? नहीं हो सकती। इस समस्या को हल करने का सरकार ने क्या तरीका अपनाया है? जहां तक हरिजनों की समस्याओं का ताल्लूक है, सब की समस्याएं मिलती जुलती है। इस समस्या का हल इन्होने यह बताया है कि आये साल फी ब्लाक में 600 हरिजन परिवारों को गरीबी की रेखा से उपर उठाया जाएगा। दूसरा तरीका यह बताया है कि साहब, हमने मुख्तलिफ जगहो ंपर रोजगार दिलाउ दफतर चार या छः जगहों पर खोल दिये है। गोया कि फाईनो।स मिनिसटर साहब समझते है कि जितने रोजगार–दिलाउ –दफतर नाम रजिस्टर करवाने के लिये है उन में चार या छ दफतर और बढा देने से हरियाणा मं बेरोजगारी की समस्या हल हो जाएगी। इनका यह

ख्याल है कि और इस बात को ये क्लेम भी करते हैं कि हमने इतने दफतर और खोल दिये है। चेयरमैन साहब, फाइनैंस मिनिस्टर साहब ने ऐन्टी पावर्टी प्रोग्राम के तहत एक मेजर स्कीम बताई है कि 600 परिवारों पर 6 लाख रूपया फी बलाक, पर–इयर इस साल खर्च किया जाएगा। पिछले साल 5 लाख रूपया किया था और इस साल के बजट में 6 लाख फी ब्लाक कर दिया है और समझते हे कि 6 लाख रूपया फी ब्लाक दे देने से 600 परिवार गरीबी रेखा से उपर उठ जायेगें। एक परिवार पर 1000 रूपया खर्च करके रूलिंग पार्टी समझती है कि 600 परिवार गरीबी की रेखा से उपर उठ जायेगें, क्या इस तरह से गरीबी दूर हो सकती है? इन्होने इस बात का क्लेम किया है कि 1000 रूपया फी परिवार देने से गरीबी दूर होजायेगी। यह इनका रोजगार दिलाने का प्रोग्राम है और दूसरा प्रोग्राम यह है कि रोजगार दिलाउ दफतर खोल देगें। खुर ाीद भाई इस बात का क्लेम भी करते है कि नई तहसीलें बना दी है, सब–डिवीजन खोल दिये है, क्या तहसीले बढाने और सब–डिवीजन बढाने से बेरोजगारी का मसला हल हो जायेयगा? लेकिन खुर ाीद भाई समझते है कि समस्या हल हो जायेगी। चेयरमैन साहब, परमात्मा ने मुझे जितनी भाक्ति दी है, वह सारी भाक्ति लगाकर मैं सरकारसे कहना चाहता हूं कि जिस नीति के आधार पर आप यह दावा करते है कि बेरोजगारी दूर हो जाएगी ,इससे बेरोजगारी दूर नहीं होगी। आज हर एक गांव में दो–दो सौ, चार–चार सौ पढे लिखे बी0ए0, एम.ए0, बेरोजगार फिर रहे है कयोंकि ि ाक्षा बढ़ रही है। आज की

ि ाक्षा प्रणाली पढे लिखे बेरोजगार नौजवानों को पैदा करने की एक म ाीन बन गई है। आज क्वै चन आवर में नैतिक ि ाक्षा देने के बारे में डिस्क ान हो रही थी, यह नैतिक ि ाक्षा देना तो एक पहलू है। चेयरमैन साहिब, मैने पिछले दिनों कहा था कि राश्ट्रपति से लेकर नीचे तक आज कोई लीडर ऐसा नहीं है जो हमारी ि ाक्षा प्रणाती को जो नाकस है, निकम्मी है, ठीक करने के लिये कदम उठाये। कोई भी आदमी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा। आज बेरोजगारी की समस्या, एक परिवार की नहीं, 10 परिवार की नहीं, 100 परिवार की नहीं बल्कि लाखों परिवारों को एक घुन की तरह खा रही है और सरकार उस कबूतर की तरह रेत में सिर रख कर बैठी है जो यह सोच रहा है कि बिल्ली नहीं है। अगर इस तरह से आखें मूंद कर सरकार बैठी रही तो सरकारसारे समाज को गरीब करने के लिय जिम्मेदार होगी क्योंकि इस समस्या को सुलझाने की जिमेदारी सरकार की है। जहां तक हरिजनों की समस्याओं का ताल्लूक है, सरकार हरिजनो के लिये, बैकवर्ड क्लासिज के लिय मगरमच्छ के आंसू बहाती हैं ।चेयरमैन साहब, मेरे पास भाब्द नहीं है, का भाब्छ इस्तेमाल कंरू, तकरीबन एक साल से गवर्नमेंट कह रही है कि बैकवर्ड क्लसिज के लिये निगम बनेगा। ठीक है, वह निगम भी बन गया, लेकिन चेयरमैन साहब, आज तक एक फूटी कोड़ी भी इस निगम के द्वारा किसी हरिजन को नही ंदी गई और अगर दी गई है तो मुझे बता दें। मैं यह बात फाईनैंस मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं अगर किसी हरिजन को पैसा दिया है तो मुझे बतायें। चेयरमैन साहब, इन्होनें

इस बात का दावा किया है कि सरकार विमुक्त जाजियों के लिये कुछ करेगी और जातियां बताई है कुल 26 और 26 जातियों में से 19 जातियों पहले ही हरिजन और बैकवर्ड क्लसिज में भाामिल कर रखी है। अब बाकी रह गई है केवल 7 जातियां ।इन 7 जातियों को भी बैकवर्ड क्लास में भाामिल कर देगें लेकिन ये 7 जातियां कौन कौन सी जातियां है, यह वित्त मंत्री महोदय ने नहीं बताया। इन जातियों के लिये सरकारक्या करेगी, यह नहीं बताया । ये कहते है कि इनके लिये 30 लाख रूपया रखा है और यह 30 लाख रूपया बजट में से नहीं निकाला गया, यह रूपया हरिजन कल्याण निगम के फण्डज मे से निकाल कर विमुक्त जातियों पर खर्च करेगें। अगर बजट में से निकाल कर देते तो बात कुछ और थी। अब आप हरिजन कल्याण निगम की बात सुन लें। मैने यह बात गवर्नर ऐड्रेस पर भी कही थी और अब फिर कह रहा हूं। 1979–80 की जो सरकार ने फिगर दी है, उसके मुताबिक 3.21 लाख हरिजन परिवार गरीबी की रेखा से नीचे है। अगर आज डैटा इक्टठा किया जाए तो जयादा है लेकिन 1979–80 में 3 लाख 21 हजार हरिजन परिवार ऐसे है जो गरीबी की रेखा से नीचे है। हरिजन कल्याण निगम इन परिवरों में से 10000 हरिजनों को अपना काम–धंधा खोलने के लिये हर साल कर्जा देगी। अगर एक साल में 10 हजार परिवारों को कर्जा देगी तो 10 सालों में 1 लाख परिवारों को लाभ होगा, 20 सालों मे दो लाख को होगा और इस तरह 3 लाख 21 हजार परिवारों को 32 साल कर्जा देने में लग जायेगे और वह भी तब अगर यह स्कीम 32 साल तक

चलती रही। यह हरियाणा के हरिजनों की बात है, सारे दे ा के हरिजनों का सवाल नहीं है और जो 32 वर्शो में नये हरिजन पैदा होगें उनका क्या होगा? हर साल दो या तीन परसैंट हरिजन आबादी बढ रही है और 32 सालों में जो नये परिवार दाखिल होगें अगर उन सबको ले लिया जाये तो 50 सालों में भी हरिजनों को उपर नही उठा पायेगें। गोया क्या सरकार समझती है कि 50 साल तक ये हरिकजन परिवार बैठे रहेंगें और इन्तजार करते रहेगें? गलत बात है, इसलिये सरकार की कर्जे देने की स्कीम बिल्कुल बेकार है। मध्यप्रदे ा वगैरा में जो घटनायें हुई है उनसे पता चलता है कि कानूनी व्यवस्था बिगड़ी हुई है। इसका कारण क्या है? आज पुराने किस्म के डाकू, पुराने किस्म के चोर–उचक्के नहीं है। जो पढे लिखे नौजवान है, जो जिन्दगी से निरा ा हो चुके है और बडे–2 पोलिटीि ायन्ज को देखकर, बड़े–2 अमीरों को देखकर अपने आपको छोटा या मजबुर समझते है और जब ये अपने आपको कंट्रोल में नहीं रख सकते तो ला एंड आर्डर को खराब करना भुरू कर देते है। ये विद्यार्थी आज इस प्रकार के हो गये है जिनके मन में दे ाके प्रति, हरियाणा के प्रति कोई प्रेम नहीं है। मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि पढे लिखे नौजवान, जो जिन्दगी से निरा ा हो गये है और ला एंड आर्डर को खराब करते है, सरकार इनकी तरफ से आंखें बन्द न करे, कोई न कोई इन्तजाम करे ताकि आगे आने वाले बहुत बडे खतरे से बचा जा सके।

चेयरमैनसाहब, हरिजनों के लिय सरकार ने क्या किया? कहते है कि चीफ सैक्रेटरी के नीचे एक कमेटी बनी है और इस कमेटी का काम यह होगा कि बजट में देहाती विकास के लिय जो खर्चा होता है उसमें से रूपया निकालकर देगी। कितना रूपया निकालेगी, केवल 36 करोड रूपया निकालेगी। यानि कमेटी 200 करोड के बजट में से केवल 36 करोड रूपया निकालेगी लेकिन किसी जगह पर भी यह नहीं बताया गयाकि यह रूपया इस–इस तरीके से हरिजनों की भलाई के लिये खर्च किया जायेगा। सिर्फ आंकडे दे दिये, और कुछ नही। 'फुड फार वर्क' का प्रोग्राम चलायाथा, हरिजनों के लिय चौपालें बनाने का प्रोगग्रम चलाया था, इसका कहीं जिक्र नहीं है। गवर्नर एड्रेस पर बोलते हुये मैनें इस बात का जिक्र किया है कि गर्वनर साहब ने जो अभिभाशण दिया उसमें भी इसका जिक्र था, उसके पिछले साल जो अभिभाशण दिया था उसमें भी जिक्र था लेकिन इस वर्श के अभिभाशण में कोई जिक्र नहीं हैं बजट में भी कोई जिक्र नहीं है। मैने सोचा कि भाायद बजट के किसी डाकुमेंट में जिक्र होगा या फाइनैंन्र ाल मैमोरैनडम में जिक्र होगा। ढूंढते–2 चेयरमैन साहब पता लगा कि खुर ीदभाई ने बहुत मेहरबानी करके 5 लाख रूपये हरिजन चौपालों के लिये रखे है। कहां दो करोड रूपये चौधरी देवी लाल जी के समय में चौपाल बनाने के लिय खर्च हुये, कंहा पिछले साल ये दो करोड रूपये से 25 लाख रूपये पर आ गए और इस साल 25 लाख से 5 लाख रूपये पर आ गये? क्यायही इनका हरिजनों से हमदर्दी का सबूत है? चेयरमैन साहब, यह इनकी सरकार का

हाल है जो गांधी जी के नाम पर वोट मांगती है और कहती फिरती है कि लोकदल वाले उनहें वोट भी डालने नहीं देते। (विघन) चेयरमैन साहब, ये कब तक इस तरीके से मुखतलिफ बिरादरियों को लडा कर राज करना चाहते है, ये कब तक गांव में बसने वाले और खेती करने वाले लोगों को लडा कर राज करना चाहते हे? मेरा पूर्ण वि वास है कि हरिजन भाई और बैकवर्ड भाई कतई तौर पर इस बात को समझ गये है। चेयरमैन साहब, ये पैसा अमीरों से लेकर और वोट गरीबों से लेकर राज करते हे लेकिन काम सब अमीरों के लिये करते है चेयरमैन साहब, इसबात का मेरे पास सबुत है। जो काला धन एक पैरेलल इकोनोमी की भाकल में हमारे दे ा में छाया हुआ है उस काले धन को कंट्रोल करने के लिये इनकी सरकार ने एक आर्डिनैंस जारी कियाहे और छूट दी है काले धन वालों को कि वे बैंकों में जाकर के बौंड ले लें। इन्होने यह भी कहा हे कि उस काले धन के उपर इन्कम टैक्स नहीं लगेगा और वे अगर बौंड किसी दूसरे के नाम ट्रांसफर कर दे ंतो गिफ्ट टैक्स नहीं लगेगा। (विघन) तो चेयरमैन साहब, मैं कहना चाहता हूं कि इस सरकार का झुकाव अमीर आदमियों, समाज विरोधी तत्वों जो काला धन रखने वाले है, की तरफ है। मैं बतौर वकील अगर पांच हजार महीना कमाता हूं ओर साल की 60 हजार यदि मेरी आदमनी है लेकिन टैक्स को छुपाने के लिये केवल इस या पन्द्रह हजार इन्कम में भाो करता हूं तो यह सरकार 45 हजार रूपये, टैक्स लेने की बजाय मुझे टैक्स छुपाने का ईनाम देती है। इस तरह की इनकी सरकार की नीति है।

एक आवाजः यह तो सैन्टर का मामला है।

श्री मूल चन्द जैनः अपनी सरकार की बात आप सुन लें। इस सरकार ने क्या किया? इस बजट में कहा है कि कंसाइनमेंट टैक्स लगायेंगे। (विघन) 50 करोड़ का घाटा ये कैसे पूरा करेगें? खुर ाीद भाई ने सोचा कि चुंकि इलैक ान आने वाले है इसलिये टैक्स न लगायाजाए। चौधरी रिजक राम जी ने भी कहा है कि अगले साल इलैक ान होगें, भाायद इस साल भी हो सकते हे लेकिन मैं इन्हे `बताना चाहता हूं कि इनके अन्दर पोलिटिकल बिल नहीं है, इरादा नहीं है, मजबूती नहीं है। ये अपनी जिममेवारी से बचे हैं जो जिम्मेवारी इन्हे निभानी चाहिये थी वह इन्होने नहीं निभाई। क्या किया इन्होनें? 50 करोड़ का घाटा सरकार के बजट में पिछले 14–15 वर्श से हमने कभी नहीं सुना। सन 67 से लेकर सन 80 तक हरियाणा में 50 करोड रूपये घाटे का बजट कभी पे ा नहीं हुआ। यह बहुत बडी बात है। इससे इंफले ान बढेगा। इस बात को छुपाने के लिये इन्होनें बडी होि ायारी की है? कहते है कि 12 करोड़ रूपये सरकारी कर्मचारियों की भर्ती कम करके बचायेगें। पांच करोड की बिजली बोर्ड और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में किफायतसारी करेंगें, 10 करोड ंरूपये स्माल सेविंग स्कीम के जरिये, हर ब्लाक में दस दस लाख रूपया इकट्ठा करके, जमा करेगें। मुझे खु ाी है कि ट्रिब्युन जैसे अखबार ने भी अपने ऐडिटोरियल में यह लिखा है कि It is a budget of hopes. यह आ ाओं का बजट है। इससे यह हो

जायेगा, वह हो जायेगा, यह एक वि ाफुल थींकिंग है। कोई भी अच्छा फाईनैंस मिनिस्टर इस तरीके से काम नहीं करता। वह तो फाईनैंस इकट्ठा करने की हिम्मत करता है, वह अपनी जिम्मेवारी का सबूत देता है, वह अपनी जिम्मेवारी से बचता नहीं। ये अपनी जिम्मेवारी से बचे है। इसलिये चेयरमेन साहब, इस तरीके से जो 30 करोड रूपये बचाने की बात है यह गलत बात है ओर गलत अन्दाजा हैं। इनहोने कहा कि साहब एक कन्साइनमेंट टैक्स लगायेगें। क्या है वह टैक्स? चेयरमैन साहब, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं। जब आप और हम इक्टठे थे तब एक टैक्स लगाया गया था और इस हाउस ने सर्वसम्मति से उस टैक्स को मंजूर किया था। वह रोड टैकस के नाम से लगाया गया था ओर उसमें यह था कि जब हरियाणा का माल दूसरी स्टेट में जायेगा और जिस पर यहां बिक्री कर नहीं लगेगा, उस माल पर एक रूपया क्विंटल के हिसाब से टैक्स लेगें। लेकिन जब चौधरी देवी लाल की सरकार बदल गई तो इस सरकारने आते ही उस टैक्स को वापस ले लिया। मैंने इसी हाउस में एक सवाल के द्वारा इस टैक्स की क्लैक ान से सम्बन्धित आंकडे पूछे थे और यहां बताया गया था कि तीन महीने में उस टैक्स से 50 लाख रूपये की आमदनी हुई। हरियाणा में अढाई सौ–तीन सौ बडे बडे कारखाने है और ये साल मे आठ करोड रूपये का माल पैदा करते है लेकिन इन बडे–2 कारखाने वालों को अंग्रेजी कहावत के मुताबिक एक प्लेट मे ंरखकर वह टैक्स वापस कर दिया और दो करोड रूपये का घाटा सरकार को हो गया। (विधन) मैं कह रहा हूं कि

किस तरीके से यह सरकार अमीर आदमियों से रियायत करती है। बिजली बोर्ड के बारे में इन्होनें कहा है कि इसमें किफायतसारी करेगें लेकिन इन्होने क्या किया है? एक तरफ तो मामूली से मामूली दुकानदारसे, जिसने खोखा लगाया है और बिजली का एक बल्ब इस्तेमाल करता हैख यह जन विरोधी सरकार कम से कम 21 रूपये चार्ज करती है ओर घरेलू कंजम्प ान में पहले दो अढ़ाई रूपये और अब 6 रूपये चार्ज करती है लेकिन दूसरी तरफ बडे–2 कारखानेदारों पर लगी हुई ड्युटी को कम करती है। मुझे इस बात का अफसोस है कि अपने आपको गरीबों का हमदर्द कहने वाली सरकार इस तरह का व्यवहार करे। ऐसा करके चेयरमैन साहब, इनहोने तीन करोड रूपये सालाना का घाटा स्टेट ऐक्सचैकर को किया है। मैं इनसे पूछता हूं कि यह बजट क्या है जिसमें ये अमीरों को रियायत देते चले जाएं और गरीबों के उपर अकुं ा लगाते चले जाएं। (घंटी)

श्री मूलचन्द जैनः चेयरमैन साहब, टाईम की पाबन्दी तो नहीं होनी चाहिये।

श्री सभापतिः कृपया जल्दी कीजिये। (विघन)

श्री वीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहिब, हमारा टाईम कम कर लेना।

चौधरी उदय सिंह दलालः हमारे लीटर को बोलने दीजिये।

श्री मूलचन्द जैनः चेयरमैन साहब, मैने रोजगार के बारे में कहा, गरीबों के बारे में कहा, इनकी अमीर और गरीबों के बारे में जो नीति है उसके बारे में कहा और अब ला एंड आर्डर के बारे में कहना चाहता हूं। 15 करोड़ रूपयो पुलिस डिपार्टमेंट पर पिछले साल का खर्च दिखाया गया है और चार करोड रूपया सप्लीमेंटरी ऐस्टिमेटस के द्वारा इन्होने लिया है। कुल मिला कर 19 करोड रूपये का खर्चा पिछले साल पुलिस डिपार्टमेंट पर हुआ है लेकिन ला एंड आर्डर की इस स्टेट में जो हालत है वह आप के सामने है। चीफ मिनिस्टर साहब ने बडा दावा किया कि कानून की व्यवस्था जितनी हरियाणा में अच्छी है उतनी सारे दे ा में नही है। गोया कि सारा दे ा अगर डूब रहा है ओर हरियाणा जरा सा बच गया है तो उसका ये क्रेडिट लेना चाहते है। (विघन) मैं तो पूछना चाहता हूं खुर ाीद भाई कि जो डाके पड रहे हे और जो गोहाना में विद्यार्थी लडकी का कत्ल हुआ है उसमें आपने क्या किया? होडल में जो फायरिंग हुइ और हरिजनों को मार दिया गया उसमें आपने क्या किया? डबवाली के भीला कांड में पुलिस ने जो रेप किया और उसके बाद खून किया उसका क्या हुआ? लोगों ने हमदर्दी में जब जलूस निकाला औरउस पुरअमन जलुस पर जो गोली चलाई गई, उसके बारे मे आपकी सरकार ने क्या किया?

सभापति महोदय, अब डबवाली कांड की रिपोर्ट सदन में पे ा कर दी गई है। इस कांड के कारण वहां पर आन्दोलन

चला ओर 10 हजार आदमियों ने अपने आपको गिरफतारी के लिये पे ा किया। कुछ कर्मचारियों ने उस औरत के साथ रेप किया, यह बात कमी ान ने अपनी रिपोर्ट में मानी है। कमी ान ने यह भी मान लिया कि उस का `मारा गया और वहां पर लोगों पर फायरिंग हुई हैं। जो फायरिंग वहां पर लोगों पर हुई उसके बारे में कमी ान ने यह माना है कि यह फायरिंग वहां पर लोगों पर हुई उसके बारे मे कमी ान ने यह माना है कि यह फायरिंग लोगों पर गलत हुई है। आपने एक रपट की एफ0आई0आर0 तो पहले दर्ज कर ली थी। कमी ान ने यह भी माना है कि जो गलत फायरिंग हुइ है और वाकई ही वह फायरिंग गलत हुई है। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आपने आज तक उस गलत फायरिंग के बातजूद मुकदमा दर्ज क्यों नहीं किया? अगर आपने दर्ज किया है तो मुझे बतायें अगर दर्ज नहीं किया है तो बतायें कि उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज न करके उनको क्यो बचाया जा रहा है? अभी–2 घरौंडा के अन्दर एक गांव के सरपंच का कत्ल हुआ है ओर पिछले साल भी वहां पर एक कत्ल हुआ था।

श्री सभापतिः जैन साहब, आप गवर्नर एड्रैस पर बोलिये ओरी कोई सुझाव दीजिये।

श्री मूलचन्द जैनः सभापति महोदय, मैं ला एण्ड आर्डर के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। घरौंडा के बारे मे भी मैने अपना काल अटैन ान मो ान दिया था। उस मो ान पर इन्होने जवाब दिया था कि वहां का सरपंच तो पुलिस का बड़ा अच्छा आदमी

था। पुलिस उसका आदर करती थी और वह पुलिस की मदद करता था। जब पीछे 13 तारीख को सै ान खत्म हुआ था तो उसके बाद 14 तारीख को मै वहां पर गया था। मैंने वहां पर जा कर सारे तथ्यों का पता किया हैं सभापति महोदय मैं आपको बताना चाहता हूं कि पुलिस वालों ने उसको बहुत बुरी तरह से पीटा। सारी रात उस को थाने में रखा। वह सरंपच कभी भी वहां पर ठहरने वाला आदमी नहीं था। अगर उसको किसी कारणव ा घरोंडा के अन्दर ठहरना होता था तो वह मण्डी के अन्दर जहां उस का अपना आदमी रहता है उसके पास ठहरता था जिसका अपना मकार हैं चेयरमेन साहब, सबसे बडी बात तो मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस लडकी के भारीर के अंग वहां पर मिले थे वह तो सफीदों की रहने वाली थी। उस को वहीं पर कत्ल किया गया ओर उसकी ला ा के टुकडे करके कुछेक उस गांव में फैंक दिये गये। इस लडकी के जुर्म मे इस सरंपच को बुलाये जाने से पहले ही काफी लोग गिरफतार हो चुके थे। अगर यह बात सच है तो मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि फिर इस सरंपच को इस जांच में भाामिल करके तफती ा करने की क्या आव यकता थी? इस केस में 302 का मुकदमा सफीदों थाने के अन्दर दर्ज था। मुझे अफसोस के साथ कहना पडता है कि जैसे पुलिस की आदत होती है वैसा उसने किया। पुलिसवाले वैसे तो हमारे भाई है, हमारे भतीजे है, लेकिन ये हमारे भाई या भतीजे पुलिस फोर्स में भर्ती हो कर पता नहीं अपने आप को क्यासमझने लग जाते है और पता नहीं क्या कुछ कर बैठते है? पुलिस वालों को उस लडकी के कत्ल के कुछ

अंग वहां पर मिल गये तो उनहोने उस गांव को लुटना भुरू कर दिया, रि वत लेनी भुरू कर दी। यह सरंपच एक ईमानदार आदमी था। उसने इस बात की मुखालफत की थी कि हमारे गांव के अन्दर किसी ने यह कत्ल नहीं किया, हमारे गांव के आदमी कोई कातिल नहीं है। इसलिये आप क्यों हमारे गांव के आदयिमों को तंग कर रहे हो? पुलिस ने यह सोचा कि एक सरपंच की यह कहने की हिममत कैसे होगई कि तुम हमें तंग क्यो कर रहे हो? इस का बदला निकालने के लिय पुलिस ने उस सरपंच को इतना पीटा और इतना जुल्म किया जिसका कोई हिसाब किताब नहीं है। वहां पर 9 तारीख को हमारी पार्टी के लोगों ने जलूस निकालां । जलूस निकालने की हमने पहले ही मन्जूरी ले रखी थी। जब 9 तारीख को हमारे लोगों ने जलूस निकाला तो थाने से कोई 2–3 फर्लांग की दूरी पर ही हमारे लोगों को बहुत बुरी तरह से पीटा गया और उन्हे थाने में ले गये। थाने मे ले जा करके उनको नंगा किया गया, उनके साथ क्रिमिनल की तरह जैसे कोई डाकू है, चोरीकी है, व्यवहार किया गया। उनको बुरी तरह से पीटा गया और बेइज्जती की गई। जो व्यवहार उनके साथ किया गया उसके बारे में मैं यहां पर अगर कहू तो वह भाोभा नहीं देगा। मुझे कभी कभी ऐसा ख्याल आता है जिसके बारे मे मैं जिक्र नहीं करना चाहता।अब मैं 68 वर्श का हो चुका हूं। मुझे लगता है कि अगर ऐसे ही वाक्यात होते रहे तो उससे अच्छा यही है कि लेाग भूख हड़ताल करके क्यों न अपने प्राण दे दे। इस स्टैट का होम मिनिस्टर, इस स्टेट का होम सैकैटरी, इस स्टेट का आई0जी0

क्यों इस बात का इंतजार करता है कि कोई भाहादत मिलेगी तभी कार्यवाही की जायेगी। मैं पूछना चाहता हूं कि क्यों नहीं उन पुलिस वालेां को सजा दी जाती है जो इस प्रकार का घिनौना काम करते है? क्या उनकी सी0आई0डी0 इस बात के लिये गूंगी है, बहरी है, निकम्मी है जो इस तरीके के काम होते है उनको देखती रहे या देख नहीं सके।

चेयरमैन साहब, इसी तरीके से भााहबाद के इलाके में पाडला गांव है। वहां के लोग गुरूद्वारा के लिय चन्दा इकट्ठा कर रहे थे वहां पर उन लोगों को कुछ प्रोग्राम था। उस प्रोग्राम में भााहबाद से कुछ पुलिसवाले भाराब पी कर वहां पर आ गये और उन्होने वहां पर दखल अन्दाजी की। जब लोगों ने मना किया तो 4–5 दिन के बादत उस गांव के सरपंच की वह बेइज्जती की गई जिस का कोई ठिकाना नहीं है। पुलिस वालों ने उस गांव के सरपंच का काला मुंह करके उसके गले में हार पहना कर सारे गांव में जलूस निकाला। पुलिस वाले जब इस प्रकार की हरकत करते है तो हमें बडी भार्म आती हैं मुझे इस बात का अफसोस होता है कि आखिर पुलिस को हो क्या गया है? पुलिस हिन्दुस्तानी है, होम मिनिस्टर हिन्दुस्तानी है, होम सैक्रेटरी हिन्दुस्तानी हे आई0जी0 हिन्दुस्तानी है। हिन्दुस्तान के अन्दर कोई ब्रिटि ा राज नहीं है। ये समझते हे कि `जो कुछ भी होगा उसको बाद में देख लिया जाएगा। हमसब हिन्दुस्तानी है। यह बात समझ मे नहीं आती कि एक हिन्दुस्तानी दूसरे हिन्दुस्तानी के साथ इस

प्रकार का क्यो सलुक कर रहा है? बाद में फिर इस बात के लिय बहाना बनायें कि साहब, भााहदत नहीं है, फलाना नहीं है और इस्तगासा आदि नहीं है। यह नहीं किया वह नहीं किया। खुर ीद भाई यह आप की सरकार हैं जो बात मैं अब कह रहा हूं यह कांग्रेस के इन्ट्रेस्ट की बात कह रहा हूं। मैं कांग्रेस पार्टी के नेता लाल लाजपतराय साहब के वे भाब्द दोहराना चाहता हूं कि जब उन पर लाठियां पडी तो उनहोने ये भाब्द कहे थे कि मेरे कफन पर पडने वाली एक एक लाठी ब्रिटि ा कफन में तीर की तरह साबित होगी। हरियाणा के अन्दर भी पुलिस द्वारा इस तरह के जुर्म हो रहे हैै। इस के लिये मैं आप लोगों को सावधान करना चाहता हूं कि यह कांग्रेस के कफन मे तीर की तरह साबित होगें। चेयरमैन साहब, हांसी के अन्दर भी इसी तरह का दुर्व्यव्यवहार किया गया। (घन्टी)

श्री सभापतिः जैन साहब, आप जल्दी खत्म करिये। अभी बहुत सारे मैंबरान ने बोलना है।

श्री मूलचन्द जैनः चेयरमैन साहब, अभी मैने बाते तो बहुत कहनी थी। आपकी भी बात ठीक है कि अभी बहुत सारे मैंबरों ने बोलना हैं मै अब यही कहना चाहता हूं कि जो बातें मेने कही है उनका जवाब वित्त मंत्री महादेय अपने उत्तर में देगें। मैं पुलिस के बारे में यह कहना चाहता हूं कि यहां पर कोई डिक्टेटरि ाप नहीं है, यहां पर डैमोक्रेसी है, प्रजा का राज हैं प्रजातंत्र राज में इस तरह की बातें नहीं होनी चाहिये। यह जो

ट्रेडि ांज पुरानी चली आ रही है उनको खत्मू करने के लिये कोई न कोई सख्त कदम उठायें आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया है इस बात के लिय आपका धन्यवाद करते हुये मै अपना स्थान लेता हूं।

मास्टर ि ाव प्रसाद (अम्बाला भाहर): चेयरमेन साहब, इस दल–बदलू सरकार के वित्त मंत्री ने इस सदन में 81–82 क जो बजट पे ा किया है उसको देख करके ऐसा ख्याल आता है कि जैसे किसी मुर्दे की ला ा को बडे अच्छे सुन्दर कपड़े में लपेट कर लोगों के सामने खड़ा करके रख दिया जाये। फिर कहने लगे कि देखो अभी यह उठेगा, चलेगा, बोलेगा। इसका चेहरा चमकेगा। आखि कितना चमकेगा। इसके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि हरियाणा के वित्त मंत्री ने लोगों के सामने इस प्राकर का बजट पे ा करके गुमराह करने की कोि ा ा की है। अगर इसको वास्तविक मुर्दा ला ा कहे तो कोई अति योक्ति नहीं होगी। चेयरमेन साहब, जैसा कि यहां पर बजट पे ा करते समय बताया गया है कि ि ाक्षा के बारे में हम काफी कुछ करने जा रहे है। मैं अब ि ाक्षा के बारे में ही थोडा सा जिक करन चाहता हूं। इस बजट के पृश्ट 22 पर इन्होनें ि ाक्षा के लिये, सामान्य ि ाक्षा के लिये और सांस्कृतिक ि ाक्षा देने के लिये 9.90 करोड रूपये तथा तकनीकी ि ाक्षा के लिये 52 लाख रूपये रखे है। हरियाणा सरकार हरियाणा प्रदे ा के अन्दर कूछ स्कूलों को अपग्रेड करने से काम

नहीं चलने वाला है। अगर यह सरकार जो मौजूदा स्कूल है उन्ही की तरफ अच्छा ध्यान दे कर कुछ करे तो मैं समझता हूं कि भाायद 0.1 प्रति ात सुधार हो सकता है। अब मैं ि ाक्षा विभाग के बारे में कुछ जानकारी सरकार के कानों तक पहुचांना चाहता हूं। प्रदेश के अन्दर कुछ स्कूल प्राईवेट है ओर कुछ सरकारी है। मैं केवल सरकारी स्कूलों के बारे मे बोलनाचाहूंगा। सरकारी स्कूलों के बारे मे ंमैं जिक करूं इससे पहले मैं एक बात प्राईवेट स्कूलों के बारे में कहना चाहता हूं। प्राईवेट स्कूलों के अन्दर जो टीचर लगते है अगर उनका एक साल के बाद प्रोबे ान पीरियड नही बढाया जाता है तो वे औटोमैटिकली कन्फर्म हो जाते है। अगर मैनेजमैंट एक साल के अन्दर यह पीरीयड बढाना चाहे तो बढा सकती है लेकिन तीन साल के बाद कोई मियाद नहीं बढाई जा **(12.00 बजे)** सकती।उसक `बाद तो वह औटोमेटीकली ही कन्फर्म माना जाता है लेकिन सरकार का ढांचा ही बाबा आदम के जमाने का बना हुआ है ओर निराला है। 12–12 साल से टीचर लगे हुये है, मास्टर लगे हुये हे आज कुछ तो हैडमास्टर हो गये हे लेकिन आज तक वे कन्फर्म नहीं है। 18–20 साल की सर्विस के बाद भी अगर वे कन्फर्म न हो तो मै ंसरकार से यह पूछना चाहता हूं कि क्या ऐसे टीचर्ज या अध्यापकों के मन में काम करने की इच्छा रहेगी, उनके मनों मे ं ाांति रहेगी? वह ठंडे दिमाग से काम करने का विचार भी नहीं कर सकते। आज जब 20–20 साल की सर्विस के बाद भी टीचर की सर्विस सिक्योर नहीं है, तो वह कैसे चैन से बैठ सकता है? इसके साथ ही एक

बात मैं ओर कहना चाहता हूं । मुख्य मंत्री महोदय ने यहां पर कहा कि प्राईवेट कालेजों की ग्रान्ट हमने 75 प्रति ात से बढा कर 95 प्रति ात कर दी है। मैं यह कहता हूं कि यह तो बहुत अच्छी बात है लेकिन कालेज लेवल पर तो तभी लड़के पहुंचेगे अगर वे स्कूलों में पहूंचेगे और पास करेगें । जिस भवन के मालिक का ध्यान उपर की और हो और नीचे की और न हो, उस भवन का तो भगवान ही मालिक है। इसलिये मैं इन्हें कहना चाहता हूं कि इनको भवन की नींव यानि नीचे की ओर भी ध्यान देना चाहिये। हरियाणा के अन्दर हजारों प्राइवेट स्कूल्ज ऐसे हे जिनके अनदर हजारों की तादाद में बच्चे पढ़ते है और अध्यापक पढ़ाते है। प्राइवेट मिडल स्कूल है, प्राइवेट प्राइमरी स्कूल है ओर प्राइवेट हाई स्कूल है, उनकी तरफ भी इनको ध्यान देने की जरूरत है। हरियाणा के मुख्य मंत्री जैसे सब को पता है घोशणांए करने में बड़े माहिर है और वायदे वगैरा भी बहुत करते हैं। उन्होने यह घोशणा तो कर दी कि प्रोइवेट स्कूलां में काम करने वालें टीचरों का स्तर सरकारी स्कूलों मे ंकाम करने वाली टीचरों के बराबर किया जायेगा लेकिन हम देखते है कि सरकारी स्कूलों में काम करने वाले अध्यापकों को प्राइवेट स्कूलों में काम करने वाले अध्यापकों से बहुत अधिक सुविधांये प्राप्त है जो उन्हें नहीं मिल पाती। गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रस में इस बात को माना है और प्राइवेट स्कूलों में काम करने वाले अध्यापकों के काम की सराहना करते हुये उन्होने 75 प्रति ात ग्रंट देना माना है। मैं यह कहता हूं कि अगर प्राइवेट कालेजो को 95 प्रति ात ग्रंट दी जा सकती

है तो कम से कम इन प्राइवेट स्कूलों के लिये भी 95 प्रति ात ग्रांट तो अव य होनी चाहिये। इसके साथ–2 जो सुविधायें गवर्नमेंट के स्कूलों में अध्यापकों को प्राप्त है, वे भी प्राइवेट स्कूलों के अध्यापकों को मिलनी चाहिये जैसे फ्री मैडीकल ऐड, हाउस रैंट, गवर्नमेंट स्कूलों में 10 प्रति ात उनका प्रोवीडेंट फन्ड कटता है लेकिन प्राइवेट स्कूलों में 8.33 प्रति ात कटता है उनको भी यह तमाम सहूलियतें मिलनी चाहिये। मेरा कहना यह है कि प्राइवेट स्कूलों के टीचरों के साथ अब तक जो भेदभाव किया जाता रहा है वह हमे ाा के लिये समाप्त किया जाना चाहिये। इसके साथ–2 एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि सरकार गांवों के बारे में बहुत चिन्तित है। जब वर्श भाुरू होता है ट्रान्सफर्ज की इनके लिये एक समस्या खडी हो जाती है। आज लोगों को भाहरों में काम करने के लिये कितनी सहूलियतें देते हो, उनको हाउस रैंट देते हो, सिटी अलाउन्स देते हो, लेकिन गांव मे काम करने वाले अध्यापक को जिसको घर से घंटा डेढ़ घंटा पहले चलना पड़ता है और घर में घंटा डेढ़ घंटा बाद में पहुंचता है। उसको कुछ नहीं देते। मेरा कहना यह है कि उससे दुगना दिया जाना चाहिये ताकि ट्रान्सफर्ज की समस्या हमे ाा–2 के लिय हल हो जाये। जब गांव में काम करने वाले अध्यापक को जयादा पैसा मिलेगा तो कोई भी आपके पास भाहर में ट्रांसफर के लिये नही आयेगा। मैं यह भी कहता हूं कि गांव में काम करने वाले अध्यापक को बस में आने –जाने के लिये फ्री पास दिया जाना चाहिये ताकि उनकी जेब पर बोझ न पड़े। इसके अलावा मै एक दो बातें और

कहना चाहता हूं। सरकार के डिपार्टमेंटस में कैसी धांधली मची हुई है, इसको मैं एक एग्जैम्पल देकर सिद्ध करना चाहता हूं। किसी को नाजायज तौर पर फायदा पहुचांने के लिये किसी को गलत डिप्लोमें दिये जाते है। पैसे लेकर एक आदमी अगर कोई करता है तो उसे सजा मिलनी चाहिये। ऐजुके ान डिपार्टमेंट ने एक बच्चे की जिन्दगी के साथ कैसे खिलवाड़ किया है, यह मैं आपको बताना चाहता हूं। मैं स्वयं हरियाणा एजुके ान बोर्ड के चेयरमैन को तीन चार बार मिला हूं। मेरे साथ वह लडका विनय चौधरी भी था और उसके स्कूल का हैडमास्टर भी था। वह एस0डी0हाई स्कूल का छात्र था उनके मैट्रिक की परीक्षा दी थी। उसके अकं 726 आये । तो वह लडका कहने लगा कि मेरे अंक तो कम से कम 770 या 775 आने चाहिये थे। मेरे नम्बर कम क्यों आये है? मैं हैडमास्टर को साथ लेकर मिला। उसके पेपर्ज की रीचैंकिग के लिये 40 रूपये भी जमा करवाये। हरेक पेपर में उसके अच्छे नम्बर थे लेकिन मैथेमैटिक्स में उसके 46 नम्बर थे। वह कहने लगा कि मेरे 75 में से 75 नम्बर आने चाहिये, एक नम्बर भी कोई नहीं काट सकता। 40 रूपये जमा करवाने के बाद ज बवह आन्सर बुक दिखायी गयी तो उसमें यह पता लगा कि उसके तीन पेपर निकाले हुये थे और एक आधे सवाल को जिसका अगला भाग कटा हुआ था और एक दूसरा सवाल का पिछला भाग भी गायब था। वह कहने लगा कि मेरे संस्कृत के नम्बर भी कम है। बडे दुख की बात है कि एक ऐसे होनहार बच्चे की जिन्दगी के साथ खिलवाड कियागया जिसने पता नहीं आगे क्या–2 करना था।

उस गलती के नोटिस में आने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसके बाद मैं टैक्नीकल ऐजुके ान के बारे में आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं । सरकार के नोटिस में एक बात आयी होगी जो जनवरी के ट्रिब्युन में आयी थी और फरवरी में इंडियन एक्सप्रेस में आयी थी। इन अखबारों में यह खबर निकली थी कि टैक्नीकल ऐजुके ान की जो 1980 में परीक्षायें हुई है, उन परीक्षाओं में यह देखने में आया है कि लगभग 300 के करीब आन्सर बुक्स निकाल कर उनकी जगह जाली आन्सर बुक्स रख दी गई है। मै इस बारे मे स्पै ीयली एक दो नम्बर बताना चाहता हूं। वहां पर 500–500 रूपये लेकर आन्सर बुक्स बदली गयी है एक नम्बर है 10682 उसकी वहां पर दो आन्सर बुक्स है और एक रोल नम्बर है 10692 उसकी आन्सर बुक ही नहीं है। हुआ यह कि कापी निकालते वक्त 10682 की बजाये 10692 की कापी निकाल दी गयी। इस तरह से वहां पर 10682 की दो आन्सर बुक्स अभी भी पडी हुई है। भाायद सरकार के यह बात भी नोटिस में आयी होगी कि बिना इम्तहान में बैठे हुये 5–5 सौ रूपये लेकर डिप्लोमें दिये जाते है। इस डिपार्टमेंट में ऐसी धांधली है। यह सोचते है कि सब जगह सुधार हो रहा है। यह बात डिपार्टमेंट के अन्दर जाकर पता लगती है कि वहां पर कुरप ान मितनी चल रही है। जब तक इस बारे मे कुछ नही दिया जा सकता, उस समय तक डिपार्टमेंट में सुधार नहीं किया जा सकता और यह सुधार वही आदमी करेगा जिसकी कोई नैतिकता होगी, जिसका कोई चरित्र होगा, और जिसका दिमाग साफ होगा। सरकार जैसे करती है वैसे

ही जनता भी करेगी। चेयरमैन साहब, एक कहावत है जैसा राजा वैसी प्रजा। प्रजा जो कुछ देखती है, वह भी वैसी हो जाती है। चेयरमैन साहब, जनता या प्रजा अगर कुछ देखती है कि सरकार ही जनता का ख्याल नहीं करती तो वह भी लापरवाह हो जाती है। मैं आपके द्वारा इस डिपार्टमेंट के बारे में यह बात कह कर ही समाप्त करता हूं। मैं स्वास्थ्य विभाग की तरफ आता हूं। वायदे तो चीफ मिनिस्टर साहब ने बहुत किये है लेकिन उनको पूरा बहुत कम ही किया है। ाायद 11 या 12 फरवरी को जब यह जनता सरकार को छोड़ कर कांग्रेस सरकार के नाम में अपनी गवर्नमेंट बदल गये थे, उस दिन अम्बाला भाहर में अम्बाला हास्पिटल का नींव पतरि रखने के लिये जब ये वहां पर गये तो इन्हौने वहां पर सब लोगों के सामने यह घोशणा की थी कि यह अस्पताल दो वर्श में पूरा हो जायेगा और इसका काम इसी साल भाुरू हो जायेगा। लेकिन मुझे बडे दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि आज तक भी उस पर काम भाुरू नहीं किया गया है। अम्बाला एक जिला हैडक्वार्टर हैं। लोगों को वहां पर अपने घरों से चारपाइयां लानी पडती है और फिर वहां पर रखने के लिये भी स्थान नहीं हैं । दूसरी जगह तो अस्पताल थोडा लेट भी बन सकते है लेकिन अम्बाला भाहर की और वि ोश ध्यान देने की कृपा करें।

सभापति महोदय इन्होने इसके आगे जल सप्लाइ और मल निकास की स्कीम्ज के बारे में कहा है। सभापति महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं और इस बात को मैं पहले भी कह चुका

हूं कि हरियाणा के अन्दर केवल एक ही जगह है जिसके साथ भाहर का भाब्द लगा हुआहै और वह हरियाणा के अन्दर केवल एक ही जगह है जिसके साथ भाहर का भाब्द लगा हुआ हैं और वह अम्बाला भाहर है वरना किसी के साथ भी भाहर भाब्द नहीं लगा हुआ हैं सभापति महोदय, आज भी अम्बाला भाहर एक नरक बना हुआ है। मैं यह भी कहनाचाहता हूं कि अगर अम्बाला में पानी समस्या न होती तो चण्डीगढ राजधानी न होती। अम्बाला राजधानी होती। सभापति महोदय, पीछे एक महीने तक अम्बाला में बिजली की हालत बडी ही खराब रही। वहां पर न पानी मिला न ही बिजली मिली। वहां की जनता काफी परे ाान रही। पिछले महीने हालत ऐसी रही कि लोग सारे दिन और सारी रात बाल्टियां और दूसरे बर्तन उठाकर कोई स्टे ान पर, कोई प्लेटफार्म परऔर कोई कहीं पानी की तला ा में जाते रहे। लेागें ने जैसे–तैसे करके हैंड पाइप लगवाये। खारा पानी पिया। सभापति महोदय, एक या डेढ़ महीने ऐसी दर्दनाक हालत रही। वहां के लिये तीन करोड 82 लाख रूपये की स्कीम मन्जूर की हुई है लेकिन मैं पूछना चाहता हूं कि वह स्कीम है कहां? (घंटी) वहां पर सभापति महोदय, पिछले आठ दस साल से सिवरेज का सिलसिला चल रहा है और उस पर बीस लाख रूपया भी खर्च हो चूका है लेकिन वह स्कीम दबी हुई है। अगर अम्बाला में पानी की समस्या हल हो जाए तो जल सप्लाई और मल निकास दोनों समस्यांए हल हो सकती है।

सभापति महोदय, इसके आगे सरकार ने कहा है कि लोगों को राहत देने के लिये जीवनोपयोगी वस्तुयें जैसे तेल, आटा, तथा चीनी वगैरह सस्ती दुकानों से और सहकारी डिपुओं से जनता को सप्लाई की जायेगी। लेकिन सभापति महोदय, वहां का बडा डरावना सीन हैं सरकार को पता भी है कि कहां पर करप् ान है लेकिन वह इसको दूर करना नहीं चाहती है। सभापति महोदय, चाहे सस्ते अनाज की दुकान है, चाहे सरकारी डिपों है लेकिन वहां पर कोइ चीज जनता को नही मिलती हैं । मैने यह बात ग्रिवेनिसत कमेटी के नोटिस में भी लाई थी औरसरकार के नोटिस में भी लाना चाहता हूं। मिट्टी के तेल की हालत यह है कि अगर दस ड्रम तेल भी आता है तो मु कल से दो या तीन ड्रम तेल उन दुकानों से बेचा जाता है बाकी सारा तेल मिलावट करके, उसमें काला तेल मिलाकर ब्लैक मेंबेचा जाता है। मैंने वहां के डिप्टी कमी ानर के नोटिस में भी यह बात लाई थी कि जो चीनी दुकानों या सरकारी डिपुओं पर आती है वह ब्लैक में बेची जाती है। जब डिपों होल्डर के नोटिस में यह बात लाई गई तो वह कहने लगे कि हम क्या करें, सारी चीनी सरकारी अफसरों और सरकारी मुलाजिमों को सप्लाई हो जाती है । जनता में सप्लाई करने के लिये तो बहुत थोडी चीनी रह जाती है। सभापति महोदय, चाहे चीनी हो, चाहे तेल हो और चाहे आटा हो सब की बडी दिक्कत हैं चीनी बगैर तो लेाग गुजारा कर भी सकते है, लेकिन आटे के बगैर कैसे गुजारा करेगे? आज हालत यह है कि आटा रा ान डिपुओं से बिल्कुल नदारद हैं जो आटा वहां मिलता

है वह मार्किट में ब्लैक में बेच दिया जाता है। जो सरकार लेागों को खाने के लिये आटा तक सप्लाई न कर सके वह सरकार नाअहल है और उसको एक मिनट भी गद्दी पर बने नहीं रहना चाहिये। अगर सरकार में थोड़ी सी भार्म है तो उसको तुरन्त ही इस्तीफा दे देना चाहिये।

सभापति महादेयख अब मैं भाराब की जो नई दुकानें खोली जा रही है उनकी तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। दुकानें जरूर बढ गई है लेकिन जो दुकानें नीलाम की गई है या औक ान हुई है लेकिन जिसको भी ठेका छोड़ा है उससे तीन हजार रूपया फी दुकान लिया गया है। सभापति महोदय, पंजाब के कोई एम.एल.ए. है उनके पिता के नाम दो तीन दुकानें छुटीं हैं अगर इन लोगों से तीन–तीन हजार रूपया न लिया जाता ओर पूरा पैसा लेकर ठेका छोडा जाता तो सरकार को काफी आमदनी हो सकती थी।

सभापति महोदय, अब मैं थोडा सा ला एण्ड आर्डर के बारे में कहना चाहता हूं। आज लोगों का विचार है कि राज्य में जो गुण्डागर्दी हो रही है, जो कत्ल हो रहे है, जो बलात्कार हो रहे है वे सब पुलिस से मिलकर हो रहे हैं सभापति महोदय, ऐसी लोगों की फीलिंग है वरना हरियाणा के लेाग काफी बहादुर है और वे गुण्डों को खुद ठीक कर सकते हैं वे बदमा ाों को खुद हैण्डल कर सकते है। लेकिन वे इस बात से डरते है कि अगर किसी बदमा ा या गुण्डे के खिलाफ थाने में जाकर ि ाकयत

करेगें ते पुलिस उन्ही को तंग करेगी। लेाग तो यहां तक कहते है कि हरियाणा में पुलिस डिपार्टमेंट को खत्म कर देना चाहिये। वे खुद गुण्डों का मुकाबला कर सकते है। चोरों से अपनी हिफाजत कर सकते हैं सभापति महोदय, पुलिस डिपार्टमेंट के खत्म होने से सरकार का फायदा भी होगा और रोजमर्रा की गुण्डागर्दी भी खत्म हो जाएगी, ऐसा लोगों का विचार है।

सभापति महोदय, आज लोगों के बिजली के बारे में हाहाकार मचा हुआ है। इस डिपार्टमेंट की हालत यह है कि बिजली भी लोगों को नहीं मिलती और पैसा भी पूरा चार्ज किया जाता हैं हमारे यहां बेचारे एक छोटे आदमी जिसके घर में एक गूंगा भी था, ने चालिस–पचास रूपये की छोटी–छोटी चीजें गोलियां वगैरह जो बच्चे खरीदते है रख ली। उसका बिजली का बिल 27 रूपये का आ गया । उसको कहा गया कि छःसात रूपये तो घर की बिजली का बिल है और 21 रूपये इस चीज के है चूंकि वह घर में दुकान चला रहा है, कौमि र्यल बेसिज पर घर को दुकार के तौर पर चलाया जा रहा है। आप इसी से अन्दाजा लगा लें कि लोगों के साथ कितना जुल्म किया जा रहा है। बेचारे ने बच्चों की गोलियां रख ली थी अऔर उसको यह सजा दी गई कि 27 रूपये का बिल भेज दिया। यह सरकार अपने आपको ंगरीबों की सरकार, मजदूरों की सरकार बताती है। लेकिन इसके काम उसके बिलकुल उल्ट है। अगर यह सरकार वाकई किसानों और मजदूरों की है तो इसको कहना चाहिये था कि सरकार ने

बसों के किराये कम कर दिये, बिजली के रेट कम कर दिये। किसानों की सरकार कहलाने वाली इस सरकार ने सभापति महोदय, तीस–तीस रूपया खाद के दाम बढ़ा दिये।

श्री सभापतिः अब आप वाइंड–अप करिये।

मास्टर ि ाव प्रसादः सभापति महोदय, मैं सरकार को बताना चाहता हूं कि केवल नारेबाजी से काम नहीं चलेगा। हरिजनों का नाम लेकर, गरीबों का नाम लेकर ज्यादा दे तक यह सरकार नहीं चल सकेगी क्योंकि जनता जानती है कि इस सरकार द्वारा जो भी लाभ पहुंचना है। गरीब लोगों को कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। सभापति महोदय, अब मैं 16 तारीख को जो रैली हुई थी जिसके बारे में बडी भारी डींग मारी जा रही है। कि ऐसी रैली कभी नहीं हुई, एक–दो एग्जाम्पल देना चाहता हूं। सभापति महोदय, 16 तारीख को एक ट्रक जिसमें औक ान किया हुआ सामान लदा था और वह सामान श्री कपूर चन्द जैन जो पंजाब का ऐक्स एम.एल.ए. था ने औक ान में खरीदा था, पुलिस ने ट्रक उतरवा लिया और यह कहा गया कि यह ट्रक दिल्ली जायेगा। सभापति महोदय, हालत यह है कि आज भी 16 तारीख की रैली के लिये पैसा इक्ट्ठा किया जा रहा है। मंत्री लोग भौलर वाली से भट्टों वालो से रूपया इक्ट्ठा कर रहे हैं । मैं रा ि ा भी बता सकता हूं कि कितनी ली जा रही है लेकिन मैं बताउंगा नहीं क्योंकि वे लोग व्यापारी है उन्होने मत्रियों से कल को काम भी लेना है। सभापति महोदय, 16 तारीख की रैली के लिये खुलकर

सरकारी म ाीनरी का इस्तेमाल किया गया था। मैं एक और बात बताना चाहता हूं। यह बात मैंने पिछले सै ान में भी कही थी। हम नहीं चाहते कि डीजल ब्लैक मे बिके, पैट्रोल ब्लैक में बिके। पिदले दिनों यूथ कांक्रेस का एक वर्कर ....बताया जा रहा है।

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री लछमण सिंह): सभापति महोदय, जो आदमी हाउस में नही है उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिये।

मास्टर ि ाव प्रसादः उसने अपने हाथ मे ंकानून लिया। (ाोर एवं व्यवधान) यह बात तो वहां के मालिकों से पूछिये।

श्री सभापतिः जिस आदमी का नाम लिया गया था उसको ऐक्सपंज कर दिया जाये।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह : चेयरमैन साहब, यह बिल्कुल गलत ब्यानी कर रहे हैं कांग्रेंस के वर्कर्ज ने एक पैट्रोल वाले को ब्लैक करते हुये पकडा था और उसके खिलाफ पुलिस में केस दर्ज है। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुये)

चौधरी राम लाल वधवाः डिप्टी स्पीकर साहब, रैली के लिये ट्रक लिये गये कि नहीं आप इंक्वायरी करवा लिजीयेगा, हम इसको साबित करेगें (ाोर एवं व्यवधान)

मास्टरि ाव प्रसादः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यूथ कांग्रेस के वर्करों के बारे मे ंबार कर रहा था कि पिछले दिनों अम्बाला में दिन के समय कुछ .....ने गोली चलायी और वे अभी तक पकडे भी नहीं गये हैं पुलिस उनको पकड़ भी नहीं सकी है। (ाोर)

Chsudhri Birinder Singh: Mr. Deputy Speaker, Sir, the Hon. Member is using the word.....That is more derogatory and it should be expunged.

डा0 मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, गोली चलाने वाला तो .....ही होगा।

श्री उपाध्यक्षः गुण्डा भाब्द जो यहां पर यूज किया गया है वह ऐक्सपंज कर दिया जाए।

मास्टर ि ाव प्रसादः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि आज तक पुलिस उन गोली चलाने वाले लोगों को गिरफतार नहीं कर सकी है। पुलिस वाले कहते है कि कोई एम0एल0एज0 के घर में कोई एम0पीज0 के घरों में छिप जाते है तो फिर हम ऐसे लोगों को पकडने की हिम्मत कैसे करें? इस तरह का अगर सरकार का हाल हो तो फिर ऐसी सरकार का ई वर ही राखा हैं डिप्टी स्पीकर साहब, आपने एक इतिहास की बात पढी होगी। एक मुहम्मद तुगलक नाम का भाासक था, वैसे वह कोई दलबदलू भी नहीं था, उसने कोई दल बदल नहीं किया था, कोई गडबड़ नहीं की थी केवल एक दो बातें गलत हो गयी थी,

जोकि स्टेट के हक में नहीं जाती थी। एक तो उसने अपनी दारूलखलाफा बदल लिया था और दूसरा चीन के उपर बेमौसम हमला कर दिया था, ऐसे ही काम इस सरकार के है। जिसके कारण यह हर लिहाज से फेल है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः मास्टर जी, आप वाइंड अप कीजियेगा।

मास्टर ि ाव प्रसादः डिप्टी स्पीकर साहब, कौन से ऐसे भाब्द इस सरकार के लिये हम इस्तेमाल करें, हमारी समझ में नही ंआता। हर दृश्टि से यह सरकार बुरी तरह से फेल रही है। चाहे वह ऐजुके ान का मामला है या देहात के विकास का मामला है। डिप्टी स्पीकर साहब, अब जबकि आम चुनाव नजदीक आ रहे है, यह सरकार हरिजन मुहल्लों मे ंखम्बें पहुंचा रही है ,तारें पहुंचा रही है पर पता नहीं कि वहां पर लाईट भी पहुंचेगी या नहीं। लेकिन मैं इनको बताना चाहता हूं कि इस तरह के सरकार के झूठे प्रचारों से , हरिजन और गरीब लोग उनकी बातों में आने वाले नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान) मैं इनको बताता हूं आज ये उंची उंची डीगें मार रहे है कि हम हरिजनों की भलाई के लिये यह कर रहे है, वह कर रहे है, यह सारे काम हमारी सरकार के किये हुये है। जब हमारी सरकार थी उसने ही कमेटी मं काम करने वाले बाल्मीकियों के लिये, सफाई मजदूरों के लिये 50 रूपये बढाये थे, जिसका आज सारा श्रेय यह सरकार अपने उपर लेना चाहती है। सडकों के उपर काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी 6 रूपये से बढाकर 8 रूपये किस सरकार ने की थी? यह हमारी सरकार ने

की थी। गांव–2 में हरिजन बस्तियों में धर्म ाालाएं बनाने का काम हमारी सरकार ने कियाथा और करोडो रूपया खर्च किया गया था। ये लोग केवल हरिजनों का नाम लेकर, गरीबों का नाम लेकर उन्हें जयादा देर तक अपनी और खेंचने का साहस नहीं कर सकते क्योकि चारों तरफ अं ाति ही अ ांति इस सरकार ने फैला रखी है। डिप्टी स्पीकर साहब, आज समाज का तकरीबन हर वर्ग चाहे वह विद्यार्थी हो, व्यापारी हे, सरकारी कर्मचारी है सभी सडको पर आ रहे हैं कौन सा ऐसा वर्ग है जो आज इस सरकार के नाम से भाांति महसूस कर रहा है। कोई ऐसा वर्ग नहीं जोकि इस सकरार के कारनामों से पीडित न होगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इस आज की सरकार को यह कहना चाहता हूं कि चुंकि आज हरियाणा प्रान्त का हर वर्ग इस सरकार के कारनामों से दुखी है इसलिये कम से कम जो पौजेटिव बातें है, जो नैतिकता की बाते है, सरकार उनकी तरफ तो अव य ध्यान दे ताकि हरियाणा प्रान्त में भाान्ति का वातावरण स्थापित हो सके और लोग सुख की सांस ले सकें। उन्हीं बातों को ये लोग कम से कम थोडा बहुत अपने जीवन में भी लांए और भांाति को स्थापित करें। इन भाब्दों के साथ, डिप्टी स्पीकर साहब,

मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का मौका दिय औरसाथ में इस सरकार को फिर एक बार कहना चाहता हूं कि हर लिहाज से गरीब लोगों

के , गरीब हरिजनों के हितों का ध्यान रखा जाए, गरीब लोगों को गरीब हरिजनों को यूं ही झूठे लिासे देकर के फुसलाया न जाए क्योंकि अब वे लोग आपकी बातों में ज्यादा देर तक नहीं आयेगें।

मास्टर जोगी राम (असन्ध अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपका बहुत–2 धन्यवादी हूं कि आपने मुझे बोलने कासमय दिया। यहां पर लोग बहुत बडी बडी बातें , हरिजनों का नाम लेकर के कर रहे है और मैं सुन भी रहा था पर ये सभी इसी तरह से मगरमच्छ के आंसू बहा रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)इधर बैठने वाले दल के लोग जिस तरीके से दूसरे प्रान्तों का जिक्र करके जो बातें कर रहे है, वहां पर जो बावेला मचा हुआ है, उसका वहां पर समर्थन कर रहे है और साथ ही इस सदन के अन्दर हरिजनों का नाम ले लेकर ऐक्सपलायटे ान कर रहे है। मै उनसे यह पूछता हूं कि ऐसा करना क्या उनके लिये वाजिब है? जरा वे अपने अन्दर तो झांक कर देखें कि वे किस तरह से आरक्षण विरोधी प्रद र्ानों का, जोकि दूसरे प्रान्तों के अन्दर चल रहे है, समर्थन कर रहे है? क्या उनको ऐसा करना भाोभा देता है?

आवाजें: यह सारा कुछ कांग्रेस सरकार ही करवा रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

मास्टर जोगी राम: यह कौन करवा रहा है, मैं अच्छी तरह से जानता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिये थोडा सा समय दिया है, मैं इस थोडे से समय के अन्दर

अपने विचार रखना चाहूंगा। आज जो इस समय बजट पर डिस्क ान हो रही है इस बजट को पेश करने के लिये मैं वित्त मंत्री महोदय को हार्दिक बधाई देता हूं कि उनहोने अपने बजट में कुछ पिछडे हुये लोगों को, निम्न जाति को, गरीब जन को व तपडी वासियों को छुआ है। आज पहली बार इस बजट में यह बात देखने को मिली है जबकि किसी गरीब के लिये यहां पर बातें कही गयी है। अभी मास्टर जी कह रहे थे जो कुछ गरीबों के लिये, हरिजनों के लिये किया है, वह हमारी सरकार ने किया था। मैं कहता हूं कि आक्षण की जो नीति है, उसकी इस दे ा के अन्दर क्यों आव यकता पडी थी? क्या आव यकता थी इस दे ा के अन्दर 20 परसैन्ट आरक्षण की। इस बात को कुछ मेरे साथी आर्थिक नीति के आधार पर ले रहे है। उस बात को इस पैमाने से नापा जा रहा है कि जिन लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी हो गयी है और जो गरीबी के स्तर के उपर चले गये है, उनको इस सुविधा से अलग कर दिया जाए। (ाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हूमं कि जो लोग आज पावर्टी लाइन के नीचे अपना निर्वाह कर रहे है, जिन के पास मकान नहीं है खाने के लिये रोटी नहीं है, पहनने के लिये कपड़ा नहीं है, उन लोगों के लिये उधर बैठने वाले दल ने, जब वह सत्ता में थी क्या किया था? गरीब लोगों के प्रति उन्होने क्या तरीका अख्तियार किया था? जो गांव का आखिरी आदमी है, स्वीपर है, खेतीहर किसान है, मजदूर है, सांझी सीरी है, क्या इन लोगों के लिये आपकी सरकार ने कभी कुछ सोचा था कि इन लोगों का भी कुछ किया जाना

चाहिये? मैं यह नम्र निवेदन करता हूं कि किसानों को, गरीब हरिजनों को ऐक्सपलायट करने की कोि ा की जा रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी संत कंवरः डिप्टी स्पीकर साहब, हम ने तो चौधरी चांद राम जी को चीफ मिनिस्टर बनाना चाहा था लेकिन इन लोगों ने उनका साथ नहीं दिया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः नो इंटरप ान प्लीज।

मास्टर जोगी रामः डिप्टी स्पीकर साहब, भाई संत कंवर जी जिस व्यक्ति का नाम ले रहे है, कोई बात नहीं उनको चीफ मिनिस्टर बनाये चाहे कुछ और बनायें पर इन्होने तो उनको बहकाकर उनके साथ दुर्व्यवहार किया था। (ाोर एवं व्यवधान) मैं यह कहना चाहता हूं कि इस काम के लिये इन लोगों को भार्म आनी चाहिये। (ाोर एवं व्यवधान) फिर ये लोग उन्हें किस बात का बुलावा देते है? डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अब दूसरी बातों पर आता हूँ। इस बजट में कुछ महत्वपूर्ण बातें कही गयी है जैसे सरप्लस लैण्ड को गरीबों में, भूमिहीनों में बांटा जाएगा। मैं अपनी सरकार को इसके लिये बधाई देता हूं। पिछले 33 वर्श के अन्दर भाायद पहली बार ऐसा किया जा रहा है कि सरप्लस लैण्ड को गरीबों में बांटा जाएगा लेकिन में सरकार की जानकारी में यह लानाचाहूंगा कि कुछ लोगों को उनका कब्जा नहीं मिला हैक। 31–3–81 तक की कब्जा देने की जो बात यहां पर आई है, उसके

बारे में मैं उम्मीद करता हूं कि सभी भूमिहीन लोगों को कब्जा भी दिलवाया जाएगा। लेकिन इस बात के साथ–2 एक बात मैं और भी कहना चाहूंगा। सरप्लस लैण्ड की बात तो यहां पर कह दी है पर आज इस दे ा के अन्दर, इस प्रान्त के अन्दर अब भी कई लोग है जिन के पास अचल सम्पति है अथाह धन दौलत हैं कया उनकी जायदाद को भी सरप्लस डिक्लेयर करके भूमिहीनों में बांटने का सरकार कोई विचार रखती है? क्या सरकार इस बात की गारन्टी एक साधारण आदमी को, एक आम आदमी को दना चाहती है कि हम उन सब लोगों को, जिनके पास मकान नहीं, खाने के लिय रोटी नहीं, पहनने के लिये कपडा नहीं सभी चीजें मुहैया करेगें? डिप्टी स्पीकर साहब, इस सरकार के जो वित्तमंत्री है, मुख्यमंत्री है, उनहोने इस गरीबी की हालात को देखा है?, उनको पता है कि गरीबी क्या है, वे गरीबी केरेखा से ही उपर पहुचे है, उनको पता है कि गरीबों की क्या हालत होती है? जब तक कि देहातों के अन्दर से, इस समाज के अनदर से इस तरह की गरीबो को दूर नहीं यिका जाएगा तब तक हमारे सामने सभी प्रकार की समस्यांए यूं की यूं ही बनी रहेगी और कोई भी कार्य हमारा पूर्ण नहीं होगा। एक तरफ तो एक आदमी के पास कारखाने है, कार भी है, फार्मज है और एक तरफ आई0ए0एस0 अफसर भी है, एक आदमी ही सारे कामों को संभाले हुये है और दूसरी तरफ एक आदमी को काम भी नहीं मिल रहा है। यह सरकार की नीति होनी चाहिये कि जो बेरोजगारपढे लिखे नौजवान है उनको कुछ काम देने की कोि ा ा की जाये। मैं फाइनैंस

मिनिस्टर को इस बात की बधाई देता हूं और उनकी सराहना करता हूं कि उन्होनें मेवात के इलाके को आगे ले जाने के लिये सोचा है। मैं चाहूंगा कि उसी तरीके से दूसरे एरियाज में भी सहूलियत दी जाए क्योकि असन्ध का एरिया भी मेवात जैसा ही पिछडा हुआ है। वहां पर साल डेढ साल पहले एकहस्पताल का ि ालान्यास रखा गयाथा लेकिन अभी तक उस पर काम भ ारू नहीं हुआ है। वहां पर हस्पताल की बहुत आव यकता है। इसलिये मै ंसरकार से गुजारि ा करूंगा कि उस पर जल्दी काम भ ारू करवाया जाए। असन्ध के एरिया में काफी गांव है जिनका पानी खारा है। जैसे सिठाना, सालवन, बला, गगसीना बाल, रागडान, कुडलान, असन्ध और मडलौडा वगैरह–2 गांव है। इन गांवों में दूर–दूरसे पानी लाया जाता है। मै ंइस बारे में कई बार लिख करभी दे चुका हूं औरगांव वाले भी कई बार मिल चुके है। हमारी सरकार बहुत अच्छी है। इससिलये मै ंसरकार से निवेदन करूंगा कि पानी की समस्या को दूर कियाजाए। इसके बाद मैं कुछ ि ाक्षा के संबंध में भी बात करना चाहता हूं । ि ाक्षा से सारे दे ा का संबंध है। ओर जब तक किसी दे ा या प्रदे ा की ि ाक्षा अच्छी नहीं होगी, उसमें न अनु ाासन हो सकता है, न कर्तव्य प्रायणता हो सकती है और न ही मौरल हो सकता है। (विघन)

श्री बलदेव तायलः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा पवांयट आफ आर्डर है कि क्या एक मंत्री अपनी ही पार्टी के किसी लैजिस्लेटर को हैकल कर सकता है? (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः नो इन्टरप ांज प्लीज।

मास्टर जोगी रामः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक वि ोश बात कहता हूं कि इस समाज का जो छोटे बच्चों को पढाने वाला अध्यापक है उसे प्राईमरी टीचर कहा जाता है जब बच्चा 6 वर्श का हेाता है तो उसे उसके सुपुर्द कर दिया जाता है औरउसको वह पढाने के लिये प्रयत्न करता है , उसको अच्छी ि ाक्षा देता है। उस अध्यापक की समस्याओं को दूर करने की जिम्मेदारी सरकार की हैं जब तक उस अध्यापक की वेतन की समस्या रहेगी, मैडीकल भत्ते की समस्या रहेगी, उसके हाउस रैन्ट की समस्या रहेगी तब तक वह अध्यापन कार्य सुचारू रूप से नहीं कर सकता। एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि अध्यापकों का 420 जमा 60 का ग्रेड आया था लेकिन उसमें से 35 रूपये घटा दिये है। यह 35 रूपये महीने की रा ि ा पिछले दो सालों की वसूल की जा रही है जबकि बेसिक पे में से कभी भी पैसा वापिस नही ंलिया जा सकता। इसलिये मैं भाांन्ति राठी जी से कहना चाहता हूं कि जो अध्यापकों से पैसा वापिस लिया जा रहा है उसे फौरन बन्द किया जाये। मै ंएक बात और कहना चाहता हूं कि किसी दे ा और प्रदे ा को बनाने में मजदूर का भी हाथ होता है। जो मजदूर खेती में काम करता है सीरी सांझी का काम करता है या जो

स्वीपर है जब तक इनकी अवस्था को नहीं सुधारा जाएगा तब तक हमारा ढांचा ठीक प्रकार से नहीं चल पाएगा। आज यह स्थिति उत्पन्न हो चुकी है कि जो पढे लिखे बेरोजगार है या इंजीनियर्ज है ये सारे के सारे सडकों पर इसलिये अ गये है कि इनको हम वक्त पर काम नही दे पाते । (विघन) पिछली सरकार के समय पर भी यही हालत थी और अब भी यही हालत है। मेरे भाई जो बाले रहे हे ये खुद उनका भाोशण करते रहे है। (विघन)

श्री बलदेव तायलः उपाध्यक्ष महोदय, किसी भी मेंबर को हिज मास्टर वोआइस बनने का अधिकार नहीं है। यह नहीं होना चाहिये कि जो बात जगननाथ जी कहें वही ये कहें।

श्री उपाध्यक्षः कृपया भाांति से सुनें और बीच में इन्टरपट न करें। जगननाथ जी आप अपनी सीट पर जाइए।

मास्टर जोगी रामः उपाध्यक्ष महोदय, मैं बलदेव तायल जी का बहुत आदर करता हूं। मैं किसी के कहने से नहीं बोल रहा हूं बल्कि अपनी बात कह रहा हूं।

चौधरी राम लाल वधवाः उपाध्यक्ष महोदय, जगननाथ जी आपको डिसओबे कर रहे है और अपनी सीट पर नहीं जा रहे। (ाोर)

मास्टर जोगी रामः इसके बाद डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार जो पीने के पानी का प्रबन्ध कर रही है उसके लिये मैं सरकार की सराहना करता हूं। इसके अलावा जो सरकार की

31–3–81 तक सभी गांवों को सडकों के साथ मिलाने की योजनाहै उसकी भी मैं सराहना करता हूं। इसके बाद मैं एक वि ोश बात और कहना चाहता हूं कि ला एंड आर्डर के बारे में हमारे उधर के भाईयों ने बहुत सी बातें कही। मैं उनसे पूछना चाहताहूं कि जो भी अपराध होते है या जिन लोगों को सताया जाता है उनको सताने वाले कोन है और जिनको सताया जाता है वे कौन है?(विघन) डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा कहना चाहता हूं कि जिनका भाोशण होता है वे गरीब और बेसहारा आदमी होते है। मैं अपोजी ान की तरफ बैठे भाइयों कोकहना चाहता हूं कि अगर आप लेागों ने इस बात का नहीं समझा कि आज साधहीन व्यक्ति को इस तरह से दबाया नहीं जा सकता तो यह बहत बुरी बात हेागी। उनके जो विचार है या उनकी जो इस वक्त भावना है उसको कुचला नहीं जाएगा और दबाया नहीं जाएगा। आखिर में मैं फाईनेंस मिनिस्टर, मुख्यमंत्री और आपका धन्यवाद करते हुये अपना स्थान लेता हूं।

श्री उपाध्यक्षः अब चौधरी हर स्वरूप बूरा बोलेगें।

श्रीमती सुशमा स्वराजः डिप्टी स्पीकर साहब, हाउसमें तीन पार्टियां है, एक लोक दल,एक जनता पार्टी और एक भारतीय जनता पार्टी है। इसलिये मेरी आपसे प्रार्थना है कि हर पाट्री को अलग–2 टाईम मिलना चाहिये। (व्यवधान) हमारी पार्टी के सदस्यों को बोलने का टाईम नहीं मिल रहा।

श्री उपाध्यक्षः 1 घंटा 10 मिनट का टाईम अपोजी ान को मिल चुका है और सिर्फ 15 मिनट ट्रैजरी बैंचिज को मिलना है जिसका फैसला पहले ही हो चुका है। अब चौधरी हर स्वरूप बूरा बोलेगें और इसके बाद कामरेड भांकर लाल जी बोलेगें । (व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री जगननाथ): डिप्टी स्पीकर साहब, सुशमा स्वराज ने पार्टीज के बारे में बात कही। उनकी पार्टी का तो यह हाल है कि हाउस के अन्दर श्री बलदेव तायल लीडर है, हाउस के बाहर श्रीमती सुशमा स्वराज लीडर है, दिन में कामरेड भांकर लाल लीडर है और राम को स्वामी अग्निवे ा लीडर है। जब यह हाल हो तो इनकी पार्टी भी कोई पार्टी हुई। (व्यवधान)

चौधरी हर स्वरूप बूरा(महम): उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं यह अर्ज करना चाहता हूं–

इबादत है दीन–दुखियों की इमदाद करना,

जो ना ााद है, उनके दिल को भााद करना,

खुदा की नमाज और इबादत यही है,

जो ना ााद है, उन्हें भााद करना। (तालियां)

उपाध्यक्ष महोदय, सरकार की क्या नीयत है, क्या इरादे है, सरकार किस डायरैक ान में जा रही है, इन बातो ंका जिक बजट में होता है। (व्यवधान) आप जरा सुनने की हिम्मत रखें, सब

क्लयर कर दूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, फाईनैंस मिनिस्टर साहब ने जो बजट हाउस में पे ा किया है, मे इसकी बेहतरीन ताईद करता हूं और इसके साथ ही साथ भुकिया अदा करता हूं कि उनहोने टैक्स–फ्री बजट पे ा किया है। यह बजट केवल टैक्स–फ्री बजट ही नहीं बल्कि प्रो–डिवैल्पमैंट, प्रो–एम्पलायमैंट, प्रो–पूअर, प्रो–फामर्ज ओर प्रोग्रेसिव बजट है, इसके लिये मैं फाईनैंस मिनिस्टर की जितनी तारीफ करूं, उतनी थोडी है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा का एक एक आदमी यह बात कहता है कि फाईनैंस मिनिसटर ने बहुत ही बेहतरीन बजट पे ा किया है। बाबू मूलचन्द जैन ने बजट का विरोध करते हुये कहा कि बजट में टैक्स इसलिये नहीं लगाया क्योकि इलैक ान नजदीक आने वाले है लेकिन भाायद बाबू मूलचन्द जैन जी यह नहीं जानते कि श्री भजन लाल की सरकार ने पिछले साल जो बजट सदन में पेश किया था उस में भी जनता पर कोई टैक्स नहीं था। उपाध्यक्ष महोदय, ये इस बजट काकिटिसिजम तो करते है लेकिन वे अपने बजट को भूल गये जिसमें जनतापार्टी की सरकार ने पैसैंजर टैक्स साढ़े 12 परसैंट, रजिस्ट्रे ान फीस 25 परसैंट, सूती धागे पर 2 परसैंट, सवा छः एकड से अधिक जमीन रखने वाले जमीदारपर साढे 33 परसैंट, आबयाना 10 परसैंट और सीमेंट पर सेल्ज टैक्स 7 परसैंट बढाया थां उस वक्त आपकी अपनी पार्टी के सदस्यों ने, खास तौर पर चौधरी संत कंवर और चौधरी सतवीर सिंह मलिक ने बजट हाउस मे फाड़ कर फैंक दिया था और मैंने रूलिंग पार्टी में रहते हुये इन टैक्सिज का विरोध किया था। अगर इनके दिल

में गरीबों के प्रति हमदर्दी होती तो ये इतने टैकस जनता पर न लगाते।

चौधर सतवीर सिंह मलिकः आन ए प्वांयट आफ आर्डरं डिप्टी स्पीकर साहब, जिस वक्त हमने यह टैकस लगाया था उस वक्त बूरा साहब सजधज के किन बैंचों पर बैठे थे, क्या वे बतायेगें? (व्यवधान) आप इन से पूछें कि चौबीसी में इनकी क्या हालत है? (व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। (व्यवधान)

चौधरी हर स्वरूप बूराः उपाध्यक्ष महोदय, इनहोने वायदे का जिक्र किया कि सरकार वायदा करती है लेकिन पूरा नहीं करती। मैं इन्हें बतानाचाहता हूं कि मदनहेडी गांव में चोधरी वीरेन्द्र सिंह का जलसाथा। वहां के लोगों ने सडक के डेढ़ किलोमीटर के टुकड़े को बनाने की मांग की थी। उस जलसे में चोधरी बीरेन्द्र सिंह ने कहा था कि बूरा के हलके में सउक बनाने को कोटा पडा हुआ है। अगर बूरा साहब आपने कोटे से डेढ मील का टुकड़ा काट कर दे देते है तो यह सडक बना दी जाएगी। मेंने उसी लजसे में एलान किया था कि मेरे कोटे में से चौधरी बीरेन्द्र सिंह को 2 किलोमीटर की सडक काट कर दे दें लेकिन इस गांव का डेढ किलोमीटर का टुकडा जरूर बनाये। इन्होने उन लेागों के साथ वायदा किया था लेकिन वह वपायदा आज तक पूरा नहीं

किया ओर सडक का वह टुकडा आज तक नहीं बना। डिप्टी स्पीकर साहब, श्री बलदेव तायल ने गांव मदनहेडी में यह वायदा किया था और इसके साथ ही कहा था कि इस गांव में अगर वाटर वर्क्स नहीं बना तो वह एम0एल0ए0 ि ाप से इस्तीफा दे देगें। बड़े अफसोस के साथ कहना पडता है कि वाटर वर्क्स बनने की तो बात अलग रही, आज तक उस गांव में ताय साहब गये तक नहीं सरदार लछमन सिंह जी ने, मेरे अनुरोध पर उस गांव में वाटर वर्क्स मंजूर ही नहीं किया बल्किआज वहां पर पानी के नल चल रहे है। ये वायदों की बात करते है, लेकिन ये देखें कि इन्होने अपने समय में जनता से किये गये कितने वायदे पूरे किये थे? अगर इनकी बात करने लगूं तो पता नहीं कितने भाई मुझे से नाराज हो जायेगें, अच्छा है मैं इस बात को न ही छेंडू। (व्यवधान) अगर आप जनता के लिये कुछ करना चाहते है तेा पहले कुछ सीख लो। उपाध्यक्ष महोदय, अपोजी ान लीडर श्री मूलचन्द जैन ने बजट का क्रिटीसीजम किया लेकिन इनको कहने के लिये बजट में कुद नहीं मिला। That discussion was only for the sake of discussion being leader of the opposition, otherwise there is nothing to criticize in the budget. उपाध्यक्ष महोदय, इस बजट के बारे में ये बडी बडी बातें करते है। इन्होने जो बजट पे ा कियाथा उसमें पंचायतों के लिये एक भी लफज नहीं था, एम0आई0टी0सी0 के लिये एक लफज नहीं था जबकि किसान पानी के बिना मर रहा थां मैंने हाउस में बार बार कहा था और हाउस में रैजोल्यू ान दिया, काल अटे न ान मो ान दिया लेकिन चौधरी

बीरेन्द्र सिंह ने कुछ नहीं किया। उस वक्त बाबू मूल चन्द भी मिनिस्टरी में थे, उन्होने अपने बजट–भाश्ण में एक भी रियायत का जिक्र नहीं किया था। हां, चोधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने 33 परसैंट टैकस मुआफ करने की बात कही थी जो साढ़े छः एकड से ज्यादा जमीन रखने वाले किसानों पर लगाया था। लेकिन यह बात उनके दिल तक ही रह गई और किसान को फायदा नहीं पहुंचा पाये थे। इसके मुकाबले में आज भजन लाल सरकार ने अढ़ाई एकड़ तक के जमीदार पर कोइ्र टैक्स नहीं लगाया, बिल्कुल मुआफ कर दिया और जो अढ़ाई एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसान है उन पर से 50 परसैंट टैक्स मुआफ कर दिया। यह है किसान की असल मदद। मैं आपको बताना चाहता हूं कि किसान का पेट सिर्फ बातों से नहीं भरता, कंस्ट्रक्टिव काम करने से भरता है। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, अभी अभी मास्टर ि ाव प्रसाद ने कहा कि अम्बाला ही ऐसा भाहर है जिसके पीछे ' ाहर' का भाब्द लगाया जाता है लेकिन इसकी हालत बडी खराब है, सरकार को भार्म आनी चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, आज वे ऐसा विचार रखते है लेकिन वे इस बात को भूल गये जब उन्होने भिवानी स्टैंड, रोहतक में पब्लिक मीटिंग में यह कहा था कि चौधरी भजन लाल गरीबों के , किसानों के और मजदुरों के मसीहा है औरइन में वि वास करनेपर, इनको समर्थन देने से ही इन लेागों का भला हो सकता है। (व्यवधान) आज इनके विचार बदल गये है। आज ये कहते है

कि ये दलबदलू है, विचार बदलू है ओर सिद्धांत बदलू है लेकिन इस बात का आप खुद ही निर्णय कर लें।

उपाध्यक्ष महोदय, ये बात करते है कि मंत्री–परिशद बहुत बडी है ओर बहुत से एम0एल0एज0 चैयरमैन बना दिये है। यह बात उस वक्त नहीं करते थे जब इनकी वजारत थी और हर एम0एल0ए0 को किसी न किसी कारपोरेशन का चेयरमैन बना रखा था, इस ढंग से ये उस वक्त नहीं सोचा करते थे। हां, यह बहाना इनका जरूर था जिसका सहारा लेकर ये कहा करते थे कि 76 एम0एल0एज0 मेसे इतने वजीर थे और इतने चेयरमैन थें उपाध्यक्ष महोदय, एम0एल0एज0 की तादाद घटने या बढने से खर्च नहीं घटता बढता, चाहे एम0एल0ए0 76 हो, चाहें 52 हो, अगर वजीरों और चेयरमेन की तादाद उतनी ही हे तो खर्च भी उतना ही रहेगा।

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। डिप्टी स्पीकर सहाब, बूरा साहब ने दलबदलू की बात कही। हमें पता है कि ये अच्दे वकील है और चौधरी भजन लाल के नये–नये समर्थक बने है। इन्होने अभी–2 कहा कि हमने भिवानी स्टैंड पर चौधरी भजन लाल की तारीफ की थी और कहा था कि चौध्शरी भजन लाल जी बहुत अच्छे आदमी है, इन पर वि वास करो। ठीक है, हमने कहा था लेकिन इसलिये कहा था कि ये अपना इमान नहीं डोलेगें, दल नहीं बदलेगें। अब ये दल बदल गये है, हम क्या करें? (व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker: This is no point of order.

चौधरी हरस्वरूप बूराः .....

.....

डा0 मंगल सैनः .....

.....

Mr. Deputy Speaker: Nothing will be recorded.

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये)

चौधरी हरस्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, बाबू मूल चन्द जैन जी ने घोशणा करने की बात कही लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मेहम में चीफ मिनिस्टर साहब ने तीन घोशणाएं की थी कि मेहम को सब–तहसील से अपग्रेड करके तहसील बना दिया जायेगा, वहां बस स्टैंड बनाया जाएगा और हस्पताल भी बनाया जायेगा लेकिन वहां तीन काम करने की बजाये इनहोने चार काम किये है। (सत्ताधारी पक्ष से प्र ंसा)बस स्टैंड और हस्पताल का काम हो रहा है तथा मेहम सब–तहसील से तहसील बन गई है।

चौधरी संत कवंरः चौथा काम क्या है?

चौधरी हरस्वरूप बूराः चौथा काम आई0टी0आई0 का है। (विघन) अध्यक्ष महोदय, वहां क्लासिज चल रही है ओर इम्तहान होने वाले है। (विघन) अध्यक्ष महोदय, बाबू मूल चन्द जैन अनएम्पलायमेंट की बात भी कह रहे थे लेकिन इनके अपने बजट

के अन्दर सिवाय रूरल इंडस्टरी के और कोइ स्कीम नहीं थी। वह स्कीम आज भी बकायदा मौजूद है। कोई भी भाई अगर लोन लेना चाहता है तो वह ले सकता है। स्पीकर साहब, इन्होने तो एक स्कीम बनाई थी लेकिन चौधरी भजन लाल ने 6–7 स्कीमें ऐसी और बनाई है। ये लोग अगर उन्हें पढे तो इन्हें पता लगे। (विघन) स्पीकर साहब, इन्होने वैटरिनरी डिसपैंसरियों की भी बात कही। इनहोने अपने राज में 20 वैटरिनरी डिसपैंसरीज नहीं बनाई थी लेकिन ये चौधरी ि ाव राम है जिन्होने 100 डिसपैंसरीज पिछले साल बनाई, 100 इस साल बनाई है और 100 अगले साल बनाने का प्रोविजन रखा है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः वे सारी नीलोखेड़ी और आदमपुर में बनी है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः सात तो मेहम हल्के में बनी है।

श्री कंवल सिंहः वह तो दल बदलने का इनाम है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः मैने लेागों का काम करने के लिये दल बदला है। आपकी तरह केवल नारों से मैं लोगों का पेट नहीं भरना चाहता। लेागों को मैने बता दिया था कि दल बदल कर मैने अपने लिये गुनाह किया है आपके लिये नहीं। आपके तो मै काम करना चाहता हूं। बाद में आप फ्री होगें आप मुझे वोट देना या न देना। आपने मुझे पाचं साल के लिये चुना है ओर मै आपकी इज्जत करता हूं और आपको सम्मान देता हूं। (विघन)

ईमानदारी की बात हमसे सीखें। हम लोगों की ईमानदारी से सेवा करते है उनका काम करते हे, दो–दो अढाई–अढ़ाई हजार रूपये तनख्वाह लेकर केवल बातें करके लोगों को पेट नहीं भरते। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, जिन टीचर्ज की ग्रान्ट को 75 फीसदी से बढाकर 95 फीसदी कियागया है वे जानते है कि सरकार ने उनके लियें क्या किया है, इन लोगों को क्या पता है? जिन लोगों को बैनिफिट होता हे वे सही बात जानते है। (ाोर) टीचर्ज की यह मांग थी कि इस ग्रान्ट को सैंट परसैंट कर दिया जाए लेकिन सरकार सैंट परसैंट ग्रान्ट क्यों नहीं कर पा रही है इसका जवाब तो वित्त मंत्री या मुख्य मंत्री जी देगें परन्तु 75 परसैंट से बढाकर 95 परसैंट करके भी इस सरकार ने काबले तारीफ काम किया है। (ाोर) मुझे बताया जा रहा है कि उनकी मांग ही 95 परसैंट की थी जो पूरी कर दी गई है।

अध्यक्ष महोदय, चौपालें बनाने की बात भीयहां कही गई। इसके बारे में अर्ज यह हैं कि चौधरी देवी लाल के वक्त में चौपाल बनाने के लिये 10 हजार रूपये हरिजनां को देने पडते थे और 10 हजार रूपये मैंचिग ग्रान्ट के रूप में गवर्नमेंट देती है। वह स्कीम आज भी जारी है। इसके अलावा चौधरी भजन लाल जी ने उस चौपालों की कम्पलि ान के लिये जो चौधरी देवी लाल के वक्त मेंबननी भाुरू हुई थी लेकिन बन करपूरी नहीं हुई थी, पांच हजार रूपये फी चौपाल मुकर्रर कर रखे हैं लेकिन मैं हाउस को यह बता देना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल के वक्त में जितनी

चौपालें बननी भाुरू हुई थी वे आज करीब–2 कंप्लीट हो चुकी हैं स्पीकर साहब, मै इन भाइयों को यह भी बता देना चाहता हूं कि चौधरी खुर ाीद अहमद ने 20 हजार रूपये का पंचायत घरों के लिये प्रावधान किया है और अब हर गांव के अनदर पंचायत घर बनेगें।

अध्यक्ष महोदय, स्वामी अग्निवे ा जी बार–2 टपरीवास ओर विमुक्त जाति काजिक किया करते थे और हमारी सरकार ने इन लोगों के उत्थान के लिये थी बजअ में प्रावधान किया है। चौधरी भजन लाल जी के दिल में यह बात नहीं है कि कोइ साथ अगर अपोजी ान में है तो उसकी जायज बात पर अमल नहीं करना है या चौधरी गंगा राम, चौधरी वीरेन्द्र हिस और चोधरी संत कवंर जी के हल्के में काम नहीं करना है क्योकि ये अपोजि ान के है। इनके दिल में न तो इलाके का फर्क है और न इन्सान का फर्क है, ये तो लेागों के लिये काम करनाचाहते है। इन भाब्दों के साथ, अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी खुर ाीद अहमद जी की एक प्रगति ाील बजट पे ा करने के लिये बघाई देता हूं।

कामरेड भाकंर लाल (सिरसा): स्पीकर साहब, आज बजट के उपर सारा हाउस अपनी अपनी बात कह रहा हैं मुझे भी आपने समय दिया, इसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं सबसे पहले यह बात कहना चाहता हूं कि 50 करोड के करीब का घाटा हरियाणा के इस बजट में दिखाया गया हैं भाायद 40 करोड़ के करीब पिछले साल का घाटा था। वह भी अगर साथ जोड

लिया जाये तो मेरी समझ में यह नहीं आत कि इतने बडे ंघाटे को सरकारकैसे पूरा करेगी। यह बजट मेरी नजर में मूताबिक एक सिद्धांतहीन, दि ाहीन ओर झूठा बजट है। इस बजट के अनदर सरकार ने कहा है, हमारे वित्त मंत्री ने बातया है कि कर्मचारियों की कमी करने पर तकरीबन 12 करोड़ रूपये का घाटा पूरा होता हैं मैं यह समझता हूं कि इससे एक तो कर्मचारियों की छटनी होगी , जो बेरोजगार लेाग लगने थे वे नहीं लगेंगे और छटनी भी उन कर्मचारियों की होगी जिन्हें मोजूदा सरकार अपना विरोधी समझती है। इसलिये यह तो कर्मचारियों के उपर बडी तीखी नौक की तलवार है।। वैसे भी आज कर्मचारी जगह–2 भाग रहे है, सरकार के खिलाफ आन्दोलन कर रहे है। इन कर्मचारियों में प्राईवेट कालेजों के प्रोफैसर और टीचर्ज भी भामिल है। स्पीकर साहब, आपको पता है कि वे रोज अपनी मागों को मनवाने के लिये डैपुटे ान लेकर आते रहते हैं रोज धरने देते है और रोज उनके लिये यहां प्र न आते है।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 15 हजार वर्क चार्ज कर्मचारियों के प्रतिनिधि भी यहां पर काफी दिनो ंसे धरना दिये हुये है। इसी तरह से डिप्लोमा होल्डर इंजीनियर्ज भी 6 हजार के करीब चण्डीगढ़ आये हुये है। उनकी मांग यही है कि उन्हे भी पंजाब के मुताबिक तमाम सहुलियतें दी जाये। सीनियर इन्जीनियर्ज, एस0डी0औज0 से लेकर डिग्री होल्डर्ज, ऐक्सीयन चीफ इनजीनियर वगैरा जो भी उनके बडे बड़े आफिसर होते है उनको

तरक्की दी जा सकती हे प्रमो ान दिया जा सकता है तो फिर जो जूनियर इन्जीनियर्ज वर्गरा है उनको प्रमोश्ज्ञन क्यों न दिये जाये? पंजाब के बराबर अपना हक मांगेन के लिये ही वे महज इतना आन्दोलन कर रहे हैं स्पीकर साहब, इसी प्रकार से चौथी श्रेणी के कर्मचारी चपड़ासी चौकीदार और दूसरे जो इस श्रेणी में भाामिल है उनके साथ भी अन्याय हो रहा हैं आज आजाद दे ा के अन्दर उनसे घरेलू काम लिया जा रहा है। हमारे सीनियर आफिसर्ज उनसे अपने कपउे धुलवाते है।, जुतो को पालि ा करवाते है और उकने बच्चों को खिलाते हैं इस प्रकार से न जाने कितने प्रकार का काम वे उनसे करवाते हैं मैं यह किसी एक के बारे में बात नहीं कर रहा। यह जनरल बात है। श्रेणी चार के कर्मचारी जो आफिसरों के साथ है, वजीरों के साथ है या चेयरमैनों के साथ लगे हूये है वे उनके गुलाम बनकर रह रहे हैं वे उन लेागें का निजी काम धन्धा करते है। यह आजाद दे ा के लिये एक बहुत ही कंलक की बात है।

स्पीकर साहब, आज हरियाणा सरकारयह कहती है कि सारे हरियाणा के अन्दर काम के बदले अनाज की योजना चली हुई है। हरियाणा में भी यह प्रोग्राम चला यह बडी खु ाी की बात हैं लेकिन अब बजट के अनदर काम के बदले अनाज के कार्य की कोई योजना नहीं है और न ही इसका कोइ जिक है। आखिर इसका नुकसान किस को होगां नुकसान होगा तो गांव के अन्दर जो गरीब आदमी बसते है, खेतीहर मजदूर है, तपरीवास है और

हरिजन जोगांवों में मजदूरी करके अपना पेट भरना चाहते है उन लोगों के पेट पर लात मार दी हैं। दूसरी बात यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा क अन्दर सरप्लस भूमि के लिये और भूमि सुधाार के लिये सरकार ने एक सरप्लस महकमा बना रखा हैं उसी महकमे से संबंधित बात मैं सिरसा के बारे में कहना चाहता हूं । सिरसा के अन्दर बहुत बडे बडे पूंजीपति है और जागीरदार है। (ाोर)

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): किसी का नाम पता तो बता दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज।

आवाजें: सुशमा जी आप इनकों क्यों बता रहे है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, ये पानी पीना चाहते है। कृपया इनहें एक गिलास पानी मंगवा दिया जाये क्यांकि इनका गला सूख गया है।

श्री अध्यक्षः अगर इनका गला सूख गया है तो पानी मंगवा देते है।

कामरेड भांकर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं सरप्लस जमीन के बारे में एक कहानी सुनाना चाहता हूं। इस जमीन के बारे मै मैने चीफ मिनिस्टर साहब को लिख कर भी दिया है और मैं इनसे पर्सनली मिला भी हूं

चोधरी भजन लालः यह ठीक है कि इन्होने मुझै लिखकर दिया है।

कामरेड भांकर लालः अध्यक्ष महोदय, वहां पर कुछ लोगो ने अफसरों से मिल कर और फर्जी कागज दिखा कर अफसरों से अपनी मिसलें गुम करवा दी है। वहां पर काफी लोगों ने अपने छोटे–छोटे बच्चों को बडे बच्चे दिखा कर जमीन उनके नाम दर्ज करवा ली है। किन्ही व्यक्तिसयों ने फर्जी इन्तकाल अपनी औरत के नाम से दिखाया है। इस किस्म की काफी जमीन पूंजीपतियों के पास है। पिछले हमारे जो वहां पर डी0सी0 और एस0डी0ओ0 .....लगे हुये थे उनके खिलाफ काफी ि ाकायतें आई थी। वे लोग तकरीबन 20 लाख रूपया वहां से कमा करके चले गये है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय जो आदमी हाउस में आपने आप को डिफैंड न कर सकता हो उसका नाम नहीं लिया जाना चाहिये। इसलिये मेरा निवेदन है कि जो.....नाम लियाहै इसको ऐक्सपंज किया जाना चाहिये।

श्री अध्यक्षः अगर किसी आफिसर कानाम यिला गया है तो उसको ऐक्सपंज कर दिया जाये।

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, वहां पर तो बीसों जैन साहब होगें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कितने एस0डी0ओ0 वहां पर इक्ट्ठे कर रखे है? (ाोर एवं व्यवधान)

कामरेड भांकर लालः मैं आप लोगों से यही प्रार्थना करना चाहता हूं कि सरप्लस जमीन जो सिर्फ कागजों के अन्दर भूमिहीन लेागों को दी गयी हैं उन लोगों को अभी तक भी कब्जे नही मिले हे, उनको कब्जे दिलवाये जाये.....

श्री अध्यक्षः भांकर लाल जी , 15 मिनट हो गये है।

कामरेड भांकर लालः मेरे तो 15 मिनट हुये ही नहीं हैं (व्यवधान एवं भाोर) मैं तो यही बात आपसे कह रहा हूं कि चाहे कोई भी है, मेरा मतलब किसी दल से या किसी व्यक्ति वि ोश ने नहीं है। मेरा मतलब सिर्फ यह है कि जो बडे जागीरदार अफसरों के साथ घुल–मिल कर अपनी जमीनों को तरह तरह के तराकों से बचा रहे है, यह नहीं होने देना चाहिये। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे इलाके के अन्दर भजन लाल जी ने बडे वायदे किये थें। भरी सभाओं के अन्दर वायदे और घोशणाएं की कि वहां पर अढाई सौ बैडज का हस्पताल बनेगा।

चौधरी भजन लालः यह तो आप मानते है कि वहां पर काम हो रहा है।

कामरेड भांकर लालः वह हस्पताल अब डेढ़ सौ बैडज का रह गया है।

चोधरी भजन लालः फिलहाल डेढ़ सौ का है लेकिन उसके अन्दर जयादा बैडज का प्रोवीजन रखा है।

कामरेड भांकर लालः सिरसा का बस स्टैड बनाने की भी घोशणा की गयी थी। मेरा ख्याल यह हे कि उसके बाद की घोशणा आदमपुर और फतेहाबाद की थी। वहा पर तो बस–स्टैंड तैयार हो गये है लेकिन हमारे बस स्टैंड का तो पता ही नहीं हैं (व्यवधान एवं भाोर) मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं। वहां पर ऐसे उद्घाटन भी हुये है जो चीजें आज से दो साल पहले बन चुकी थी। जैसे अभी चुटाला के अनदर हस्पताल का उद्घाटन हुआ है। एक वहां पर काला तीतर बनाया था चोधरी देवी लाल ने जिसका खर्चा 10 हजार रूपये का है। (व्यवधान एवं भाोर) यह पर्यटन स्थल है, उस वक्त भी मेने कहा था कि यह फिजूलखर्ची है, यह सफेद हाथी बांधने के समान है अब चौधरी भजन लाल जी वहां से सिर्फ तीन किलोमीटर दूर आा ाखेड़ा के अन्दर एक और टूरिस्ट काम्पलेक्स बना रहे है। वह भाायद किसी केन्द्रीय नेता की सिफारि ा पर बनाया जा रहा है भाायद स्पीकर लोकसभा के रि तेदार वहां पर रहते है। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः भांकर लाल जी, आपको 20 मिनट होने लगे है।

कामरेड भांकर लालः मैं तो पहले कभी भी नहीं बोला हूं। मैं गवर्नर साहब के अभिभाशण के धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं

बोला हूं। अगर बोला हूं तो आप बता दे। चौधरी भजन लाल और राव वीरेन्द्र सिंह जी वहां पर गये। वहां पर पहले से ही बने हुये हस्पताल का उद्घाटन किया गया। इसके बाद अब 31 मार्च को इन्दिरा जी हिसार के अन्दर आ रही है वहां पर मिन्नी सचिवालय को बने हुये कई साल हो गये , दो साल तो उसे चालू हुये भी हो गये है, लेकिन सरकार उसका उद्घाटन करने के लिये अब वहां पर जा रही है मैं यह कहता हूं कि जब तक कि इस तरह की फिजूखर्चा को खत्म सरकार नहीं करेगी तब तक हरियाणा की जनता काभला नहीं कर सकेगी। मंत्री कारपोरे ान के चेयरमैन और विधायक इस हरियाणा के खजाने को खाली कर रहे हैं तरह–तरह के तरीकों से उन बे ुमार लेागों को खु ा करने के लिये और सहूलियतें देने के लिये जैसे कारे, कोठियां और टेलीफोन और तरह–2 के टी0ए0/डी0ए0 वगैरा सरकार दे रही हैं (व्यवधान एवं भाोर) मैं हाउस में यह कहना चाहता हूं कि हम जितने लोग यहां पर बैठे है, हम लोग अपनी सम्पति का उस समय से ब्यौरा दे जब हम यहां पर विधान सभा में चुन कर आये थे तब से लेकर आज तक हम अगर अपनी सम्पत्ति का बयौरा देगें तो उससे यह पता लग जायेगा कि दो नमबर का धन, भ्रश्टाचार, रि वत का पैसा, किसने कमाया है और कितने लोगों ने नाजायज तरीके से पैसा कमाया है। यह सूचना जनता के सामने आ जायेगी। कोई भी व्यक्ति है, चाहे वह बेईमान है या ईमानदार है? मेरा कहने का मतलब किसी एक आदमी से नहीं हैं सबसे पहले मैं दूंगा। (व्यवधान व भाोर) चौधरी राम लाल वधवा यहां पर बैठे है।

जनता पार्टी की विधायक दल की मीटिंग में एक दफा सबसे पहले मैने चर्चा चलायी थी ओर मैने लिखित तौर पर चौधरी राम लाल वधवा जी को अपना ब्यौरा दिया था। मुझे अब पता नहीं वह कागज कहां पर है, है भी या नही है?

चौधरी राम लाल वधवाः वह कागज है। कहे तो अभी पे ा कर दूं। (व्यवधान एवं भाोर)

कामरेड भांकर लालः आज से दो सल पहले जो मैंने अपना ब्यौरा दिया था, मेरी सम्पत्ति उसके मुताबिक ही है कोई बढ़ी नहीं है।

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्रीमती भाांति देवी): अध्यक्ष महोदय, मेरे आदरणीय मित्र, विधायकों और मंत्रियों के उपर इल्जाम लगा रहे है। ये यूंही हरेक विधायक और मंत्री पर इल्जाम लगा रहे है अगर इनके पास सबूत है तो यहां हाउस में पे ा करें (ाोर एवं व्यवधान)

एक आवाजः यह कोई इल्जाम नहीं लगा रहे है।

कामरेड भांकर लालः मेरी बहिन अच्छी तरह से मेरी बात तो सुन लें।

श्रीमती भाांति देवीः यही नहीं कि वह यहां पर सबूत पे ा करे बल्कि उस विधायक या मंत्री कानाम लेने में भी उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिये।

कामरेड भांकर लालः मैने बहिन जी का नाम नहीं लिया है।

श्रीमती भाांति देवीः मैं तो यह कह रही हूं कि आप नाम लीजिये।(व्यवधान एवं भाोर)

कामरेड भांकर लालः वजीर ओर भी यहां पर बहुत से बैठे है। यहां पर केवल बहिन जी ही 'वजीर नहीं बैठी है।। मैं यह कहता हूं कि जबवह ब्यौरा आयेगा और पड़ताल होगी तब सब पता चल जायेयगा। मैं एक दूसरी बात और कहना चाहता हूं कि आज हरियाणा में ला एण्ड आर्डर की मिट्टी पलीत हो रही है। इस के बारे में सबसे जयादा गुनाहगार हरियाणा की पुलिस है क्योकि पुलिस को सरकार लगाती है। पुलिस के खिलाफ कोई भी ऐक ान लेना हो तेा लेते हुये डरती है। अगर नहीं डरती तो डबवाली कांड के अन्दर जेा कमी ान ने फैसला दिया है अपनी रिपोर्ट के अन्दर उसके अनुसार वे लोग आज दफा 302 के तहत जेलों के अन्दर बन्द होते और उनके खिलाफ मुकदमें बने होते। इसक `अलावा अगर सरकार पुलिस से नहीं डती तो हांसी के अन्दर जो कुछ हुआ है वह न होता। एक तरफ तो सरकार किसान को 4–5 सौ रूपये के लिये जेल में डाल देती है लेकिन हरियाणा के उन बड़े–2 पूंजीपतियों/उद्योगपतियों से जिनके खिलाफ 11 करोड़ रूपया बिक्री कर का बकाया है, वह पैसा वसूल करने के लिये उनको जेलों में क्यों नहीं डालती?

स्पीकर साहब, तमाम हरियाणा के अन्दर विकास योजनाओं को ड्राप कर दिया गया है।

श्री अध्यक्षः कामरेड साहब, आपको बोलते हुये पच्चीस मिनट हो गये है।

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, मेरे हल्के सिरसा के अन्दर घग्घर पर एक रिंग बांध बनना था। पिछले साल इस बारे में कुछ चर्चा चली थी, कुछ प्रोग्राम चला था लेकिन वह ड्राप हो गया। कृश्णावती नहीं पर महेन्द्रगढ़ में बाधं बनना था। भाायद 53 लाख रूपये का उस पर काम होना था लेकिन वह ठप्प कर दिया गया। कई सडक्रके थी निको बनाना था लेकिन वे नहीं बनाई गई। मेरी आप लोगों से अपील है कि आप लोगों का विकास के काम बन्द नहीं करने चाहिये। विकास की योजनायें जारी रहनी चाहिये। स्पीकर साहब, मैं इस बजट के बारे मै कहना चाहता हूं कि यह बजट भटके हुये लोगों का बजट है औरभटके हुये लोगों का भटकदार बजट है, ये बेजान बजट हैं स्पीकर साहब, हरियाणा के अन्दर कितने बलात्कार के केसिज हुये है।

श्री अध्यक्षः अब आप समाप्त करें। Please sit down.

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, हिसार में एक दिन मे तीन डाके पड़े। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बिल का विरोध करता हूं।

श्री रण सिंह मान (बाढ़डा): अध्यक्ष महोदय, 16 मार्च, 1981 को चौधरी खुर ाीद हअमद ने बजट पेश करते हुये जो भाशण दिया था, उस पर मैं चर्चा करना चाहता हूं। इस बजट के पृश्ठ तीन पर वित्त मंत्री जी ने यह माना है कि 36 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे है और इसी पैरा में उन्होने कहा है कि यदि छोटे और सीमान्त किसान की हालत दयनीय है तो भूमिहीन मजदूरों ओर भाहरी झुग्गी, झोंपडियों के निवासयिों की हालत औरभी खराब हैं स्पीकर साहब, मैं इस बजट को पढने के बाद इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि हालांकि वित्त मंत्री जी ने छोटे किसानों का, खेतीहर मजदूरों का और भूमिहीन मजदूरों का कई जगह जिक्र किया है लेकिन मै ंनहीं समझता कि वे इस बजट द्वारा आ ाओं ओर आकांक्षाओं को किसी भी तरह से फलीभुत कर सकेगे। उन लोगों की खु ाहाली के बारे में इस बजट में कुछ नहीं लिखा हैं अगर वाकई सरकार की नियत गरीब कारीगरों, किसानों, मजदूरो और खेतीहर मजदुरो की मदद करने की है तो मै ंसमझता हूं कि उनको इन लोगों की सहायता के लिये बजट में कुछ अधिक प्रोवीजन करना चाहिये था। वित्त मंत्री इसी सूबे के रहने वाले हैं और ऐंसे इलाके के रहने वाले है जहां की आबादी का बहुत बडा हिस्सा कर्जे में दबा हुआ है। किसी के उपर तकावी का कर्जा है और किसी के उपरकिसी दुसरे बैंक का कर्जा है ओर लोगोां में इतनी कैपेसिटी नहीं है कि वे अपनी कमाई मे से कुछ बचाकर अपने कज्र को लौटा सकें। हो यह रहा है कि तकावी कर्जा दूसरे बेंक से कर्जा लेकर लौटाया जा रहा है और बैंक का

कर्जा तकावी लोन लेकर लौटाया जा रहा है। मतलब यह है कि एक कर्जा दूसरी तरफ से पैसा लेकर लौटाया जा रहा है। उन लोगो ंकी इतनी क्षमता नहीं है कि वे लोग बिना पैसा उधार लिये हुये अपना कर्जा उतार सके।

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। आज के बिजनैस पर मेरा एक अनस्टार्ड क्वै चन 472 था। उन अनस्टार्ड क्वै चन का मुझे कोई जवाब नहीं दिया गया हैं इस बारे में मैं आप की रूलिंग चाहता हूं।

Mr. Speaker: There is as request form the Government for extension of time. They are collecting the information. The answer will be supplied to you.

Dr. Mangal Sein: Sir, I was not told. Therefore, I drew your attention.

Mr. Speaker: Thank You, I will see to it.

श्री रण सिंह मानः स्पीकर साहब, मैं कर्जो के बारे में चर्चा कररहा था। अगर सरकार की नियत कर्जदार लेागें की मदद करने की होती, गरीब लोगों की मदद करने की होती तो मैं समझता हूं कि इस बजट भाशण में वित्त मंत्री महोदय गरीबों के कर्जे की माफी को स्थान देते। यह सरकार केवल दिखावे के लिये गरीब लोगों के आंसू पोंछता चाहती है, गरीब लोगों कके दिलों को जीतना चाहती है लेकिन व्यवहार में जो सरकार को करना चाहिये था वह नहीं कर रही हैं मैं आ ाा करता हूं कि जब वित्त

मंत्री बजट पर हुई डिस्क ान का जवाब देगें तो अपनी स्पीच में कर्जो को माफी के बारे में जरूर कुछ कहेंगे क्योंकि आज जो दे ा का नक ाा है उसमें किसान, कारीगर और खेातीहर मजदूर का महत्व है। स्पीकर साहब, इसी बजट भाशण के पृश्ठ चार पर लिखा है समाज के वंचित वर्ग यथा हरिजनो, तपरीवास और विमुक्त जाजियों सहित पिछडे वर्गो अपाहिजों, बुढ़ों, तथा निर्बलों की भलाई के कार्यक्रमों की ओर भी वि ोश ध्यान देने की जरूरत है। बडे खेद के साथ मुझे वित्त मंत्री महोदय से कहना पड़ रहा है कि इन वर्गो के लोगों की इतनी बडी संख्या है लेकिन 1981–82 के बजट में केवल 80 लाख रूपये का प्रावधान है जोकि नाकाफी है। स्पीकर साहब, मै ंएक अर्ज पहले ओर कर दूं कि आज हमारे पहले की तरह परिवार नहीं हैं आज हमाररे टूटते परिवार है और वि ाशकर इस समाज के जो सामान्य आदमी है उनके टूटते परिवारों के कारण जो जवान पढे लिखे है और बेराजगार है, वे निरा ा है अतः जब तक उनको रोजगार नहीं मिला तब तक उनको बेरोजगारी भत्ता दिया जाना चाहिये ।उन लोगों की हालत दयनीय है। बेरोजगारी भता देकर उनके दर्द को कम किया जा सकता है लेकिन यह सरकारउनके लिये कुछ नहीं कर रही है। मैं अब अपनी पुरानी बात पर आता हूं कि साठ साल के उपर बूढ़ों को जिन्होनें इस प्रदे ा में बीस साल तक मजदूर, खेतीहर मजदूर किसान और कारीगर के रूप में काम किया है उन सब को पैन ान दी जाये। लेकिन सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। निराश्रित स्त्रियों, बच्चों, बूढ़ों, निर्बलों तथा

अपाहिज लोगों के कल्याण के लिये जो 80 लाख रूपया रखा है वह नाकाफी है। इस मद में ज्यादा पैसा रखना चाहिये था। स्पीकर साहब, श्री बलदेव जी तायल ने भी जिक्र किया कि एम0आई0टी0सी0 खाल पक्के बना रहा है ओर इस वजह से पानी की बचत हेा रही है। और उस फालतू पानी का आबियाना सरकार वसूल कर रही है और खर्चा किसानों के उपर डाला जा रहा है। अगर सरकार बढे हुये पानी का आबियाना खुद वसूल करे और खर्चा किसानों के उपर डाले यह ठीक बात नहीं है। अढ़ाई एकड़ तक अबियाना माफ करने की जो बात कही गई है वह जोत पर न होकर खतूनी पर है। इस बारे में स्पश्टीकरण दिया जाना जरूरी है। इस तरह सरकार अपने किये हुये वायदे से मुकर रही है।

Mr. Speaker: The House stands adjourned* till 9.30 a.m. tomorrow. the 19th March, 1981.

(13.30 hours)

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Thursday, the 19th March, 1981.)